जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 | वर्षः 32 | संख्याः 259 | प्रभात | उदयपुर, मंगलवार 22 जुलाई, 2025 | आर.जे. 7202 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

अपनी अवहेलना से दुःखी धनखड़ ने उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया

अवहेलना का कारण, शायद मोदी सरकार व उनके बीच बढ़ते गम्भीर मतभेद थे

- धनखड़ महसूस कर रहे थे, कि उन्हें वह ओहदा नहीं मिल रहा था, जो उन्हें उपराष्ट्रपति होने के कारण स्वाभाविक तौर पर वैसे ही मिलना चाहिए था। उदाहरण के लिए, जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति वैन्स भारत यात्रा पर आए थे तो धनखड़ के साथ उनकी मुलाकात आयोजित नहीं की गई थी, और इससे धनखड़ काफी क्षुब्ध थे, काफी आहत महसूस कर रहे थे।
- न्यायाधीश वर्मा के इम्पीचमैंट को लेकर भी समस्या थी। कछ पार्टियों, जिनमें प्रमुख पार्टी मुलायम सिंह की समाजवादी पार्टी है, ने इन्कार कर दिया था, महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से, न्यायाधीश वर्मा काफी नज़दीक माने जाते थे, मुलायम सिंह यादव के। कई वरिष्ठ वकील भी न्यायाधीश वर्मा के ''इम्पीचमैंट'' के खिलाफ थे।
- सरकार चाहती थी, महाभियोग के मसले पर, विपक्ष (मुख्य रूप से कांग्रेस) के लोकसभा सदस्य भी हस्ताक्षर करते, पर, कांग्रेस इसके लिए तैयार नहीं थी, क्योंकि कांग्रेस का तर्क था, उनके सांसद , राज्यसभा में हस्ताक्षर कर चुके हैं।
- धनखड़ के खिलाफ शिकायत यह भी थी, कि, वे योगी आदित्यनाथ की कुछ ज्यादा ही तारीफ कर रहे थे, तथा यू.पी. की भी कुछ ज्यादा ही यात्रा कर रहे थे।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जुलाई। यह पहला अवसर है, जब भारत के किसी पदासीन उपराष्ट्रपति ने अपने पद से इस्तीफा दिया है।

भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे के साथ ही, वे राज्यसभा के सभापति पद से भी स्वत: ही हट गए हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजे अपने इस्तीफे में उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया है।

लेकिन सूत्रों का कहना है कि असली वजह कुछ और है। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन यह बड़ा और चौंकाने वाला घटनाक्रम हुआ है, जिसके बाद राज्यसभा की कार्यवाही पर असर पड़ सकता है।

धनखड़ 2022 में उपराष्ट्रपति बने थे और उनका कार्यकाल 2027 तक था।

ऐसी अपुष्ट खबरें हैं कि मोदी सरकार के साथ गंभीर मतभेदों के चलते उनसे इस्तीफा देने को कहा गया।

हाल के दिनों में, वे सरकार से खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे थे और उन्हें उचित सम्मान और प्रोटोकॉल नहीं मिल रहा था। बताया जाता है कि अमेरिका की उपराष्ट्रपति वेंस से उनकी मुलाकात नहीं हुई, जिससे उन्हें काफी ठेस पहुंची।

सरकार और उपराष्ट्रपति के बीच मतभेद के साथ-साथ,उनका स्वास्थ्य भी एक मुद्दा था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे कुछ समय पहले उनसे मिलने गए थे।

जस्टिस वर्मा के महाभियोग को लेकर भी विवाद था।

कुछ विपक्षी दलों, जैसे समाजवादी पार्टी, ने इस पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था क्योंकि जस्टिस वर्मा मुलायम सिंह यादव के करीबी माने जाते थे।

कई वरिष्ठ वकील भी जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग का विरोध कर रहे थे।

सरकार केवल लोकसभा में महाभियोग लाना चाहती थी, लेकिन कांग्रेस इसके लिए तैयार नहीं थी। कांग्रेस ने कहा कि आपके पास 100 से ज्यादा सांसद हैं, आप इसे आगे बढ़ा सकते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एयर इंडिया के तीनों टायर फटे, हादसा टला

नई दिल्ली, 21 जुलाई। मुंबई एयरपोर्ट पर सोमवार सुबह एअर इंडिया का एआई 2744 प्लेन लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसल गया। ये विमान कोच्चि से मुंबई आया था। मुंबई में भारी बारिश के कारण रनवे पर फिसलन थी, जिससे विमान रनवे से 16 से 17 मीटर दूर घास पर चला गया।

ये हादसा सुबह 9:27 बजे हुआ। तस्वीरों में दिखा कि विमान के दाहिने इंजन के नैसेल

- एआई 2744 विमान मुम्बई में लैंडिंग के दौरान फिसल कर 16-17 मीटर घास पर चला गया।

(ढक्कन) को नुकसान पहुंचा है। इस घटना के बाद विमान को पार्किंग तक लाया गया, जहां सभी यात्री और क्रू मैम्बर्स को उतारा गया। इस दौरान विमान के तीन टायर फट गए।

एअर इंडिया ने बताया कि हादसे में किसी पैसेंजर या क्रू मेंबर को नुकसान नहीं पहुंचा है, हालांकि मुंबई एयरपोर्ट का मेन रनवे, 09/27 क्षतिग्रस्त हुआ है। रनवे पर फ्लाइट्स की आवाजाही बंद कर दी गई है। रनवे के किनारे तीन साइनेज बोर्ड और चार लाइटें भी टूट गईं।

न्यायाधीश वर्मा के ''इम्पीचमैंट'' नोटिस पर सौ लोकसभा सदस्यों ने हस्ताक्षर किए

संसद में ''इम्पीचमैंट'' (महाअभियोग) के प्रस्ताव पर कम से कम सौ लोकसभा सदस्यों व 50 राज्यसभा सदस्यों के हस्ताक्षर होने चाहिए, सदन में प्रस्ताव बहस के लिए पेश होने के लिए

- राज्यसभा के मार्क्सवादी सदस्य जॉन ब्रिटास व साम्यवादी पार्टी के संदोष कुमार ने मुद्दा उठाया, कि, न्यायाधीश शेखर यादव के खिलाफ महाअभियोग प्रस्ताव अभी तक लिस्ट नहीं हुआ है, जबकि संसद न्यायाधीश वर्मा के खिलाफ महाअभियोग के मामले पर विचार कर रही है।
- मुख्य न्यायाधीश गवई ने, महाधिवक्ता नेदुमपरा के व्यवहार पर नाराज़गी व्यक्त की, जब उन्होंने न्यायाधीश वर्मा को वर्मा कहकर सम्बोधित किया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, ''न्यायाधीश वर्मा हाईकोर्ट के सम्मानित जज हैं, उन्हें ''वर्मा'' कह कर सम्बोधित करना, उनका अपमान है।
- अधिवक्ता, नेदुमपरा का तर्क था, कि न्यायालय को इस मामले में दिल्ली पुलिस को एफ.आई.आर. दर्ज करके, जांच करनी चाहिए।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 21 जुलाई। दिल्ली में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर भारी मात्रा में नकदी मिलने के मामले में, संसद में उन्हें हटाने के लिए महाभियोग प्रस्ताव लाने की प्रक्रिया तेज हो गई है। लोकसभा के 100 से अधिक सांसदों ने इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। ज्ञातव्य है कि जब नकदी मिलने की घटना हुई थी, तब वे दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीश थे।

महाभियोग प्रस्ताव संविधान के तहत किसी न्यायाधीश को हटाने की प्रक्रिया के अंतर्गत आता है, जिसके लिए प्रस्ताव पर लोकसभा के कम से कम 100 और राज्यसभा के कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर आवश्यक होते हैं।

केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को सर्वदलीय बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि इस प्रस्ताव को सदन में कब पेश किया जाएगा, यह संसद की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी तय करेगी।

शनिवार को राज्यसभा सदस्य जॉन ब्रिटास (माकपा) और पी. संतोष कुमार (भाकपा) ने न्यायमूर्ति शेखर यादव के खिलाफ, उनकी कथित साम्प्रदायिक टिप्पणियों के कारण लाए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष की तारीफ की

प्र.मंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के बाद सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों ने विदेशों में भारत के लिए सकारात्मक माहौल बनाया

- प्र.मंत्री ने संसद सत्र से पूर्व पत्रकारों से औपचारिक सम्बोधन में कहा कि विपक्षी दलों व सांसदों ने देश के लिए एकता का प्रदर्शन किया।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जुलाई। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत किए गए वैश्विक संपर्क कार्यक्रम (ग्लोबल आउटरीच) में सभी राजनीतिक दलों की भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह भारत की साझा शक्ति और विश्व मंच पर बढ़ते सम्मान का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने सर्वदलीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल की सराहना की जिन्होंने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के वैश्विक संपर्क अभियान के तहत विभिन्न देशों की यात्रा की। उन्होंने कहा, सांसदों और उनकी पार्टियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक सकारात्मक माहौल बनाया है। इस प्रयास में उनका योगदान प्रशंसनीय है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी सेना ने जो पराक्रम दिखाया उसे हमे आगे बढ़ाना चाहिए, और जिस तरह देश ने संसद में एकजुटता दिखाई, वह अनुकरणीय है।

मोदी ने यह भी कहा कि वर्तमान मानसून सत्र देश के लिए ''गौरवपूर्ण मानसून सत्र'' है, खासकर इसलिए कि भारत ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को भेजा है और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भी अहम सफलताएं हासिल की हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के तहत, आतंकियों के आकाओं के घर 22 मिनट में जमींदोज़ कर दिए गए। दुनिया इस नई भारतीय सैन्य ताकत से बहुत प्रभावित है।

उन्होंने आगे कहा, आजकल जब भी मैं विदेशी नेताओं से मिलता हूं, तो मुझे ''मेड इन इंडिया'' हथियारों में गहरी रुचि दिखाई देती है। भारत की रक्षा निर्माण शक्ति को वैश्विक पहचान मिल रही है।

अमेरिकन अदालतों ने 75 प्रतिशत फैसले ट्रम्प के खिलाफ सुनाये

वाशिंगटन, 21 जुलाई। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के नए कार्यकाल की शुरुआत से अमेरिकी अदालतों ने 75 प्रतिशत मामलों में उनके खिलाफ फैसला सुनाया है और वर्तमान कार्यकारी शाखा के फैसलों को चुनौती दी है या स्थगित किया है। समाचार पत्र वाशिंगटन टाइम्स की एक रिपोर्ट में यह

- ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल के पहले 6 माह में उनके कार्यकारी निर्णयों के खिलाफ 500 मुकदमे हुए अर्थात प्रति कार्य दिवस चार मुकदमे।

जानकारी दी गयी।

रिपोर्ट के अनुसार अपने छह महीने के कार्यकाल के दौरान ट्रंप को अपनी कार्यकारी शाखा के कार्यों को चुनौती देने वाले कम से कम 500 मुकदमों का सामना करना पड़ा है, जो प्रति कार्यदिवस चार मुकदमों के बराबर है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मानसून सत्र के पहले ही दिन विपक्ष ने लोकसभा नहीं चलने दी

हंगामे के कारण बार-बार सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी, फिर चार बजे पूरे दिन के लिए लोकसभा स्थगित कर दी गई

- विपक्ष, ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम हमले पर चर्चा की मांग कर रहा था, सरकार की ओर से चर्चा के आश्वासन के बाद भी विपक्षी नेता नारेबाजी करते रहे।
- दोनों सदनों में कांग्रेस के सांसद काला स्कार्फ बांध कर आए थे।
- दूसरे दिन भी संसद में भारी हंगामा होने की संभावना है क्योंकि विपक्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विदेशी दौरे पर नाराजगी जता रहा है, विपक्ष का कहना है प्र.मंत्री को सदन में होना चाहिए।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जुलाई। संसद के महीने भर चलने वाले मानसून सत्र के पहले ही दिन लोकसभा में भारी हंगामा देखने को मिला। विपक्षी दलों ने सदन नहीं चलने दिया, क्योंकि नाराज विपक्षी सांसद पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर तुरंत बहस की मांग को लेकर नारेबाजी करते रहे और उन्होंने सदन की कार्यवाही बार-बार बाधित की। इसके चलते, सदन चार बार स्थगन करना पड़ा और अंततः सदन को पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया गया।

सरकार ने दोनों सदनों में इन मुद्दों पर पूरी बहस कराने की पेशकश कर दी थी, उसके बाद भी भारी हंगामा हुआ। यहां तक कि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने हस्तक्षेप करते हुये कहा कि सरकार किसी बहस से भाग नहीं रही है, लेकिन फिर भी विपक्ष के सदस्य नारेबाजी करते हुए वैल में खड़े रहे और तुरंत बहस की मांग पर अड़े रहे। विपक्ष ने दावा किया कि उन्होंने कम से कम 20 मुद्दों पर बहस के लिए नोटिस दिए हैं।

हंगामे की शुरुआत प्रश्नकाल के दौरान ही हो गई, जिससे स्पीकर ओम बिड़ला ने मजबूरन सदन को दोपहर 12 बजे तक के लिये स्थगित कर दिया। इसके बाद कार्यवाही बार-बार स्थगित होती रही और अंत में भाजपा के दिलीप सैकिया द्वारा दोपहर 4 बजे के आसपास पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।

राज्यसभा में अध्यक्ष जगदीप धनखड़ के कुशल संचालन के कारण वहां ऐसा कोई हंगामा नहीं हुआ। उन्होंने विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को पहलगाम मुद्दा उठाने का अवसर दिया और फिर सदन के नेता व स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा को यह आश्वासन देने दिया कि इस पर पूरी बहस कराई जाएगी। इससे पहले कि विपक्ष अन्य मुद्दे उठाता, धनखड़ ने राज्यसभा को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया और कहा कि पहलगाम बहस के लिए समय सदन की कार्य संचालन समिति तय करेगी।

कांग्रेस के सांसद, जिनमें सोनिया गांधी भी शामिल थीं, दोनों सदनों में काले स्कार्फ पहनकर पहुंचे थे, जो उनके विरोध का प्रतीक था। वहीं, राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष पर, विपक्ष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रेल्वे पेपरलीक में 8 आरोपियों को सजा

नयी दिल्ली, 21 जुलाई। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अहमदाबाद स्थित अदालत के विशेष न्यायाधीश ने रेलवे पेपर लीक मामले में सोमवार को आठ आरोपियों को पाँच-पाँच वर्ष के साधारण कारावास और पांच-पांच लाख रुपये के जुर्माने की सज़ा सुनाई।

ये सभी रेलवे के पूर्व कर्मचारी हैं और इन्हें यह सजा आपराधिक षडयंत्र, चोरी,

- सीबीआई की विशेष अदालत ने सभी आठ को 5 साल की कैद व 5-5 लाख रु. के जुर्माने की सजा सुनाई। सभी आरोपी रेल्वे के पूर्व कर्मचारी हैं।

चोरी की संपत्ति को बेईमानी से प्राप्त करने या रखने, अपराध के साक्ष्य को गायब करने और आपराधिक कदाचार के मामले में सुनाई गई है।

सीबीआई ने तत्कालीन मुख्य सतर्कता निरीक्षक, पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद की शिकायत के आधार पर, अगस्त 2002में राजेश गोस्वामी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक बार फिर मोदी विदेश यात्रा पर निकले, जब संसद का सत्र चल रहा है

राहुल गांधी ने इस पर टिप्पणी की, ''मोदी अपनी जवाबदेही से भाग रहे हैं''

- सरकारी सूत्रों ने विदेश यात्रा को सही ठहराते हुए कहा, ''यात्रा का कार्यक्रम पूर्व निश्चित था, तथा यह यात्रा राजनीतिक रणनीति की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।''
- सरकार के आलोचकों ने प्रत्युत्तर में कहा है, सरकार की प्राथमिकता क्या है, देश में प्रजातंत्र को पोषित करना, क्योंकि, संसद निर्णायक भूमिका रखती है, प्रजातंत्रीय व्यवस्था में, क्योंकि किसी भी बहस के लिए यह देश का सबसे बड़ा मंच है।
- साथ ही मालदीव की चीन के नज़दीक जाने की इच्छा के कारण भारत-मालदीव रिश्ते इतने कमज़ोर कभी नहीं रहे।
- साथ ही, ब्रिटेन की इकॉनमी की स्थिति भी इस वक्त ज्यादा मजबूत नहीं है, महंगाई, राजनीतिक स्थिरता, तथा घटते राजनीतिक प्रभाव के कारण। अतः ब्रिटेन भारत के लिए खास उपयोगी साबित नहीं हो सकता।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 21 जुलाई। संसद का मानसून सत्र सोमवार को शुरू हुआ, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस दौरान विदेश यात्रा पर जाने को लेकर विपक्षी दलों ने तीखा विरोध जताया। संसद में जहां चुनावी सूची में संशोधन, बढ़ती बेरोजगारी, ऑपरेशन सिंदूर के प्रभाव और मणिपुर में तनाव जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होनी है, वहीं प्रधानमंत्री बुधवार को मालदीव और ब्रिटेन की यात्रा पर रवाना हो रहे हैं। विपक्ष ने इसे गैर-जिम्मेदाराना और गैर-लोकतांत्रिक फैसला बताया है।

प्रधानमंत्री संसद भवन तो आए, लेकिन सिर्फ मीडिया को औपचारिक संबोधन देने के लिए, जो सत्र शुरू होने से पहले की परम्परा है। इसके बाद वे दोनों सदनों की कार्यवाही में शामिल हुए बिना निकल गए। माना जा रहा है कि उन्होंने अपने संसद कार्यालय से लोकसभा में विपक्ष के हंगामे को देखा।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर ''जवाबदेही से भागने का आरोप लगाया और कहा कि राष्ट्रीय संकट के समय संसद से दूरी बनाना लोकतांत्रिक कर्तव्य की अवमानना है।'' टीएमसी, सीपीआई (एम) और डीएमके के नेताओं ने भी यही बात दोहराई और कहा कि प्रधानमंत्री घरेलू ज़िम्मेदारियों से ज़्यादा विदेशी दिखावे को प्राथमिकता दे रहे हैं।

सरकारी सूत्रों ने इस दौरे का बचाव करते हुए इसे पहले से तय और रणनीतिक रूप से अहम बताया। लेकिन जानकारों का कहना है कि मोदी के इस दौरे, जिसमें वे मालदीव जा रहे हैं, की टाइमिंग कई सवाल खड़े करती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

क्या इस संसद सत्र में प्रश्नों के उत्तर मिलेंगे?

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई 2025 से प्रारंभ हो चुका है। इस सत्र के हंगामेदार रहने की संभावना है। इतने महत्वपूर्ण संसद सत्र के प्रारंभ होते ही प्रधानमंत्री इंग्लैंड और मालदीव्स की विदेश यात्रा पर जा रहे हैं। इससे यह संकेत तो मिलता ही है कि प्रधानमंत्री संसद में रहने को अधिक महत्त्व नहीं देते हैं।

इस सत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति और आर्थिक स्थिति से संबंधित कई ऐसे गंभीर प्रश्न उठने की संभावना है जिस पर सरकार, विशेषकर प्रधानमंत्री को संसद के माध्यम से देश के समक्ष स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। सामान्यतया, जब सरकार महत्वपूर्ण प्रश्नों के उत्तर सार्वजनिक रूप से न दे और प्रधानमंत्री केवल अपनी ही बात करें और जनता एवं राजनीतिक दलों द्वारा उठाए जा रहे प्रश्नों के संबंध में मौन साध लें, तो फिर उनके पास उत्तर प्राप्त करने का केवल एक ही विकल्प बचता है, कि वे संसद के अंदर, संसदीय प्रक्रियाओं के अनुसार सरकार से उत्तर प्राप्त करने का प्रयास करें । हम इस आलेख में ऐसे ही कुछ महत्वपूर्ण अनुत्तिरत प्रश्नों का उल्लेख करेंगे ।

पहला प्रश्न पहलगाम की आतंकवादी घटना के संबंध में है । यह घटना 22 अप्रैल को घटी किंतु अभी तक इससे संबंधित अनेक पहलुओं का उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। जब पहलगाम की बाई –शरण घाटी में सुरक्षा की व्यवस्था नहीं थी तो वहां पर क्यों पर्यटकों को इतनी बड़ी संख्या में जाने दिया गया? इसके कारण 26 निर्दोष पर्यटक, आतंकवादियों की गोलियों के शिकार हो गए। प्रश्न यह भी है कि अभी तक चार आतंकवादियों में से एक को भी पकडा क्यों नहीं गया? देश यह जानना चाहता है कि क्या ये देश में ही कहीं छुपे हैं, पाकिस्तान चले गए हैं या फिर किसी मुठभेड में मारे गए हैं? जो भी स्थिति हो, सरकार को संसद के माध्यम से देश को बताना चाहिए।

दूसरा प्रश्न ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से देश को मिली सफलता एवं उसके परिणाम से संबंधित है। भारत के सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने हाल ही में स्पष्ट किया है कि भारत का कोई नुकसान इस संघर्ष में नहीं हुआ, जब कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने हाल ही में एक बयान दिया है कि इस संघर्ष में पांच जेट विमान गिराए गए। सरकार को यह साफ बताना चाहिए कि ये किसके थे? अब तक इस बारे में असमंजस की स्थिति बनी हुई है । भारतीय सेना के प्रमुख अनिल चौहान और इंडोनेशिया में भारत के दूतावास में पदस्थापित रक्षा अटैची कैप्टन शिव कुमार ने यह माना कि भारत ने अपने जेट खोए हैं। यह सच बताने में सरकार को क्या परेशानी है कि भारत ने कोई जेट विमान खोए या नहीं और खोए तो कितने? जब संघर्ष होता है, तो दोनों पक्षों को जन धन की क्षति होना स्वाभाविक है। देश को यह जानने का हक तो है ही कि हमारे देश का कितना नुकसान हुआ है? अंततः, सारा पैसा तो देश की जनता से ही वसूल किया जाता है? इस बारे में इतनी अपारदर्शिता क्यों? संसद में सरकार या तो डोनॉल्ड ट्रंप के बयान का खंडन करे या पुष्टि करे।

तीसरा प्रश्न, ऑपरेशन सिंदूर के चलते,अचानक हुए युद्ध विराम के संबंध में है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप बार-बार युद्ध विराम का श्रेय स्वयं ले रहे हैं और कह रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को युद्ध विराम करने हेतु तैयार किया। इसके लिए उन्होंने आर्थिक प्रतिबंधों की धमकी का भी जिक्र किया। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बयानों में भारत और पाकिस्तान को तराजू के पलड़ों में एक समान रखा। यह भारत के लिए अटपटी सी स्थिति थी क्योंकि भारत ने अब तक कभी भी किसी तीसरे देश की भूमिका, भारत-पाक संबंधों में स्वीकार नहीं की थी।

क्या संसद में प्रधानमंत्री इस बात को जोर देकर कहेंगे कि राष्ट्रपति ट्रंप का कथन गलत है और उनकी कोई भूमिका इस युद्ध विराम में नहीं थी? इससे देश आश्वस्त होगा कि भारत ने पाकिस्तान से संबंधित अपनी इस नीति में कोई परिवर्तन नहीं किया है कि वह किसी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा।

चौथा महत्वपूर्ण प्रश्न, बिहार में चल रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में है। चुनाव आयोग द्वारा इस कार्रवाई के अंतर्गत बिहार के सभी आठ करोड़ मतदाताओं से गणना प्रपत्र भरवाया जा रहा है। इनमें से दो तीन करोड़ मतदाताओं को अपना स्वयं का और माता / पिता का जन्म प्रमाण पत्र भी गणना प्रपत्र के साथ प्रस्तुत करना होगा । यह एक तथ्य है कि बिहार के लाखों लोग राज्य के बाहर अन्य राज्यों में कार्य हेतु जाते हैं। गहन पुनरीक्षण का निर्णय लेते समय चुनाव आयोग ने यह बिल्कुल नहीं सोचा कि कैसे भारी बरसात के बीच ये लोग अपना काम छोड़कर यह प्रपत्र भरने के लिए बिहार जाएंगे और कैसे ये लोग अपने माता या पिता का जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त कर पाएंगे? ऐसा लगता है कि इस पुनरीक्षण की प्रक्रिया के बाद लगभग डेढ़-दो करोड लोग ऐसे होंगे जिनके प्रपत्र दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत नहीं हो पाएंगे और इस कारण उनके नाम मतदाता सूचियों से काट दिए जाएंगे। तदनुसार ये लोग नवंबर में होने वाले बिहार के विधानसभा चुनाव में मत नहीं दे पाएंगे। सोशल मीडिया के कुछ लोगों जैसे अजीत अंजुम द्वारा बिहार में फील्ड पर किए जा रहे सर्वे के आधार पर यह रिपोर्ट सामने आई है कि बी एल ओ, अपने ही स्तर पर मतदाताओं की ओर से फॉर्म भरकर और हस्ताक्षर करके जमा कर रहे हैं और मतदाताओं को इसकी कोई जानकारी नहीं है। यह बात भी सामने आई है कि मतदाताओं को गणना प्रपत्र की एक प्रति नहीं दी जा रही है जैसे कि चुनाव आयोग के निर्देश हैं। इस प्रकार की दोषपूर्ण प्रक्रिया से मतदाताओं को अपने अधिकार से वंचित करने की कार्यवाही के संबंध में सरकार को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। यह सब क्यों किया जा रहा है जबकि बिहार में चुनाव नवंबर में हैं ? चुनाव आयोग यह सब मतदाताओं की नागरिकता जांचने के नाम पर कर रहा है जबकि कि भारत का कोई भी नागरिक अपनी नागरिकता सिद्ध नहीं कर सकता। सरकार द्वारा नागरिकता का प्रमाण देने की कोई व्यवस्था ही नहीं की गई है। चुनाव आयोग द्वारा ऐसा इस समय यह सब क्यों किया जा रहा है, इस बारे में स्थिति, सरकार को स्पष्ट करनी होगी। यदि ऐसा नहीं किया गया तो सरकार एवं चुनाव आयोग के उद्देश्य पर संदेह के बादल हमेशा मंडराते रहेंगे । लोगों में भी यह आशंका बनी रहेगी कि इस पूरी कार्यवाही का उद्देश्य सत्ताधारी दल के विपक्षियों के नाम मतदाता सूची से बाहर करना ही तो नहीं है? इस पर विस्तृत चर्चा अत्यंत आवश्यक है, जिसे केवल यह कहकर यह नहीं टाला जा सकता कि यह प्रकरण माननीय उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है ।

विपक्षी दलों को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी कारण से संसद स्थगित न हो और जिन भी नियमों में संभव हो, उनके अंतर्गत वे चर्चा करें, ताकि सरकार और प्रधानमंत्री को विभिन्न विषयों पर उठाए गए विषयों पर उत्तर देने के लिए बाध्य होना पड़े। सकारात्मक विपक्ष का काम केवल यह नहीं है कि हंगामा करके सत्र को बंद करवा दें। ऐसा करके वे सरकार की ही सहायता करेंगे।

पांचवा महत्वपूर्ण विषय लोकसभा एवं विधानसभा क्षेत्र के पुनर्सीमांकन का है । यदि जनसंख्या के आधार पर ही सीटों का सीमांकन किया जाता है तो यह संभावना है कि उत्तरी भारत की तुलना में दक्षिण भारत के राज्यों की लोकसभा सीटों की संख्या में बहुत कमी आ सकती है। इस कारण दक्षिण भारत का प्रतिनिधित्व संसद में बहुत हो जाएगा । इसी कारण दक्षिणी राज्य इसका विरोध कर रहे हैं। इस संबंध में सरकार को अपनी सोच स्पष्ट करनी चाहिए। छठवां विषय जिस पर संसद में चर्चा होनी चाहिए, वह अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट ए आई 171 के उड़ान भरते ही क्रैश होने के संबंध में है।

इस दुर्घटना में 260 व्यक्तियों की जान चली गई।अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि दुर्घटना का कारण क्या रहा? कहीं यह कारण तो नहीं था कि सरकार की विभिन्न सुरक्षा नियामक एजेंसियों में कर्मचारियों /अधिकारियों की अत्यंत कमी है और जिसके कारण पर्याप्त सुरक्षा जांच, उड़ान से पूर्व संभवतया नहीं हो पाई ? अब तक प्राप्त अंतरिम रिपोर्ट से ज्ञात हुआ है कि ईंधन के स्विच 'कट ऑफ' हो जाने के कारण इंजन बंद हो गए और यह विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया । इस बारे में स्पष्ट और विस्तृत जानकारी संसद सदस्यों को सरकार के द्वारा दी जानी चाहिए।

सातवां महत्वपूर्ण बिंदु जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा प्रदान करने से संबंधित है । इसका आश्वासन तो सरकार 2019 से ही दे रही है। हाल ही में श्रीनगर में शहीद दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में भाग लेने के लिए जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को अपने घर से बाहर निकलने के लिए दीवार फांदकर जाना पड़ा । केंद्रीय रिजर्व पुलिस और स्थानीय पुलिस द्वारा उन्हें रोका जा रहा था। किसी भी राज्य के चुने हुए मुख्यमंत्री को अपने ही देश में ऐसी स्थिति का सामना करना पड़े और पुलिस बलपूर्वक रोकने का प्रयास करे तो यह संसद में चर्चा का विषय तो बनेगा ही । सरकार को यह बताना होगा कि क्यों जम्मू कश्मीर को अब तक पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं दिया जा रहा है?

प्रधानमंत्री द्वारा विभिन्न घोषणाओं की वास्तविकता के बारे में भी संसद में प्रश्न उठेंगे जिसका उत्तर प्रधानमंत्री को देना चाहिए। उदाहरण के लिए बिहार के मोतिहारी में चुनावी रैली में प्रधानमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत उस जिले में 3 लाख लोगों को पक्के आवास बनाकर दे दिए गए, जबकि सरकार की वेबसाइट के अनुसार ही अब तक कुल 14000 व्यक्तियों को ही मोतिहारी जिले में आवास मिले । गलत बयान देने के बारे में संसद सदस्य प्रधानमंत्री से जवाब मांग सकते हैं और प्रधानमंत्री से अपेक्षा रहेगी कि वे स्थिति स्पष्ट करें।

कावड़ यात्रा में के दौरान कांवड़ियों द्वारा सीआरपीएफ के जवान को पीटने की घटना भी चर्चा का विषय बन सकती है। इस बारे में विभिन्न प्रकार की घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में सरकार द्वारा स्थिति स्पष्ट किए जाने की अपेक्षा सांसदों और देश को रहेगी।

इस वक्त हाल ही में बरसात के कारण देश के कई उच्च राज मार्ग, राष्ट्रीय उच्च मार्ग एवं कई पुल दुर्घटनाग्रस्त होकर गिर गए जिसके कारण कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। जिस गति से बिहार और गुजरात में पुल टूटे हैं वह न केवल जनता के धन की बर्बादी को दर्शाता है अपितु भ्रष्टाचार की ओर इशारा भी करता है । बिहार के सांसद इस बारे में चर्चा की आशा रखेंगे ।

गत कुछ सत्रों का अनुभव यह रहा है कि सरकार किसी भी विवादास्पद विषय पर चर्चा करने से बचती रही है और प्रधानमंत्री स्वयं भी ऐसे समय सदन में उपस्थित नहीं रहते हैं। कई बार तो सत्ताधारी दल के सांसद ही हंगामा करने लग जाते हैं जिसके कारण सरकार अपने जवाब देने के उत्तरदायित्व से बच निकलती है। विपक्षी दलों को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी कारण से संसद स्थगित न हो और जिन भी नियमों में संभव हो, उनके अंतर्गत वे चर्चा करें, ताकि सरकार और प्रधानमंत्री को विभिन्न विषयों पर उठाए गए विषयों पर उत्तर देने के लिए बाध्य होना पड़े। सकारात्मक विपक्ष का काम केवल यह नहीं है कि हंगामा करके सत्र को बंद करवा दें। ऐसा करके वे सरकार की ही सहायता करेंगे। आशा की जानी चाहिए कि इस सत्र में विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर गंभीर बहस होगी और विपक्ष सरकार को मजबूर करेगा कि वह एवं उसके मुखिया, प्रधानमंत्री विभिन्न प्रमुख मुद्दों पर सरकार का रुख स्पष्ट करेंगे । अच्छा होगा यदि प्रधानमंत्री स्वयं संसद के सत्र के समय महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के दौरान सदन में उपस्थित रहें।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

नई राजस्थान टाउनशिप पॉलिसी से सुनियोजित शहरी विकास को गति मिलेगी

युवराज

■ **रहवासियों को सुनिश्चित होंगी बुनियादी सुविधाएं, निवेश के द्वार खुलेंगे, रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी**

विकसित राजस्थान-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में सुनियोजित नगरीय विकास की अहम भूमिका है। इससे आर्थिक गतिविधियों को तेजी से बढ़ावा मिलता है जिससे बुनियादी ढांचे में निरंतर सुधार आने के साथ-साथ निवेश और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होती है।

इसी लक्ष्यों की प्राप्ति के क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिमंडल बैठक ने नई राजस्थान टाउनशिप पॉलिसी का अनुमोदन किया है, जिससे राजस्थान सुनियोजित नगरीय विकास के क्षेत्र में अठाणी राज्य बन सकेगा। राजस्थान टाउनशिप पॉलिसी-2024 के प्रावधान ऐसी योजनाओं के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करते हैं जिनमें रहवासियों को बेहतर जीवन स्तर मिल सके। जिसमें सुबह की सैर के लिए पार्क भी हो और वर्षा तथा अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण की व्यवस्था भी हो। नीति के अंतर्गत सभी योजनाओं में हरित क्षेत्र की अनिवार्यता की गई है। सभी क्षेत्रफल की आवासीय योजनाओं में एकरूपता के दृष्टिगत 7 प्रतिशत पार्क-खेल मैदान एवं 8 प्रतिशत सुविधा क्षेत्र का प्रावधान किया गया है।

अंत्योदय की परिकल्पना होगी साकार, जरूरतमंद को मिलेगा आवास :- जरूरतमंद को आवास जैसी बुनियादी सुविधा का लाभ सुनिश्चित हो, इस ध्येय को भी नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। नीति के अंतर्गत सभी योजनाओं में ईडब्ल्यूएस-एलआईजी हेतु आरक्षित भूखण्डों का आवंटन स्थानीय निकाय के माध्यम से किये जाने का प्रावधान रखा गया है। इस प्रावधान से पात्र ईडब्ल्यूएस-एलआईजी व्यक्तियों को आवास की उपलब्धता पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित हो सकेगी। साथ ही, औद्योगिक योजनाओं में श्रमिकों के निवास के लिए न्यूनतम 5 प्रतिशत क्षेत्रफल के भूखण्ड का प्रावधान किया गया है। इससे श्रमिकों को औद्योगिक इकाइयों के समीप ही आवास उपलब्ध हो सकेंगे जिससे उनको आवागमन के समय में बचत होगी और उनकी कार्यकुशलता में वृद्धि भी होगी।

नीति में विकासकर्ता पर जवाबदेहिता और रहवासियों के लिए सुविधायुक्त आवासों का प्रावधान शामिल किया गया है। इसके लिए योजना के पूर्णता प्रमाण-पत्र जारी होने के पश्चात विकास कार्यों का रख रखाव 5 वर्ष की अवधि अथवा रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) को हस्तान्तरण किया जाने तक योजना के 2.5 प्रतिशत भूखण्ड रहन रखे जाने का प्रावधान किया गया है। साथ ही, आंतरिक विकास कार्यों के रख-रखाव हेतु रखरखाव शुल्क का प्रावधान भी किया गया है। नीति के क्रियान्वयन, निगरानी एवं समीक्षा के लिए राज्य स्तरीय समिति के गठन का प्रावधान किया गया है, जिससे शहरी योजनाओं के विकास में आने वाली समस्याओं का त्वरित निदान हो सकेगा।

लम्बवत विकास को मिलेगा प्रोत्साहन :- शहरी क्षेत्रों का निरंतर विकास भूमि की उपलब्धता को सीमित करता है। ऐसे में आवश्यक है कि बहुमंजिला योजनाओं पर विशेष जोर दिया जाए। नई टाउनशिप पॉलिसी लम्बवत विकास को बढ़ावा देती है। इससे कम क्षेत्र में भी अधिक आवासों का निर्माण हो सकेगा और अधिक से अधिक लोग निवास कर सकेंगे। इसके साथ ही नीति के अंतर्गत मिश्रित भू-उपयोग योजना, समूह आवास योजना, फ्लैट आवास योजना, एकीकृत योजना (समूह आवासीय, फ्लैट आवासीय, प्लोटेड), वाणिज्यिक भू-उपयोग में आमजन की सुविधा के लिए सब सिटी सेन्टर, डिस्ट्रिक्ट सेन्टर, कम्युनिटी सेन्टर का प्रावधान भी किया गया है।

आवागमन में होगी सुविधा, बन सकेंगे सेक्टर रोड्स :- नीति में बड़े सेक्टर रोड के निर्माण के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। इसके अंतर्गत राज्य के सभी नगरीय क्षेत्रों में सेक्टर सडकों के निर्माण एवं उनके सहारे व्यावसायिक पट्टी के विकास के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण की सेक्टर कॉमर्शियल पॉलिसी की तर्ज पर आपसी सहमति से भूमि अवाप्ति की कार्यवाही की जा सकेगी।

साथ ही, यह नीति सौर और पवन ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना को भी प्रोत्साहित करती है। नीति अनुसार, इन संयंत्रों की स्थापना के लिए राजस्व रिकॉर्ड में पहुंचमार्ग दर्ज होने व पहुंचमार्ग की न्यूनतम चौड़ाई की बाध्यता नहीं रखी गयी है। इसके अतिरिक्त नीति में जलस्त्रोतों के संरक्षण को भी बढ़ावा दिया गया है। इसमें नदी, झील, तालाब, नहर, नाला, बरसाती नालों जैसे विभिन्न जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए इनके सहारे आवश्यक न्यूनतक बफर आरक्षित किये जाने का प्रावधान रखा गया है।

युवराज, पी.आर.ओ., सीएमओ।

मतदाता सूची : 1952-नाम जोड़ो, 2025-नाम काटो, (52-25-संदर्भ - बिहार विधानसभा चुनाव)

रामनिवास बैरवा

पहले आम चुनाव मार्च-अप्रेल, 1952 में सम्पन्न हो चुके थे। उस समय की मतदाता सूची चर्चा आज 1925 में (बिहार चुनावों के संदर्भ में) भी आवश्यक है। जन प्रतिनिधित्व कानून 1950 में बनाया गया था और 1951 में भी दूसरा कानून बनाया गया था। 1950 के कानून में मतदान क्षेत्रों का सीमांकन तथा मतदाता सूची आदि के संबंध में प्रावधान थे, तो 1951 के कानून में चुनाव संबंधी अन्य तामझाम का नियमन था जिसमें मतदाताओं की पात्रता-अपात्रता के अलावा चुनाव में खड़े होने वाले उम्मीदवारों की योग्यता-अयोग्यता का जिक्र था। 1951 के जन प्रतिनिधित्वकानून का भाग सात, जिसका शीर्षक था "करप्ट एण्ड इल्लीगल प्रेक्टिसेज एण्ड इलेक्टोरल ओफेंसेज" था। 1957 के दूसरे आम चुनावों के ठीक छः महिने पहले, 28.08.1956 के संशोधन के द्वारा इसको बदलकर सिर्फ "करप्ट प्रेक्टिसेज एण्ड इलेक्टोरल ओफेन्सेज" करने के लिए 'इल्लीगल प्रेक्टिसेज' को हटाकर गैर-कानूनी काम करने वालों के लिए चुनाव लड़ने का रास्ता साफ किया गया था। इन संशोधनों के पीछे मतदाता सूचियों की भूमिका थी।

1952 के पहले 1951 में जनगणना हुई थी, उसी के साथ मतदाता सूचियां बनाने का काम भी किया गया था। करीब 17.5 करोड़ मतदाताओं की सूची बनाई गई थी। उस समय कई ग्रामीण स्त्रियां अपना नाम नहीं बतायीं- सामान्यतः स्त्रियों के नाम 'फलाने की पत्नी' या 'फलाने की पुत्री' के नाम से दर्ज की गई थी। तब उच्च अधिकारियों के ध्यान में यह तथ्य लाये जाने पर ऐसे नामों को हटा दिया गया था, पूरे देश की मतदाता सूचियों में से कुल 31 लाख से अधिक नाम हटाये गये थे। लेकिन, आज 2025 में मतदाता सूचियों में से अधिक से अधिक नाम कैसे हटाये जायें, चुनाव आयुक्तों का मुख्य कार्य बन गया है। प्रारम्भिक जानकारियों के अनुसार, मौजूदा बिहार में मतदाता सूचियों में से 37.50 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिये गये हैं, जबकि अभी लोगों से निर्धारित फार्म भरवाने का काम भी पूरा नहीं हुआ है। मतदाता सूचियों में से मतदाताओं के नाम हटाने-जोड़ने का कार्य सत्ता पर आसीन पार्टियों और पार्टी के लोगों का लक्ष्य है जिससे कि वे सत्ता में अपना बहुमत सुनिश्चित कर सकें।

1957 के आम चुनावों के लिए पुरानी मतदाता सूचियों से संशोधन करके काम चलाया गया था। जहां उत्तर भारत में गैर-कानूनी कामों में लगे प्रत्याशी (अगस्त, 1956 के संशोधनों के आधार पर) बने थे जो कि पार्टी के नाम से चुनाव जीते थे। गांधी जी की कांग्रेस के साथ भावनात्मक लगाव के कारण उत्तर भारत के काफी ज्यादा संख्या में अशिक्षित पुरूष और महिलाएं बिना प्रत्याशी के चारित्रिक और कानूनी गुणदोषों के मूल्यांकन के मतदान करके जिताये गये थे। परन्तु केरल के शिक्षित मतदाताओं ने कांग्रेस के बदले भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के नम्बूदरीपाद को राज्य की सरकार बनाने के लिए चुना था। यह मतदाता और मतदान करने वाले व्यक्तियों का कमाल था। लेकिन, तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष इन्दिरा गांधी और प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने 1959 में भारतीय कम्यूस्टि पार्टी की सरकार को भंग करके राष्ट्रपति शासन लगा दिया था।

आगामी चुनावों के मतदाताओं के मतदाता सूचियों में नाम जोड़ने और नाम काटने का अधिकार चुनाव आयोग को देने के लिए 1959 में "संसद (अयोग्यता से बचाव) अधिनियम" बनाया गया तथा 1960 में "मतदाताओं का पंजीकरण नियम" बनाये गये जिससे 1962 के चुनावों को तद्नुसार प्रभावित किया जा सके। 1971 के आम चुनावों के बाद 1977 के आम चुनाव 'आपातकाल' के साये से निकले मतदाताओं ने महत्वपूर्ण, लेकिन भावनात्मक रूप से कांग्रेस के विरूद्ध मतदान किया। जिसके परिणामस्वरूप गैर-कांग्रेसी जनता पार्टी की सरकार बनी।1984 के मध्यावधि चुनाव इंदिरा गांधी की हत्या के भावनात्मक वातावरण में हुए और राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी को अप्रत्याशित बहुमत मिला। लेकिन भ्रष्टाचार के मामलों में कुछ कथित चरित्रवान नेता जनता के बीच कांग्रेस के खिलाफ जाने को थे। इसी सम्भावना को देखकर, आपात्काल के दौरान दिख रहे युवक कांग्रेस और एन.एस.यू.आई. के प्रभाव को भुनाने के लिए राजीव की कांग्रेस ने खास संशोधन करके मतदाताओं की आयु को 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की कि नया खून नये जोश में अपेक्षाकृत युवा प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नेतृत्व को समर्थन देंगे। साथ ही दल-बदल विरोधी कानून बनाने की आड़ में राजनीतिक पार्टियों को संवैधानिक दर्जा देकर योग्य व्यक्तियों को चुनने का अधिकार भी मतदाताओं से छीन लिया गया। लेकिन इन सबका फायदा कांग्रेस को नहीं मिला, इसके विपरीत नैतिकता, चारित्रिक सुचिता और राष्ट्रप्रेम के तहत गैर कांग्रेसी विश्वनाथ प्रताप सिंह को सत्ता के शिखर पर पहुंचाया जिसमें भारतीय जनता पार्टी के भावनात्मक राष्ट्रवादी नारों के तहत काम कर रहे लागों का समर्थन भी था। वी.पी.सिंह ने ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करके हिन्दू-मुस्लिम के धार्मिक आधारों पर बंटे मतदाताओं को जातियों में भी बांटने का रास्ता साफ कर दिया। जातियों के आधार पर मतदाताओं के बंटने से क्षेत्रीय पार्टियां तो उभरीं। 2004 में समय से कुछ समय पहले चुनाव करवाये और कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनी। मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाया गया। गुजरात में नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री रहते आर.एस.एस. की सभी नीतियों को बखूबी लागू किया- क्योंकि वह संघप्रचारक रह चुके थे। पर्याप्त धन इकट्ठा करने के साथ-साथ राजनीतिक ताने-बाने को तथा प्रशासनिक ढांचे को आर.एस.एस. की नीतियों के अनुसार ढालने में सफल रहे थे, अतः आगामी 2014 के आम चुनावों में नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार बनाया तथा प्रधानमंत्री बना दिया गया।

अब आर.एस.एस. और भारतीय जनता पार्टी का एक ही उद्देश्य रह गया था कि जैसे भी हो सरकार में बना रहने के लिए चुनावों को हमेशा अपने पक्ष में बनाना। इस काम में मतदाता सूचियां मुख्य भूमिका निभाती हैं, यह निर्विवाद है और जिसकी कुंजी चुनाव आयुक्त के पास होती है। इसीलिए, नरेंद्र मोदी ने सीधे जिला कलेक्टरों से मीटिंगें कीं। मध्यम और नीचे के आई. ए. एस. अधिकारी भावनात्मक रूप से इससे अपना बड़ा हुआ महत्व मानने लगे। चंडीगढ़ से लेकर महाराष्ट्र तक अपनी सफल भूमिका निभाने के बाद चुनाव आयुक्त पर विभिन्न राज्यों के चुनाव और फिर 2029 के लोकसभा चुनाव में इसे दोहराना बाकी है। फिलहाल, बिहार की विधानसभा के आम चुनावों में मतदाता सूचियों को मुख्य मुद्दा बनाकर आर.एस.एस. की नीतियों को सापेक्ष रूप से और भी सफल बनाने का आयोजन हाथ में ले लिया गया है।

काफी समय से मुसलमानों को अलग-थलग करने के प्रयास में एक प्रयास यह भी रहा है कि बांग्लादेशियों ने नाम से अधिक से अधिक संख्या में उनके नाम मतदाता सूचियों से हटाये जायें। दूसरा, बिहार में सभी जातियों में पिछड़ी और अछूत जातियों की बहुतायत क्षेत्रीय पार्टियों के पक्ष में है- लेकिन इन्हीं में से अधिक दूसरे राज्यों में मजदूरी के लिये गये होते हैं। उनकी आर्थिक स्थिति कैसी भी हो, लेकिन लोकतन्त्र के मतदान के अधिकार ने उनमें पर्याप्त जागरूकता पैदा की है, इसीलिए प्रत्येक चुनावों में वे अन्य राज्यों से आकर बिहार के अपने-अपने क्षेत्रों में मतदान करते हैं। इससे भारतीय जनता पार्टी को बिहार में चुनावों में सफलता प्राप्त करने में काफी कठिनाई होती है। इसी को लक्ष्य करके अभी बिहार में मतदाता सूचियों में व्यापक संशोधन किया जा रहा है।

चुनाव आयोग में रजिस्ट्रेशन ऑफ इलेक्ट्रोर्स रूल्स, 1960 का सहारा लेकर मतदाता सूचियों में व्यापक संशोधन की निर्धारित प्रक्रिया को अपनाते हुए प्रत्येक मतदाता से दो प्रतियों में फार्म भरवाये जा रहे हैं लेकिन प्रशासन के बूथ लेवल ऑफिस (बी.एल.ओ.) जो कि ऊपर के आई.ए.एस. अधिकारियों, जिला कलेक्टरों के दिशा-निर्देश में काम करते हैं- दो की जगह एक ही फॉर्म दे रहे हैं और वो भी आधा-अधूरा भरवाकर इकट्ठा करके संबंधित मतदाता सूची पोर्टल पर चढ़ाने की कसरत कर रहे हैं। फॉर्म भरवाने का काम अभी जारी है-परंतु चुनाव आयेग ने अपनी दक्षता का बखान करते हुए घोषणा कर दी कि करीब 37.5 लाख नाम मतदाता सूचियों में से हटा दिये गये हैं। प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही फैसला कर लिया गया? जाहिर है बांग्लादेशियों के नाम परमुसलमानों के तथा दूसरे राज्यों में मजदूरी के लिये गये बिहारियों को अनुपस्थित मानकर पहले ही योजनानुसार नाम हटा दिये गये हैं। इसका परिणाम बिहार विधानसभा के चुनावों में देखा जायेगा। विडंबना देखिए कि एन. आर. आई. लोगों को मतदाता सूचयों में जोड़ने के लिए 2011 में कानून में संशोधन किया गया वहीं दूसरे प्रांतों में रहने वालों के, जो कि मतदाता सूची संशोधन के समय अपने दिये गये पतों पर अनुपस्थित पाये जायें, उनके नाम हटाये जा रहे हैं। कैसी विडम्बना है, 1952 के चुनावों के समय जहां मतदाता सूचियों में नाम जोड़ने की मुहिम चलाई गई थी, वहीं अब 2025 में नाम हटाने की मुहिम चलाई जा रही है। 1952 में भारत की जितनी आबादी थी यानि कि 37 करोड़, उससे ज्यादा नाम तो केवल बिहार की मतदाता सूचियों में से हर हटा दिये गये हैं। क्रमशः पूरे भारत में कितने नाम हटाये जायेंगे, देखना बाकी है।

- राम निवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

राशिफल मंगलवार 22 जुलाई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, मृगशिरा नक्षत्र सायं 7:25 तक, शुक्र योग दिन 3:32 तक, तैतिल करण प्रातः 7:06 तक, चन्द्रमा प्रातः 8:15 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कर्क चन्द्रमा-वृष, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज द्विपुष्कर और राजयोग सूर्योदय से प्रातः 7:06 तक है। यमघट योग सायं 7:25 से सूर्योदय तक है। आज भद्रा रात्रि 4:40 से आरम्भ होगी। आज सायन सिंह में सूर्य प्रवेश सायं 7:00 पर होगा। आज भौम प्रदोष व्रत है। आज त्रयोदशी तिथि का क्षय हुआ है। आज मंगला गौरी पूजा, कैर पूजा है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:11 से 10:52 तक, लाभ-अमृत 10:52 से 2:14 तक। शुभ 3:55 से 5:35 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:50, सूर्यास्त 7:16

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

मकर
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। सुख-सुविधाओं पर धन खर्च हो सकता है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कुंभ
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

कर्क
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक/व्यक्तिगत कारणों से मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मीन
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

थानाधिकारी को हटाने की मांग पर ग्रामीणों ने थाने को घेरा

■ दो महीने में दो बडी चोरी, अब तक खुलासा नहीं

उदयपुर, । उदयपुर के बाघपुरा थाना क्षेत्र में दो महीने में हुई दो बडी चोरियों का खुलासा नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने थाने का घेराव किया। थानाधिकारी वेलाराम ने ग्रामीणों से समझाइश की। उन्होंने जल्द चोरों को पकडने का आश्वासन दिया। तब जाकर ग्रामीण माने। इससे पहले लोग चोरों की जल्द गिरफ्तारी और थानाधिकारी को यहां से हटाने की मांग करते रहे लोगों का कहना था कि दो दिन पहले भी एक चोरी हुई थी जिसमें ग्रामीणों ने आरोपी को पकडकर पुलिस को सौंपा था। पुलिस अपने स्तर पर चोरों को पकडने का कोई प्रयास नहीं कर रही। नाराज ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने थानाधिकारी को हटाने की मांग की। साथ ही चेतावनी भी दी कि जल्द ही चोरों को नहीं पकडा गया तो बडा आंदोलन किया जाएगा। जानकारी अनुसार 31 मई को बाघपुरा कस्बे में देर रात अज्ञात चोरों ने 8 मकानों के ताले तोडे थे। जिनमें दो मकानों से लाखों रुपए के सोना.चांदी के जेवरात और नकदी चोरी हो गई थी। इसके बाद से ग्रामीणों में पुलिस के प्रति भारी आक्रोश है। वहीं दूसरी वारदात गत 14 जून को देर रात मादडी गांव में हुई थी। जहां चोरों ने एक सूने घर को निशाना बनाया। खिडकी तोडकर अंदर घुसे और कीमती सामान चुरा ले गए। दोनों ही चोरियों में पुलिस को अभी तक कोई सुराग हाथ नहीं लगा है।

मदार छोटा छलका, फतहसागर छलकने की उम्मीद जगी

■ उदयपुर शहर में आज खण्ड वर्षा, भारी उमस में बीता दिन

■ स्वरूपसागर के चारों गेट तीन-तीन इंच खोले

उदयपुर, । झीलों के शहर की लाइफलाइन फतहसागर झील में पानी की आवक अब मदार नहर से शुरू हो सकती है। मदार छोटा तालाब सोमवार शाम को छलक गया हालांकि इस पर पानी की रपट बहुत ही कम फ्लो के साथ चल रही है ऐसे में यह पानी तो फतहसागर नहीं पहुंच पाएगा लेकिन इसके भरने से अब मदार नहर से भी आवक जल्द शुरू होने की उम्मीद जग गई है। इधर, शहर के कुछ क्षेत्रों में खण्ड वर्षा के रूप में बारिश हुई। दिनभर भारी उमस ने लोगों को बेहाल किया।

फतहसागर झील में 11 फीट क्षमता के करीब सीसारमा नदी से हो रही आवक के चलते लिंक नहर के जरिए पानी दिया गया और अब मदार नहर के चलने की उम्मीदें जग गई है क्योंकि इस नहर को चलाने वाला मदार छोटा तालाब छलक गया है। हालांकि 24 फीट क्षमता वाला मदार बड़ा तालाब अब भी तीन फीट खाली है ऐसे में इसके छलकने के बाद मदार नहर का फ्लो तेज हो जाएगा।

मदार छोटा के आज शाम छलकने के बाद उसकी रपट से पानी बहने लगा लेकिन पानी का फ्लो तेज नहीं है। फतहसागर झील दो फीट 8 इंच खाली है और संभवतः जल्द ही इसके छलकने की सौगात शहरवासियों को मिल सकती है। वहीं पीछोला झील के लबालब होने के बाद स्वरूपसागर के चारों गेट दूसरे दिन भी तीन-तीन इंच खुले रहे और सीसारमा से जब तक आवक होती रहेगी इस पर चादर चलती रहेगी। सीसारमा का वेग बढने पर इसके गेट और ज्यादा भी खोले जा सकते है।

इधर, शहर में आज कहीं-कहीं खण्ड वर्षा हुई लेकिन मौसम में भारी उमस बनी रही। उमस के चलते शहर के दिन के तापमान में 3 डिग्री की बढोतरी हुई है। अधिकतम तापमान 28.3 डिग्री से तीन डिग्री बढकर 31.3 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं बीते 12 घंटों में जिले में कहीं भी बारिश के समाचार नहीं मिले है।

शिक्षावादिता प्रो. विजय श्रीमाली की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर

उदयपुर, । सादगी, सेवा और शिक्षावादिता के प्रतीक रहे प्रो. विजय श्रीमाली की सातवीं पुण्यतिथि पर टाइगर हिल स्थित संस्कार भवन में 151 यूनिट रक्त एकत्र कर जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायिनी सेवा का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के दौरान 501 पौधारोपण और पौधा वितरण कार्यक्रम भी हुआ व हॉस्पिटल में मरीजों और उनके परिजनों के लिए भोजन सेवा भी की गई। रक्तदान शिविर में प्रो. श्रीमाली के अनुयायियों, पूर्व विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया।

फाउंडेशन के जतिन श्रीमाली ने बताया कि यह रक्तदान शिविर केवल एक पुण्यतिथि कार्यक्रम नहीं था, बल्कि यह प्रो. श्रीमाली के उस जीवन दर्शन को आगे बढ़ाने की पहल है, जिसमें उन्होंने हमेशा 'जीवन दूसरों के लिए जीओ' का संदेश दिया। प्रो विजय श्रीमाली को पुष्पांजलि के अवसर पर विधायक ताराचंद जैन ने कहा कि 'प्रो. विजय श्रीमाली का शिक्षा व सामाजिक क्षेत्र में योगदान अविस्मरणीय है।' विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कहा, 'वे राजसमंद के छात्रों के बीच भी अत्यंत लोकप्रिय थे और सदैव उनके सहयोग के लिए तत्पर रहते थे।' रविन्द्र श्रीमाली ने कहा, 'वे सिद्धांतों से कभी समझौता न करने वाले, साहसी व सेवा भावना से ओतप्रोत व्यक्तित्व थे। वे जिस हाथ से मदद करते, दूसरे हाथ को खबर तक नहीं होती।' कार्यक्रम के अंत में उपस्थितजनों ने प्रो. विजय श्रीमाली के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रविन्द्र श्रीमाली, शहर विधायक ताराचंद जैन, राजसमंद विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी, पूर्व उपमहापौर पारस सिंघवी, पूर्व देहात भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रगुप्त सिंह चौहान, शहर भाजपा उपाध्यक्ष अतुल चंडालिया, भाजपा नेता रामकृपा शर्मा, सिद्धार्थ शर्मा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष दिनेश श्रीमाली, बार काउंसिल ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष सुरेश श्रीमाली, पूर्व पार्षद गिरीश श्रीमाली, ब्राह्मण समाज मेवाड़ अध्यक्ष दिग्विजय श्रीमाली मौजूद रहें।

सक्का बिरादरी की 150 प्रतिभाएं सम्मानित

उदयपुर, । सक्का बिरादरी की ओर से आयोजित पहले प्रतिभा सम्मान समारोह में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 150 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। समाज के प्रवक्ता इजहार हुसैन ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि हाजी मो. हुसैन चौधरी थे। जिन्होंने कहा कि युवाओं की कामयाबी बिरादरी का गौरव है। कार्यक्रम में सदर हाजी शरीफ, सचिव फिरोज खान अब्बासी, राहुल बडाला सहित ताहिर मो., मो. इफ्तेखार, इंजीनियर नेहा सक्का, सैय्यद हुसैन, एडवोकेट शमीम बानो, मो. कलीम आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम में पूर्व सचिव रियाज़ हुसैन, इश्तियाक सक्का, सईद सक्का, निजामुद्दीन सक्का आदि का सहयोग रहा।

राजस्व न्यायालय से जुड़े प्रकरणों में गंभीरता बरतें : कलक्टर

■ राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक

उदयपुर, । राजस्व प्रकरणों की समीक्षा तथा अवैध खनन की रोकथाम को लेकर बैठक सोमवार को जिला कलक्टर नमित मेहता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई।

बैठक में जिला कलक्टर मेहता ने राजस्व न्यायालय से जुडे कार्यों में पूर्ण गंभीरता बरतने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का राजस्व प्रकरणों पर विशेष फोकस है, इसलिए कोर्ट के कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाए। उन्होंने अवगत कराया कि आगामी समय में मुख्यमंत्री स्वयं राजस्व प्रकरणों की विशेष समीक्षा बैठक वीसी के माध्यम से लेंगे। इसके अलावा मुख्य सचिव की भी उदयपुर में समीक्षा बैठक प्रस्तावित है।

बैठक में राजस्व से जुडे प्रकरणों यथा जीसीएमएस से प्राप्त केसेज, पत्थरगढ़ी, नामांतरण, धारा 53, धारा 251 सहित अन्य प्रकरणों की उपखंड वार समीक्षा की। जिला कलक्टर ने लंबित प्रकरणों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए पाबंद किया। मेहता ने ई फाइलिंग की समीक्षा करते हुए सभी कार्य ई फाइलिंग से करने तथा फाइल्स का समयबद्ध डिस्पोजल करने के भी निर्देश दिए। बैठक में जिला कलक्टर ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की रविवार को हुई वीसी में दिए निर्देशों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि संभावित अतिवृष्टि के मद्देनजर जर्जरहाल राजकीय एवं निजी भवनों का चिन्हीकरण कर अपेक्षित कार्यवाही करें।

शहर की सबसे लम्बी 20वीं कावड़ यात्रा 29 को

उदयपुर । देश में सुख शांति एवं अच्छी वर्षा की कामना को लेकर शिव महोत्सव समिति की ओर से आगामी 29 जुलाई को उदयपुर से उभयेश्वर महादेव तक की 21 किलोमीटर तक निकाले जानी वाली 20वीं कावड यात्रा में सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक एवं आमजन की अधिक से अधिक भागीदारी हो इसके निमित आयोजित सात दिवसीय समारोह का आगाज सोमवार को हुआ। समारोह के पहले दिन गंगु विकास समिति की ओर से पांच हजार वर्ष पुराने गंगा के चौथे पाये गंगु कुंड परिसर में स्थापित श्रीदेव राजेश्वर महादेव का विधि विधान के साथ जलाभिषेक कर कावड यात्रा में आने का न्यौता व कावड यात्रा को निर्विग्न सम्पन्न कराने की कामना की गई।

जलाभिषेक व शिव भजनों से गूंजा महाकालेश्वर मंदिर, उमडे शिव भक्त

उदयपुर, । महाकालेश्वर मंदिर में सावन के दूसरे सोमवार को सुबह से भक्तों की भारी भीड उमडी,पूजा, अनुष्ठान के साथ भगवान आशुतोष को मंदिर परिसर में ही वन भ्रमण करवाया गया। इस दौरान भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड उमडने लगी। भगवान महाकाल के जयकारों साथ ही ओम नमः शिवाय उद्घोष करते हुए भक्तों ने प्रभु के दर्शन किए और जलाभिषेक किया। गर्भगृह में विराजित मूल प्रतिमा पर सुबह 7 से दोपहर 1 बजे तक बाहर लगे कलश के माध्यम से आम भक्तों ने अभिषेक किया। इसी दौरान 11.15 बजे से पालकी को सजाने के साथ ही भगवान के विग्रह स्वरूप को उसमें विराजित किया गया। पूजा.अर्चना के बाद दोपहर ठीक 12.15 बजे भक्त पालकी को सभा मंडप से लेकर रवाना हुए। सबसे पहले पालकी को गर्भगृह में विराजित महाकालेश्वर की प्रतिमा के सम्मुख ले जाया गया। वहां जयकारों के साथ पालकी को झुलाते हुए मंदिर परिसर में ही मौजूद नक्षत्र वाटिका में ले जाया गया। वाटिका में पालकी को विराजित कर भगवान की विशेष पूजा.अर्चना करके भोग लगाया गया। इसके बाद पुनः पालकी को मंदिर में लाकर सभा मंडप में आरती उतारी गई। इसके बाद भगवान के विग्रह रूप को झूले में विराजित किया गया।

विद्यापीठ में विलेज कैंप का आयोजन

उदयपुर, । जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ के संघटक विभाग डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के विधार्थियों हेतु विलेज कैंप का आयोजन हुआ।

संस्थान निदेशक प्रो. मंजू माण्डोत ने बताया की विद्यार्थियों को विलेज कैंप हेतु श्रेय भारती सामुदायिक केन्द्र, साकरोदा तथा जन भारती सामुदायिक केन्द्र, कानपूर ले जाया गया। मुख्य अतिथि कुलाधिपति बी एल गुर्जर ने कहा की विलेज कैंप से विद्यार्थियों को ग्रामीण जीवनशैली और वहां की समस्याओं को समझने में मदद मिलेगी, साथ ही वे अपने तकनीकी ज्ञान का उपयोग करके ग्रामीण समुदायों के लिए कुछ उपयोगी समाधान भी विकसित कर सकते हैं। विशिष्ट अतिथि कुलगुरु प्रो. एस एस सारंगदेवोत ने अपने उद्बोधन में बताया की इस तरह के विलेज कैंप विद्यापीठ काफी वर्षो से कराता आया है, जिससे छात्रों का समग्र एवं सर्वांगीण विकास हो सके एवं किस तरह से हम सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए हम हमारे गाँवो में व्याप्त विभिन्न समस्याओ को दूर कर सके। इस भ्रमण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में कंप्यूटर के महत्व के बारे में जागरूकता बढाना और विद्यार्थियों को ग्रामीण विकास में योगदान करने के लिए तैयार करना है। यह आयोजन छात्रों को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान करेगा, बल्कि उन्हें वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने और समाधान करने में भी मदद करेगा। कैंप में विधार्थियों ने ग्रामीण जीवनशैली, पारंपरिक व्यवसाय, और सांस्कृतिक पहलुओं का अध्ययन किया तथा ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं, जैसे कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, और स्वच्छता, के लिए तकनीकी समाधान विकसित करने पर विचार किया। विलेज कैंप के सफल आयोजन में विभाग के संकाय सदस्यों डॉ. मनीष श्रीमाली, डॉ. प्रदीप सिंह शक्तावत, डॉ. भरत सुखवाल ने अहम् भूमिका निभाई। कार्यक्रम में स्टाफ सदस्य मुकेश नाथ, दुर्गाशंकर, मनोज यादव, त्रिभुवन सिंह बमनिया उपस्थित थे ढ्ढ कंप्यूटर विभाग के छात्रों के लिए विलेज कैंप का आयोजन सार्थक पहल रही। यह न केवल छात्रों के लिए ज्ञान और अनुभव का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत रहा, अपितु ग्रामीण समुदायों के विकास में भी सहायक सिद्ध हुआ। यह विलेज कैंप विद्यार्थियों के लिए एक अनूठा और यादगार अनुभव रहा, और इससे उन्हें एक जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनने में मदद मिली।

यादव समाज की आम सभा का आयोजन

उदयपुर, । यादव (अहीर) समाज, कृष्णपुरा, उदयपुर की एक आम सभा का आयोजन राधा-कृष्ण मंदिर, कृष्णपुरा में किया गया। इस अवसर पर समाज के प्रथम पंजीकरण का लोकार्पण ठाकुरजी के समक्ष समाज के वरिष्ठ सदस्य घीसालाल यादव द्वारा किया। अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष केसरी लाल यादव ने की गई। उन्होंने समाज के सभी सदस्यों के सहयोग एवं समर्थन के लिए आभार प्रकट किया। साथ ही, समाज द्वारा सम्मानित किया।

सभा में यादव समाज की कार्यप्रणाली, संगठनात्मक ढांचा और आयु वर्ग अनुसार सहभागिता पर विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में समाज के समस्त पदाधिकारीगण व सदस्यगण की उपस्थिति रही।

श्रावण मास में श्रद्धा की गंगा बहाता रामेश्वरम महादेव मंदिर

■ रामेश्वरम महादेव मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और अध्यात्म का भव्य संगम देखने को मिला

उदयपुर, । श्रावण मास के पावन अवसर पर चित्रकूट नगर सोसायटी स्थित श्री राम पार्क में रामेश्वरम महादेव मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और अध्यात्म का भव्य संगम देखने को मिला। सोसायटी के जयप्रकाश दाधीच परिवार द्वारा आयोजित सहस्त्र धारा अभिषेक ने श्रद्धालुओं को दिव्यता से सराबोर कर दिया। इस आयोजन में भगवान शिव का मनोहारी पुष्प श्रृंगार किया गया, जो भक्तों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। पंडित जुगल किशोर ने जानकारी दी कि यह अभिषेक परंपरागत जलधारा के रूप में किया जाता है, जो सहस्त्र जलधाराओं से भगवान शिव का अभिषेक करता है, इसलिए इसे 'सहस्त्र धारा अभिषेक' कहा जाता है। आयोजन की विशेषता रही किशनगढ से आई 5 पंडितों की विशेष टोली, जिन्होंने पूरे विधि-विधान से रुद्री पाठ और सहस्त्र धारा अभिषेक संपन्न कराया। साथ ही शिव भजनों की संगीतमयी प्रस्तुतियों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया और श्रद्धालु हर हर महादेव के जयघोष में मग्न हो उठे। प्रातः 11.30० बजे प्रारंभ अभिषेक विशाल महाआरती के साथ पूर्ण हुआ। आरती में बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और महादेव के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। आयोजन में सोसायटी अध्यक्ष तेज प्रकाश शर्मा, हिम्मत सिंह राव, राजेश गर्ग, निरंजन टेलर, रवि धाबाई, कलावती शर्मा, सुशीला शर्मा, सुलेखा सिंह, सपना माली सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

घोटाले को ले कर बाप पार्टी ने दी आन्दोलन की चेतावनी

उदयपुर, । टीएडी विभाग में भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर 19 जून से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता युनुस चौपदार के समर्थन में भारतीय आदिवासी पार्टी के जिला अध्यक्ष ने सोमवार को धरना स्थल पर पहुंच कर चोपदार की मांगे शिघ्र नही मानने पर बाप पार्टी द्वारा आन्दोलन तेज करने की चेतावनी दी।

सोमवार को भारत आदिवासी पार्टी के प्रतिनिधि के तौर पर उदयपुर जिलाध्यक्ष अमित कुमार खराडी एवं भील प्रदेश विधार्थी मोर्चा के जिला संयोजक निशाकर डामोर से जनजाति आयुक्त कार्यालय के बाहर धरनास्थल पर चौपदार से मुलाकात की और चौपदार की मांगों को लेकर जानकारी ली। जिलाध्यक्ष अमित कुमार खराडी ने कहा कि करोडो रुपये के घोटालों के पुख्ता सबुत होने के बावजूद टीएडी मंत्री बाबूलाल खराडी और टीएडी आयुक्त कार्यवाही नहीं कर रहे हैए इससे साफ जाहिर होता है कि इन घोटाले में मंत्री खराडी की भी मिलीभगत है। भारत आदिवासी पार्टी आदिवासियों के हक.अधिकार पर डाका मारने वाले भ्रष्टाचारीयों के खिलाफ सडक पर उतरेंगे।

हजरत दीवाना शाह साहब जी की यौमे पैदाई मनाया

■ जहाँ हम्द, नात शरीफ, मनकबत, सलातो सलाम व फातिहा ख्वानी के बाद बुलन्द दरवाजा पर छीपा परिवार ने अलम वक्फ कमेटी के सदस्यो को सौंपा

कपासन , । प्रख्यात सूफी संत हजरत दीवाना शाह साहब र.अ. के यौमे पैदाईस (जन्मोत्सव) के मौके पर अलम शरीफ की रस्म मे हजारो लोगो ने की शिरकत। दरगाह वक्फ कमेटी के सैक्रेट्री मोहम्मद अब्बास अशरफी के अनुसार सोमवार 25 मोहरर्म को भीलवाडा के छीपा दाऊद सेठ, हाजरा बाई एवं पूर्व दरगाह सदर निसार अहमद छीपा के खानदान के पचास सदस्यो के साथ वक्फ कमेटी सदर अनवर अहमद छीपा ने अलम शरीफ (झंडा) बाद नमाजे जोहर के आस्ताना ए आलिया मे पेश किया। जहाँ हम्द, नात शरीफ, मनकबत, सलातो सलाम व फातिहा ख्वानी के बाद बुलन्द दरवाजा पर छीपा परिवार ने अलम वक्फ कमेटी के सदस्यो को सौंपा। वक्फ कमेटी सदस्य अशफाक तुर्किया, शराफत भाटी, मंसूर ओटवाल, शब्बीर पुंवार, सैयद ऐजाज अली ने अलम बाबा हुजूर के मोमीन मोहल्ला स्थित कुटिया पर पेश किया। कुटिया से अलम शरीफ का जुलूस हुसैनी बैण्ड के साथ कलन्दरी मस्जिद, बस स्टेण्ड होता हुवा दरगाह शरीफ पहुंचा। बलन्द दरवाजा पर वक्फ कमेटी नायब सदर मोहम्मद यासीन खाँ अशरफी, मुबारक हुसैन शैख, खंजाची अब्दुल वहीद अंसारी, सदस्य सैयद अख्तर अली बुखारी, हाजी शरीफ मेवाती, हाजी जेनुलहसन, असलम शैख, इकबाल रंगरेज हाजी अब्दुर्रहमान मंसूरी, अकरम छीपा, अकरम मंसूरी, अकील शाह, इरफान सिलावट ने जुलूस का इस्तकबाल किया। बाद नमाज असर के आस्ताना ए आलिया के पश्चिम तरफ कोने पर बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फ राजस्थान जयपुर के वरिष्ठ सदस्य हाजी युसूफ खाँ एवं बुलन्द दरवाजा पर कमेटी पदाधिकारियों एवं वक्फ कमेटी के सदस्यो ने नारो के साथ अलम पेश किया। इस मौके पर पीरे तरीकत सैयद आदिल अली कादरी शहर काजी जावद, शहर काजी मोहम्मद सईद कपासन, शहर काजी अब्दुल मुस्तफा चिश्ती करीमी, हाजी इस्माईल मंसूरी, चित्तौडगढ, कालू भाई कोटा, आजाद हुसैन मंसूरी पूर्व उपसरपंच सावलियां जी, हुसैन छीपा पाली, बबला भाई, बाबु भाई छीपा रंगवाले, परवेज कुरेशी, हाजी अब्दुल करीम अंसारी उदयपुर, एडवोकेट मोहम्मद शरीफ पठान, मोहम्मद रफीक भीलवाडा, राजेन्द्र सिंह आरजिया, युसूफ भाई छीपा गंगापुर, रिटायर्ड थानेदार मूंशी खाँ उपरेडा, जाकीर खाँ राशमी एवं एडवोकेट सैयद अशफाक अली, पूर्व पार्षद अशरफ हुसैन, मोहम्मद हारून, पार्षद प्रतिनिधि रफीक भाटी एवं हजारो की तादाद मे बाबा हुजूर के शेदाई उपस्थित थे।

सोमवार बाद नमाजे से ही बाबा हुजूर के यौमे पैदाईश के मौके पर हर शख्स हाथो मे फूल, बुक्का, चादर, ईत्र लिये आस्ताना ए आलिया के मुख्य मजार में मुबारक बाद पेश कर उल्टे पांव वापिस बाहर आकर अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। कोई खीर तकसीम कर रहा, कोई केक काट कर खुशी मना रहा है, कोई न्याज कर रहा है। अहाता ए नूर मे महफिले मीलाद व पूरे दिन कव्वाल ने बारी-बारी से अपने कलाम पेश किया।

प्रातः 11 बजे से 1:30बजे तक दीवाना शाह माध्यमिक विद्यालय के छात्र/छात्राओ द्वारा बाबा हुजूर जन्मोत्सव के मुबारक मौके पर अहमद कबीर मंजिल मे हम्द, नात, मनकबत, बाबा हुजूर की जीवनी पेश की। इसमे पूर्व जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी लियाकत अली सोरगर, मंजूर खाँ पठान, शिक्षा विद अब्दुल सलीम खाँ, मोहम्मद हुसैन खाँ, नगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन बारेगामा, दिनेश चाष्टा, प्रवीण बारेगामा, पूर्व पार्षद मदन कुमावत, विजय बारेगामा एवं कई अभिभावक मोजूद थे।

चुनावों को टालने के विरोध में कांग्रेस की बैठक कल

उदयपुर, । प्रदेश में आमजन की विभिन्न समस्यायों को ले कर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार 23 जुलाई को कृष्णा ट्रेवल्स, सब सिटी सेंटर, सवीना कार्यालय पर उदयपुर देहात जिला कांग्रेस द्वारा बैठक का आयोजन किया जायेगा।

बैठक में संभाग प्रभारी घनश्याम मेहर(विधायक) एवं उदयपुर देहात जिला कांग्रेस प्रभारी इंदिरा मीणा(विधायक) भी भाग लेंगे। बैठक के बाद इन सभी समस्याओं के निवारण के लिए जिला कलेक्टर को ज्ञापन भी दिया जाएगा। उदयपुर देहात जिला कांग्रेस प्रवक्ता डॉ संजीव राजपुरोहित ने बताया कि प्रदेश में जब से भाजपा की पर्ची सरकार बनी है तब से प्रदेश में कानून व्यवस्था बिल्कुल चौपट हो गई है। महिलाओं पर अत्याचार, बलात्कार, लूटपाट, डकैती,चैन स्नेचिंग,बजरी माफियाओ द्वारा गुंडागर्दी जैसी घटनाएं आम दिन हो रही है। कानून व्यवस्था बिल्कुल खत्म हो गई है। उन्होंने बताया कि पर्ची सरकार द्वारा बार-बार नगर निकाय एवं पंचायत राज चुनाव को टाला जा रहा है। साथ ही स्मार्ट सिटी बनाने के नाम पर अब उदयपुर को स्मार्ट मीटर का झुनझुना दिया जा रहा है।

सार-समाचार

युवा संघर्ष करें, सहयोग करने से पीछे नहीं हटूँगा : हार्दिक पटेल

डूंगरपुर , । वीरमगाम में आयोजित मिलन समारोह में पटेल पाटीदार डांगी समाज के डूंगरपुर-बांसवाडा के युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में गुजरात के विरमगांव विधायक हार्दिक पटेल का लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की तस्वीर एवं पगडी पहनाकर सम्मान किया। हार्दिक पटेल ने कहा कि इस युवा संघर्ष करें जहाँ भी मेरे सहयोग की आवश्यकता होगी मैं कभी पीछे नहीं हटूँगा। युवाओं को सामाजिक संघर्ष में सक्रिय रूप से शामिल होना चाहिए ताकि वे समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकें। सामाजिक संघर्ष, जैसे कि अन्याय, असमानता, और भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाना, युवाओं को सशक्त बनाता है और उन्हें समाज का सक्रिय सदस्य बनने के लिए प्रेरित करता है। कभी सुनील पटेल ने बताया कि आगामी माह में सामाजिक कार्यक्रमों में लोकप्रिय नेता हार्दिक पटेल का दौरा प्रस्तावित है। आगे के विजन एवं समाज को शिक्षा व व्यापार के क्षेत्र में मजबूत बनाने को लेकर कार्य किए जाएंगे। इस दौरान रामजी पाटीदार इंदौडा, चंद्रकांत पाटीदार जौलाना, जगदीश पाटीदार चौखला, वाजेंग पाटीदार सामागढा, हीरालाल पटेल मौजूद रहें।

प्रो. गौरव वल्लभ का सम्मान

उदयपुर, । भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रो. गौरव वल्लभ को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद में सदस्य के रूप में मनोनीत किए जाने पर नई दिल्ली में सम्मान किया गया। यह सम्मान राजस्थान सरकार के पूर्व उप शासन सचिव एवं कर्नाटक स्टेट डिजिटल मीडिया एसोसिएशन के डायरेक्टर डॉ. पी. डी. पारीक एवं आहुति सेवा, शिक्षा एवं शोध संस्थान, राजस्थान के संस्थापक संयोजक योगाचार्य डॉ. विक्रम मेनारिया द्वारा दिल्ली स्थित राजस्थान स्टेट गेस्ट हाउस में किया गया। इस अवसर पर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र से जुडी कई प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में प्रो. गौरव वल्लभ के आर्थिक क्षेत्र में योगदान की सराहना की गई। यह जानकारी आहुति संस्थान के संस्थापक संयोजक डॉ. मेनारिया द्वारा दी गई।

हिदायतुल्ला खंजाची नियुक्त

उदयपुर, । अंजुमन तालीमुल इस्लाम, उदयपुर के सदर मुख्तार कुरैशी व सेकेट्री मुस्तफा शेख व काबिना की ओर से पूर्व पार्षद हिदायतुल्ला खान को शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए खंजाची (फाइनेंस सेकेट्री) नियुक्त किया गया है। यह जानकारी अंजुमन प्रवक्ता राशिद खान ने दी।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

उदयपुर, । जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक 23 जुलाई को सुबह 10.30 बजे जिला कलक्टर की अध्यक्षता में जिला परिषद सभागार में होगी। समिति के सदस्य सचिव सीएमएचओ डॉ अशोक आदित्य ने बताया कि बैठक में सभी विभागीय अधिकारी, चिकित्साधिकारी प्रभारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारी अधिकारी एवं खण्ड कार्यक्रम अधिकारी आदि भाग लेंगे।

बैठक 23 को

उदयपुर, । समेकित बाल विकास सेवाएं अंतर्गत राष्ट्रीय पोषण मिशन के तहत जिला पोषण अभिसरण योजना समिति की बैठक 23 जुलाई को दोपहर 12.30 बजे जिला कलक्टर की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में होगी। यह जानकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक नंदलाल मेघवाल ने दी।

आसोलिया राव सिरदारों का स्नेह मिलन

उदयपुर, । राजस्थान राव छात्रावास में राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात एवं प्रवासी आसोलिया राव सिरदारों के भव्य स्नेह मिलन को लेकर सामाजिक मीटिंग आयोजित हुई। जिसमें सामाजिक एकता, संप्रभुता , इतिहास संरक्षण , भव्य स्नेह मिलन, सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का समाज बंधुओ ने निर्णय लिया। एकीकृत प्रदेश मीडिया प्रभारी राव गोपाल सिंह आसोलिया ने बताया कि
संचालन नरपत सिंह आसोलिया ने किया। सरस्वती पूजन एवं समाज के गौरव पुरुष मोहन सिंह जी के माल्यार्पण द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। राजस्थान मध्य प्रदेश गुजरात एवं प्रवासी सोलंकी राव सिरदारों ने अपना परिचय दिया। सभी ने अपने सुझाव भी रखें साथ ही आयोजक मंडल आसोलिया की मादडी के सूरज सिंह, रोड सिंह, गुमान सिंह, माधो सिंह,नरपत सिंह, शंभू सिंह, नाथू सिंह, मानसिंह, गोपाल सिंह, रतन सिंह, अमर सिंह, भरत सिंह ने पधारे सभी अतिथियों का उपरणा पहनाकर स्वागत सम्मान किया। कार्यक्रम मुख्य रूप से गुजरात पाटन से आसोलिया सोलंकी राव सिरदारों की उत्पत्ति होने के कारण पाटन में स्नेह मिलन की रूपरेखा पर विचार किया। आयोजन के लिए कमेटी का निर्माण किया गया। बडी संख्या में आसोलिया राव सिरदार मीटिंग में आए। एवं आगामी आयोजन माता श्री भद्रकाली माता श्री खीमज माता के दरबार में गुजरात पाटन में आयोजित किए जाने का सर्वसमती से निर्णय भी लिया।

त्रिमूखी वाले बाबा का उर्स सम्पन्न

उदयपुर, । देबारी स्थित त्रिमूखी वाले बाबा का तीन दिवसीय उर्स सोमवार को कुल की रस्म के साथ सम्पन्न हुआ। इस मोके पर मुस्लिम महासंघ के संस्थापक अध्यक्ष हाज़ी मो. बक्ष, प्रदेश महासचिव हिदायतुल्ला, प्रदेश संगठन सचिव मोईनुद्दीन का इंतजामिया कमेटी ने इस्तक़बाल किया। इंतजामिया कमेटी के सदर ने मुस्लिम महासंघ द्वारा किये जा रहे सामाजिक कामो की जानकारी देते हुए बताया यह संगठन हमेशा समाज के हर कामो मे आगे रहता है।

उदयपुर, राजसमंद और सलूम्बर के डाकघरों में लागू हुई नई डिजिटल सेवा

उदयपुर। डाक विभाग डिजिटल उत्कृष्टता के लिए एपीटी (एडवांस प्लेटफॉर्म टेक्नोलॉजी) एप्लिकेशन का रोलआउट करने जा रहा है। उन्नत प्रणाली को उदयपुरए राजसमंद एवं सलूम्बर क्षेत्र के सभी डाकघरों में 21 जुलाई को लागू किया गया। इसके चलते सोमवार को डाकघरों में लेन देन बंद रहा।डाकघर उदयपुर मंडल के प्रवर अधीक्षक अक्षय भानुदास गाडेकर ने बताया कि इस उन्नत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्बाध और सुरक्षित रूपांतरण सुनिश्चित करने के लिए सोमवार को एक नियोजित डाउन टाइम निर्धारित किया गया। सोमवार को डाकघरों में कोई भी सार्वजनिक लेन देन नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि यह अस्थायी सेवा स्थगन डेटा माइग्रेशन सिस्टम वैलिडेशन एवं कॉन्फगिरेशन प्रक्रियाओं को संपन्न करने हेतु आवश्यक है जिससे नई प्रणाली का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। एपीटी एप्लिकेशन को उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने सेवाओं को तीव्रता से प्रदान करने तथा एक अधिक ग्राहक अनुकूल इंटरफेस के साथ विकसित किया गया है।

SBI भारतीय स्टेट बैंक State Bank of India

रासमेक, प्लॉट नं. 1, ब्लॉक-सी, प्रथम तल, सेन्ट्रल कॉमर्शियल एरिया परशुराम चौराहा के पास, उदयपुर, राजस्थान 313001 ई-मेल : sbi.31871@sbi.co.in

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV (नियम 8 (1) देखे)
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

जबकि
निम्नहस्ताक्षरकर्ता **भारतीय स्टेट बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का अधिनियम संख्यांक 54) के अंतर्गत और धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में, प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित, ऋणी **स्व. श्रीमती कनीज फातिमा पत्नी स्व. श्री रफीक मोहम्मद** जरिये कानूनी वारिस एवं सह-ऋणी **श्री मोहसिन खान पुत्र स्व. श्री रफीक मोहम्मद** एवं कानूनी वारिस **श्री जाहिद पठान पुत्र स्व. श्री रफीक मोहम्मद, श्री शेर खान पठान पुत्र स्व. श्री रफीक मोहम्मद** एवं **श्री आरिफ मोहम्मद पुत्र स्व. श्री रफीक मोहम्मद** पर मांग सूचना **दिनांक 01.05.2025** पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर **दिनांक 01.05.2025 को बकाया राशि रू. 5,48,877.40 (रूपये पांच लाख अड़तालीस हजार आठ सौ सतहतर एवं पैसे चालीस मात्र)(दिनांक 30.04.2025 तक ब्याज शामिल करते हुए) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए मांग सूचना जारी की गई।
ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर एतद्वारा सूचना ऋणी और आम जनता को दी जाती है कि निम्नहस्ताक्षरकर्ता ने दिनांक **16, माह जुलाई, वर्ष 2025** को उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की उपधारा 8 के साथ पठित उसमे प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति को कब्जे में ले लिया है।
ऋणी को विशेष एवं आम जनता को एतद्वारा सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ किया गया कोई भी संव्यवहार **दिनांक 01.05.2025 को बकाया राशि रू. 5,48,877.40 (रूपये पांच लाख अड़तालीस हजार आठ सौ सतहतर एवं पैसे चालीस मात्र)(दिनांक 30.04.2025 तक ब्याज शामिल करते हुए) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों का पुनर्भुगतान करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक, रासमेक, प्लॉट नं. 1, ब्लॉक-सी, प्रथम तल, सेन्ट्रल कॉमर्शियल एरिया, परशुराम चौराहा के पास, उदयपुर, राजस्थान 313001** के प्रभार के अधीन होगा।
कर्जदार का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुडाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

अचल सम्पत्ति का वर्णन

सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि स्व. श्रीमती कनीज फातिमा पत्नी स्व. श्री रफीक मोहम्मद के नाम साम्यिक बंधक आवासीय मकान जो प्लॉट नं. 13, खसरा नं. 692, 693, 713 मी, 714 मी, 4216/716, 4247/717, 715, 718, 719 मी, 720 मी, राजस्व गाँव सविना, जिला उदयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल लगभग 1275 वर्ग फीट है। सीमाएं- उत्तर: प्लॉट नं. 14, दक्षिण: प्लॉट नं. 12, पूर्व: रोड 30'-0' फीट चौड़ी, पश्चिम: खसरा नं. 714

स्थान: उदयपुर
दिनांक: 16.07.2025

हस्ता.
प्राधिकृत अधिकारी

देवनानी ने अजमेर शहर में जलभराव वाले क्षेत्रों का दौरा कर हालात जाने

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रशासन को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए

अजमेर, (कास)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को अजमेर शहर में जलभराव वाले क्षेत्रों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि राहत कार्यों में तेजी लाई जाए।

जानकारी के अनुसार अजमेर में हुई भारी बरसात के बाद हुए जलभराव क्षेत्रों का एक बार फिर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जिला कलेक्टर लोकबंधु सहित अफसरों के साथ दौरा कर हालात जाने। यहां मेडिकल कॉलेज सहित अन्य क्षेत्र में भरे पानी को निकालने के लिए मड पंप की संख्या बढ़ाने व आनासागर से हो रही पानी निकासी के दौरान बाधित हो रहे मार्ग की पुलिया की ऊंचाई बढ़ाने के निर्देश भी दिए। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी पहले जेएलएन मेडिकल कॉलेज पहुंचे और यहां भरे पानी को निकालने के लिए मड पम्प बढ़ाने के निर्देश दिए। देवनानी ने यहां पर मेडिकल कॉलेज में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जर्जर सीढ़ियों को हटाया जाए। इसके बाद सूचना केन्द्र चौराहे के पास आगरा गेट की तरफ आनासागर पानी निकासी के कारण रोके गए मार्ग का अवलोकन किया और निर्देश दिए कि केसरबाग चौकी के पास पुलिया व पहचान शोरूम की पुलिया को ऊंचा किया जाए। इस दौरान नगर निगम आयुक्त देशलदान, अतिरिक्त जिला कलेक्टर गजेन्द्र सिंह राठौड़, मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. अनिल सामरिया, अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे सहित अन्य अफसर भी मौजूद रहे।

वासुदेव देवनानी ने अजमेर शहर में जलभराव वाले क्षेत्रों का दौरा कर हालात का जायजा लिया।

- मेडिकल कॉलेज सहित अन्य क्षेत्र में भरे पानी को निकालने के लिए मड पंप की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए
- देवनानी ने सूचना केन्द्र चौराहे के पास आगरा गेट की तरफ आनासागर पानी निकासी के कारण रोके गए मार्ग का अवलोकन किया

फैक्टरी में सुविधाओं के अभाव में श्रमिक की मौत

भीलवाड़ा, (निस)। फैक्टरी में सुविधाओं के अभाव में श्रमिक की मौत हो गई। हादसे को लेकर आक्रोशित भीड़ ने थाने के बाहर प्रदर्शन किया। परिजन मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

- हादसे के बाद मांगों को लेकर आक्रोशित भीड़ का थाने के बाहर प्रदर्शन किया

जानकारी के अनुसार शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र स्थित रीको एरिया में सर्वोदय फैक्टरी में कार्यरत एक श्रमिक दिलीप (48) पिता बिंदेश्वरी सिंह बिलिया खुर्द निवासी मूलत: बिहार का रहना वाला है, जो कि फैक्टरी में काम रहा था। 16 जून को दिलीप की काम के दौरान ही अत्यधिक गर्मी और वातानुकूलन की व्यवस्था नहीं होने के चलते बीपी बढ़ गई और वह बेहोश होकर गिर गया। तत्काल साथी श्रमिकों ने उसे शहर के एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे उदयपुर के लिए रेफर कर दिया गया, जहां ब्रेन हेमरेज होने का पता चला। 20 जुलाई को उपचार के दौरान दिलीप की मौत हो जाने के बाद आक्रोशित साथी श्रमिकों और परिजनों ने पहले फैक्टरी उसके बाद प्रताप नगर थाने के बाहर और अब एमजी मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया। परिजन उचित मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

बुजुर्ग की सड़क हादसे में मौत

भीलवाड़ा, (निस)। जिले के मांडलगढ़ थाना क्षेत्र में खेत से घर लौट रहे बुजुर्ग की बाइक की टक्कर से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, पुरानी आबादी मांडलगढ़ निवासी कन्हैयालाल (70) पुत्र नारायण तेली जोकि खेत पर फसल में दवा छिड़कने गया था। वहां से लौटने के दौरान कन्हैयालाल को एक बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्हें पहले मांडलगढ़ व बाद में एमजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया।

ERCP Eastern Rajasthan Canal Project Corporation Limited
Sinchai Bhawan, JLN Marg, Jaipur 302017 Tel: 0141-2709667 Email: ceercpc@gmail.com
No. :- 2342 Date :- 17/07/2025
NIB No. - ERCPCL/22/2025-26
Managing Director, ERCPCL invites bid for " obtaining wildlife clearance from Ministry of Environment, Forest & Climate change (MOEF&CC) for the construction of Brahmani barrage" from interested bidders up to 28.07.2025 (06.00 PM). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://sppp.rajasthan.gov.in/sppp/ and http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the procurement is Rs 13.40 Lacs.
NIB Code : ERP2526A0026, UBN No: ERP2526SLOB00027
Raj.Samwad/C/25/6506 MD cum Chief Engineer

Rajasthan Urban Drinking Water Sewerage and Infrastructu Corporation Ltd. (RUDSICO)
(A Government of Rajasthan Undertaking)
Near Police Headquarter, Behind Nehru Place, Lal Kothi, Tonk Road, Jaipur
Ph.-0141 – 2742240, 2742538, 2742263 Fax No. 141 – 2740771
E-mail: ruifdco@gmail.com CIN : U74999RJ2004SGC019961
संख्याः रूडसिको / स्टोर / 2025–26 / 5451 दिनांकः 16.07.2025
बोली आमंत्रण सूचना / 2024–25
रूडसिको के जयपुर स्थित कार्यालय में कम्प्यूटर ऑपरेटर (मशीन रहित) के लिए निविदा राशि रू. 13.20 लाख की आमंत्रित की गई है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण एवं निविदा प्रपत्र https://sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
NIB No. - RDP2526A0015
UBN No. - RDP2526SLOB00031
राज.संवाद / सी / 25 / 6487 महाप्रबन्धक (वित्त)

जवाई बांध का गेज 31.30 फीट पहुंचा

पाली में सोमवार को भी कई जगह पर पानी भरा हुआ है।

पाली, (निस)। पहले सोमवार को झमाझम दूसरे सोमवार को जिले में कहीं-कहीं बारिश हुई। हालांकि मानसून कमजोर पड़ गया है, लेकिन अभी तक नदियां चल रही है, जिसके कारण पश्चिमी राजस्थान के सबसे बड़े जवाई बांध का गेज सोमवार को 31.30 फीट पहुंच गया। बांध की भराव क्षमता 61.30 फीट है।

वहीं पाली के निकट हेमावास बांध 26 फीट तक पहुंच गया है, 28 फीट होते ही बांध ओवरफ्लो हो जाएगा। लाखोटिया तालाब की चादर पिछले 5-6 दिन से लगातार चलने से यहां की निचली बस्ती आशापुरा नगर, रामदेव रोड, विकास नगर सहित बस्तियों में अभी भी दो फीट पानी भरा हुआ है। लोग पानी में से होकर गुजर रहे हैं। मौसम विभाग अनुसार आगामी 27- 28 जुलाई को फिर से मानसून सक्रिय होगा।

जमीन विवाद में बड़े भाई ने छोटे भाई को गोली मारी, मौत

- बड़ा भाई विजेंद्र राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल से रिटायर्ड है, छोटा भाई किसानी का काम करता है
- यह विवाद जमीन को लेकर था, जबकि हिस्से की जमीन छोटे भाई ने दे रखी थी, लेकिन उसके बावजूद भी बड़ा भाई दुश्मनी रखता था
- जब बड़ा भाई भागने लगा तो उसे दौलत राम ने पकड़ लिया, लेकिन हाथ छुड़ाकर भाग गया

भरतपुर, (निस)। भरतपुर के लखनपुर थाना क्षेत्र के गांव पिंगोरा में जमीन विवाद को लेकर एक शर्मसार करने देने वाली घटना सामने आई है, जहां बड़े भाई ने छोटे भाई को गोली मार दी। घायल भाई को आरबीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है और आगे की जांच में जुट गई है।

मृतक के बड़े भाई राजेंद्र उर्फ रज्जो ने बताया कि जमीनी विवाद को लेकर दोनों भाइयों के बीच में विवाद था। बड़ा भाई विजेंद्र जो राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल से रिटायर्ड है, छोटा भाई दौलत किसानी का काम करता है। देर रात साढ़े 8.30 बजे में और दौलतराम घर पर थे। उसी दौरान बड़ा भाई विजेंद्र घर पर आया और उसने दौलतराम पर देसी कट्टे से फायर कर दिया। गोली सीने में लगी। जब बड़ा भाई आरोपी विजेंद्र भागने लगा तो उसे दौलत राम ने पकड़ लिया लेकिन फिर वह हाथ छुड़ाकर भाग गया। यह विवाद जमीन को लेकर था, जबकि उसके हिस्से की जमीन दौलत राम ने दे रखी थी, लेकिन उसके बावजूद भी वह दुश्मनी रखता था। फिलहाल कोई बातचीत नहीं थी, कोई विवाद नहीं था, लेकिन उसने घर आते ही भाई को सीधे गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया।

लखनपुर थाने के एएसआई रामसहाय ने बताया कि देर शाम को सूचना मिली थी कि एक भाई ने जमीनी विवाद के चलते दूसरे को गोली मार कर हत्या कर दी है। घटनास्थल पर पहुंचे उसके बाद आरबीएम हॉस्पिटल पहुंचे हैं, जहां मृतक का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। मामला दर्ज हो चुका है, आगे करवाई की जा रही है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION AMET (RAJSAMAND)
File No. 443 Date: 10.07.2025
Notice Inviting Bid
Bids for Nit No 10/2025-26, (Road works) 1 Nos. are invited from interested bidders upto Date 25.07.2025, 06.00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state. and departmental website. The is Rs. 172.66 Lacs. approximate value of the procurement
NIB No. PWD2526A1883
UBN No. 1. PWD2526WSOB06750
DIPR/C/9913/2025 EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION AMET

कार्यालय उप वन संरक्षक, बीकानेर
ई-मेल-dfobkn@gmail.com & dcf.bknr.forest@rajasthan.gov.in
पब्लिकपार्क, बीकानेर फोन-0151-2544951
क्रमांक-एफ()भण्डार/उवसंबी./2025-26/4278 दिनांक-14.07.2025
Notice Inviting Bid No. 09/2025-26
Bids for Fenching Work (with Material and Labour) along with NH-II Bikaner-Falodi Block Range Kolayt, Division Bikaner are invited from interested bidders on 05.00 P.M. Date 06.08.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http:/sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in website. The approximate value of the procurement is Rs. 271.60 lakh.
NIB- FOR2526A0782, UBN NO. - FOR2526GLOB00979
DIPR/C/9943/2025 Deputy Conservator of Forest Bikaner

OFFICE OF THE PRINCIPAL
RUHS COLLEGE OF MEDICAL SCIENCES, Sector – 11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Jaipur - 302033, Ph. : 0141-2795624, 634 Email : principalruhscms@ruhsraj.org
No. :- RUHS CMS/Store/2025-26/4481 Date :- 19/07/2025
ई-निविदा सूचना
राज.स्वा.वि.वि. आयुर्विज्ञान महाविद्यालय परिसर में स्थित शैक्षणिक व अशैक्षणिक भवन, शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारी आवास, छात्रावासों, खेल संकुल इत्यादि में साफ–सफाई कार्य (कार्य की प्रकृति के आधार पर सेवाओं के उपापन) हेतु ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। (कुल अनुमानित लागत राशि रू. 90.00 लाख) (UBN : CMS2526SLOB00060)

1.	Bid Download Start Date/Time	19/07/2025 at 05.00 PM
2.	Bid Submission Start Date/Time	19/07/2025 at 05.00 PM
3.	Bid Submission End Date/Time	28/07/2025 at 05.00 PM
4.	Technical Bid Opening Date/Time	29/07/2025 at 11.00 PM

Details may be seen in the Bidding Document at https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in or on RUHS CMS Jaipur. Principal,
Raj.Samwad/C/25/6498 RUHS College of Medical Sciences, Jaipur

गड्ढे में गिरने से मासूम बालिका की मौत

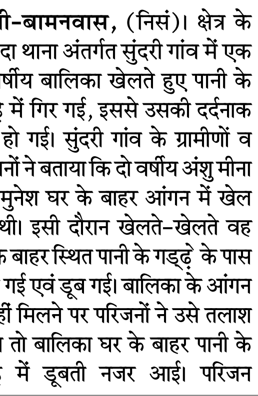

बौंली-बामनवास, (निस)। क्षेत्र के बाटोदा थाना अंतर्गत सुंदरी गांव में एक दो वर्षीय बालिका खेलते हुए पानी के गड्ढे में गिर गई, इससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। सुंदरी गांव के ग्रामीणों व परिजनों ने बताया कि दो वर्षीय अंशु मीना पुत्री मुनेश घर के बाहर आंगन में खेल रही थी। इसी दौरान खेलते-खेलते वह घर के बाहर स्थित पानी के गड्ढे के पास चली गई एवं डूब गई। बालिका के आंगन में नहीं मिलने पर परिजनों ने उसे तलाश किया तो बालिका घर के बाहर पानी के गड्ढे में डूबती नजर आई। परिजन बालिका को पानी से बाहर निकालकर बरनाला चिकित्सालय ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

विद्यालय में अध्यापकों के रिक्त पदों को भरने की मांग, धरना पांचवें दिन भी जारी

राजलदेसर, (निस)। राजलदेसर तहसील के निकटवर्ती ग्राम आलसर बास में राजकीय विद्यालय में विभिन्न मांगों को लेकर विद्यालय के बच्चों व ग्रामीणों का धरना सोमवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। आक्रोशित ग्रामीणों ने विद्यालय के अध्यापकों को अंदर नहीं जाने दिया व मुख्य गेट पर ताला लगा दिया। उन्होंने कहा जब तक मांग पूरी नहीं होगी, तब तक उनका धरना विद्यालय के आगे अनवरत जारी रहेगा एवं ताला नहीं खोला जाएगा।

- राजलदेसर तहसील के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आलसर बास में स्कूल के मुख्य गेट पर ग्रामीणों व बच्चों ने ताला लगाया

ग्रामीणों ने बताया कि निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान बीकानेर के आदेश पर 23/03/2022 की अनुपालना में उच्च प्राथमिक से माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत किया गया था। वर्तमान में विद्यालय में प्रधानाचार्य-1, अध्यापक 2, शारीरिक शिक्षक 1 के पद स्वीकृत है, जिसमें से प्रधानाचार्य व अध्यापक एल (2) अंग्रेजी का पद रिक्त है। विद्यालय में 2020–21 से क्रमोन्नति के पश्चात आज तक द्वितीय श्रेणीअध्यापक (हिन्दी, अंग्रेजी व सामाजिक विज्ञान), व्याख्याता (भुगोल, हिन्दी साहित्य और राजनीतिक विज्ञान) कनिष्ठ लिपिक तथा कम्प्यूटर शिक्षक आदि के पद स्वीकृत नहीं किए गए है, जिससे विद्यालय का नामांकन निरंतर गिर रहा है। कक्षा 9,10,11 व 12 माध्यमिक विद्यालय की स्वीकृति होते हुए भी बच्चों को निजी विद्यालय या सरकारी विद्यालय के लिए गांव से पांच किलोमीटर से अधिक दूर जाना पड़ रहा है। इस मौके पर प्रशासक सरपंच भानीराम मेघवाल, रामचंद्र, हरिराम, अनूप सिंह, मोहनराम, जीवनराम, दिनेश, रामदयाल, मोहनलाल, शंकरनाथ, शंकर सुथार, रामचंद्र स्वामी सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

स्कूल के बच्चे व ग्रामीण विद्यालय के आगे टेंट लगाकर पांच दिन से मांगों को लेकर धरना दे रहे हैं।

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/102 - 104 Date : 17/07/2025
ई-निविदा सूचना संख्या : 27/2025-26
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

निविदा कार्यो की कुल लागत	: रूपये 2943.15 लाख (07 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	: 21.07.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 11.08.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	: 21.07.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 11.08.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	: 12.08.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN No. : ITU2526WLOB00175 To ITU2526WLOB00181
राज.संवाद/सी/25/6496 अधिशाषी अभियन्ता - तृतीय उदयपुर विकास प्राधिकरण

बाँसवाड़ा सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लि., बाँसवाड़ा
उदयपुर मेन रोड केन्द्रीय विद्यालय के पास, बाँसवाड़ा-327001 (राजस्थान)
क्रमांक :- एफ/25-26/347 दिनांक :- 14/07/2025
संशोधित ई-निविदा सूचना वर्ष 2025-26
बांसवाडा सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लि. बांसवाडा अर्न्तगत Supply Of High Quality Grocery Items हेतु इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 14.07.2025 को प्रातः 11 बजे तक ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई थी, जिसे अपरिहार्य कारणो से दिनांक 24.07.2025 को प्रातः 11 बजे तक बढाया जाता है, निविदा में वर्णित कार्य से सम्बन्धित विवरण व अन्य शर्तें बेवसाईड http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। उपापन हेतु NIB Code- CMF2525A0053, UBN No.CMF2526GLOB0076 है।
राज.संवाद/सी/25/6504 महाप्रबंधक

Office Of Superintending Engineer PHED Circle Jhalawar (Rajasthan)
NOTICE INVITING Bid No. 19/2025-26 Item No. 1 and 2
Bids for Annual Rate Contract for Providing, Laying, Jointing, testing and commissioning of pipe line & allied works at various schemes under jurisdiction of Division Jhalawar and Bhawani Mandi, 18.00 Hours. Other DISTT. JHALAWAR are invited from interested bidders upto 30.07.2025, particulars of the bid may be visited on the www.dipr.rajasthan.gov.in, http://rajwater.gov.in. http://sppp.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in. Departmentai websites.
NIB No. PHE2526A2259
UBN NO-PHE2526W50B04579, PHE2526WSOB04580
DIPR/C/10015/2025 Superintending Engineer PHED Circle Jhalawar

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड मालपुरा
क्रमांक-710 दिनांक-14.07.2025
निविदा सूचना संख्या- 12/2025-26 खण्ड मालपुरा
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड मालपुरा में सड़क/भवन निर्माण हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "ए" व "एए", "बी", "सी", "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
NIB CODE: PWD2526A1958 (1) PWD2526SLRC07006, (2) PWD2526SLRC07007, (3) PWD2526SLRC07008
DIPR/C/9981/2025 अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड मालपुरा

Office Of Superintending Engineer, PHED Circle Jhalawar (Rajasthan)
NOTICE INVITING Bid No. 18/2025-26 Item No. 1-A to 1-C
Bids for Annual Rate contract for Construction & commissioning of 200 mm dia tube wells with submersible pump sets etc. complete work in all types of strata & laying, jointing, testing, commissioning of HDPE pipe line including defect liability period of PANCHAYAT SAMITI AKLERA, MANOHARTHANA, JHALARAPATAN, KHANPUR, BAKANI, BHAWANI MANDI, DAG & PIRAEA of PHED Division Jhalawar/ Bhawani Mandi, District Jhalawar (With Material Complete) are invited from interested bidders upto 28.07.2025 at 18.00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the http://sppp.rajasthan.gov.in and www.dipr.rajasthan.gov.in, http://rajwater.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in. Departmental websites.
NIB No. PHE 2526A2254
UBN No. PHE2526W50B04559, PHE2526WSOB04560, PHE 2526WSOB04561
DIPR/C/9964/2025 Superintending Engineer PHED Circle Jhalawar

डूंगा की नांगल की प्रशासक को पद से हटाया

पाटन, (निस)। पंचायत समिति पाटन के अंतर्गत ग्राम पंचायत डूंगा की नांगल की प्रशासक बिमला देवी को पद से हटा दिया है। यह कार्रवाई उनके कार्यकाल के दौरान सामने आई कई अनियमितताओं और जिला परिषद सीकर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है।

- कार्रवाई प्रशासक के कार्यकाल के दौरान सामने आई कई अनियमितताओं और मुख्य कार्यकारी अधिकारी की जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई

जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि ग्राम पंचायत में कराए गए निर्माण कार्यों के लिए अनिवार्य सूचनात्मक बोर्ड नहीं लगाए गए, जबकि इन बोर्डों की लागत का भुगतान पहले ही कर दिया गया था। इसके अतिरिक्त, सरकारी कार्यालयों को भूमि पट्टे जारी करने में भी गंभीर नियम उल्लंघन सामने आया है। नियम संख्या 162 के अंतर्गत पट्टे दिए जाने चाहिए थे, लेकिन उन्हें नियम 158 के तहत जारी किया गया, जो प्रक्रियात्मक त्रुटि मानी गई है। उल्लेखनीय है कि बिमला देवी को 16 जनवरी 2025 को जिला कलेक्टर, सीकर के आदेशानुसार ग्राम पंचायत का प्रशासक नियुक्त किया गया था, लेकिन राज्य सरकार द्वारा 11 फरवरी 2025 को जारी विभागीय आदेश के अनुसार, उन्हें पद से तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। यह आदेश अतिरिक्त आयुक्त एवं शासन उप सचिव इन्द्रजीत सिंह द्वारा जारी किया गया है। प्रशासन का कहना है कि ग्राम पंचायतों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए ऐसी कार्रवाई आवश्यक है, ताकि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही या भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश न रहे।

न्यायिक कर्मी अवकाश पर

भीलवाड़ा, (निस)। जिले के समस्त न्यायिक कर्मचारी अध्यक्ष, राजस्थान न्यायिक संघ के आदेशानुसार अनिश्चितकालिन सामूहिक अवकाश पर रहे। अध्यक्ष दिल बहादुर सिंह ने बताया कि अधीनस्थ न्यायालयों एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में पदस्थापित सामान्य संवर्ग व आशुलिपिक संवर्ग का केडर पुनर्गठन की अधिसूचना के प्रस्ताव उच्च न्यायालय द्वारा सरकार को भिजवाया जा चुका है लेकिन आज तक भी राज्य सरकार द्वारा दो साल बाद भी आदेश पारित नहीं किया गया है।

मंदिर परिसर में अपशिष्ट फेंका

भीलवाड़ा, (निस)। शहर के उपनगर पुर में देर रात मंदिर परिसर में अपशिष्ट फेंकने को लेकर विवाद हो गया। अज्ञात असामाजिक तत्व ने मंदिर में अपशिष्ट फेंक दिया, जिसके कारण क्षेत्र में माहौल गरमा गया। सूचना पर थाना प्रभारी पुष्पा कसौटिया मौके पर पहुंची और समझाइश के प्रयास किए। बताया जा रहा है कि पुर के माली मोहल्ले में हनुमानजी की प्रतिमा पर अपशिष्ट फेंके जाने के बाद आक्रोश फैल गया और आक्रोशित हिन्दू समाज के लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर प्रदर्शन किया।

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
प्रभास्मि शशि सूर्ययोः
कार्यालय संभागीय मुख्य अभियंता (भरतपुर संभाग) पावर हाउस के पास, मोतीझील, भरतपुर (ई-मेल - zcebz@jvvnl.org फोन नं.-05644-236080)
ई-निविदा सूचना
टी.एन.–50 एवं टी.एन.–51 के लिए योग्य निविदादाताओं ऑनलाईन–निविदा दो भागों (तकनीकी–वाणिज्यिक), में श्रम दर पर आमंत्रित किऐ जाते है। सहायक अभियन्ता (एच.टी.एम.), जयपुर डिस्कॉम, हिण्डौन के अन्तर्गत करौली वृत में 33/11 केवी सब–स्टेशन महस्वा का निर्माण मय 33 केवी लाईन व 11 केवी लाईन खीचने एवं भूमिगत केबल का कार्य निगम एआरसी दर पर करने के लिये। सहायक अभियन्ता (एच.टी.एम.), जयपुर डिस्कॉम, करौली के अन्तर्गत करौली वृत में 33/11 केवी सब–स्टेशन खुंडा का निर्माण मय 33 केवी लाईन व 11 केवी लाईन खीचने एवं भूमिगत केबल का कार्य निगम एआरसी दर पर करने के लिये। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई–प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 21.07.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदाऐं ऑनलाईन ई–पोर्टल पर दिनांक 12.08.2025 (सायं 5:00 बजे) तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा सम्बन्धी जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साईट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://www.eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।
(TN-50, UBN : VVN2526WSOB00308) (TN-51, UBN : VVN2526WSOB00309)
राज.संवाद/सी/25/6491 जेपीआर - 3037 (2025) संभागीय मुख्य अभियन्ता (भरतपुर संभाग)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) बीकानेर
क्रमांक :- राजकाज 16629685 दिनांक :- 17/07/2025
ई-बोली आमंत्रण सूचना 04/2025-26
कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज)बीकानेर द्वारा ई–नाम परियोजना के संचालन के लिए उपापन ठेका पद्धति द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए अनुभवी फर्मो / ठेकेदारों / सद्भावी व्यवहारियों से ई–नाम परियोजना हेतु ई–टेण्डरिंग के अन्तर्गत ऑनलाईन बोली आमंत्रण सम्बन्धित विवरण एवं शर्तो को वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in तथा www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित ठेका राशि (लाखों में)	बिड डाउनलोड करने की दिनांक	ऑनलाईन बिड अपलोड की दिनांक	ऑनलाईन बिड खोलने की दिनांक	ई–प्रोसेसिंग शुल्क	बोली प्रतिभूति राशि रू.	निविदा शुल्क
1	ई–नाम परियोजना के समस्त कार्य जॉब बेसिस पर करवाने हेतु	20.00	28.07.2025 दोपहर 03:00 बजे तक	28.07.2025 सायः 05:00 बजे तक	29.07.2025 दोपहरः 12:00 बजे से	1000 रू.	40,000	1180 रू.

बोली की शर्ते:– कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) बीकानेर के मुख्य मण्डी प्रांगण एवं गौण मण्डी प्रागण पूगल रोड़ / छतरगढ़ में विभिन्न मदों हेतु रजिस्टर्ड फर्मो से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्योरमेंट (eproc.rajasthan.gov.in) के माध्यम से ऑनलाईन निविदाऐं आमन्त्रित की जाती है। बोली सम्बन्धित नियम / शर्ते किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय में प्राप्त कर सकतें है। बोली दस्तावेजों को राज्य उपापन पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in UBN No.- DAM2526SLOB00514 पर भी देखा जा सकता है। तकनीकी बोली दस्तावेज के साथ बोली प्रपत्र शुल्क, प्रतिभूति राशि का डी.डी. एव ई–टेण्डरिंग के लिए ई प्रोसेसिंग शुल्क का चालान बोली जमा करने की निर्धारित दिनांक व समय तक कार्यालय में जमा करवाया जाना अनिवार्य है एवं देर से प्राप्त होने वाले दस्तावेजों / शुल्क को स्वीकार नहीं किया जावेगा। बोली प्रपत्र शुल्क एवं प्रतिभूति राशि के अभाव में ई–निविदा पर कोई विचार नही किया जायेगा।
सचिव कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) बीकानेर
राज.संवाद/सी/25/6503

जयपुर को वैश्विक मान्यता मिलने पर उपमुख्यमंत्री ने जताई प्रसन्नता

जनसुनवाई में आमजन को तुरंत राहत

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सिविल लाइंस स्थित अपने कार्यालय पर जनसुनवाई की।

■ उपमुख्यमंत्री ने जयपुर को 2025 में विश्व के शीर्ष 5 पर्यटन शहरों में स्थान मिलने पर हर्ष और संतोष व्यक्त किया, और इसे राजस्थान ही नहीं, पूरे देश के लिए एक उपलब्धि बताया

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज सिविल लाइंस स्थित अपने कार्यालय पर जनसुनवाई की, जिसमें प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखीं। अतिक्रमण, पुलिस से संबंधित मामले और स्थानीय विकास से जुड़ी अनेक समस्याएं प्रमुख रहीं। उपमुख्यमंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों से संवाद कर कई मामलों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया।

उन्होंने कहा, ''हम हर सोमवार और मंगलवार को जनसुनवाई कर रहे हैं ताकि आमजन की समस्याओं का तुरंत समाधान हो सके। डबल इंजन की सरकार पूरी जवाबदेही के साथ कार्य कर रही है, जिससे हर नागरिक को राहत मिले।''

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने जयपुर को 2025 में विश्व के शीर्ष 5 पर्यटन शहरों में स्थान मिलने पर हर्ष और संतोष व्यक्त किया, और इसे राजस्थान ही नहीं, पूरे देश के लिए एक उपलब्धि बताया।

उन्होंने कहा, यह सफलता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शी सोच, डबल इंजन सरकार की नीतियों और राजस्थान सरकार के सतत प्रयासों का परिणाम है। इसमें आमजन की सहभागिता भी उतनी ही महत्वपूर्ण रही है।

उपमुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा पर्यटन अवसंरचना, सांस्कृतिक संरक्षण और आधुनिक सुविधाओं के विकास के लिए चल रही योजनाओं से राजस्थान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान मिली है।

उन्होंने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, यह मान्यता उन सभी लोगों की मेहनत का प्रतिफल है, जो राजस्थान की अतिथि परंपरा, सांस्कृतिक धरोहर और सौंदर्य को दुनिया के समक्ष प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत करते हैं। हमें पर्यटन स्थलों की स्वच्छता और सौंदर्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

'वक्फ बोर्डों की संपत्ति का डेटा संग्रहण और प्रबंधन के लिए शुरू हुआ उम्मीद पोर्टल'

■ राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र सहित राज्यों ने संपत्तियों का डेटा अपडेट करना किया शुरू : राज्यसभा सांसद मदन राठौड़

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऐतिहासिक फैसले के बाद वक्फ बोर्डों की संपत्ति का डेटा संग्रहण और प्रबंधन के लिए 6 जून को उम्मीद केंद्रीय पोर्टल शुरू किया गया है। पोर्टल शुरू करने के साथ ही देशभर में राज्यों द्वारा वक्फ संपत्तियों का डेटा अपडेट करना भी शुरू कर दिया। यह पोर्टल वक्फ़ संपत्तियों के बेहतर, पारदर्शी, सक्षम और सुविधाजनक प्रबंधन में क्रांतिकारी और ऐतिहासिक कदम साबित होगा। यह जानकारी राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सदन में दी।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि एकीकृत वक्फ प्रबंधन,दक्षता, सशक्तिकरण और विकास अधिनियम के तहत अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने उम्मीद केंद्रीय पोर्टल-2025 को शुरू किया। पोर्टल शुरू करने के साथ ही महज डेढ़ माह में राज्यों ने इस पर डेटा अपडेट करना शुरू कर दिया। इस पोर्टल पर आंध्र प्रदेश, दिल्ली,राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मेघालय, ओडिशा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल ने डेटा अपडेट करना शुरू दिया। उन्होंने बताया कि इस पोर्टल के उपयोग से वक्फ़ संपत्ति का गुपचुप तरीके से दुरुपयोग रुकेगा। पहले जानकारी के अभाव में मुट्ठी भर लोगों के अलावा किसी को पता ही नहीं होता था कि कौन-कौन सी संपत्ति वक्फ की है। अब सभी को सब पता रहेगा। मंत्रालय पोर्टल शुरू करने के साथ-साथ इसका फॉलोअप भी करेगा। सेंट्रल वक्फ़ काउंसिल, राज्यों के वक्फ बोर्ड और मंत्रालय की तकनीकी टीम ने इस पोर्टल को समावेशी बनाने में कड़ी मेहनत की है।

मदन राठौड़ ने बताया कि उम्मीद पोर्टल और डाटाबेस, रिकॉर्ड पर आने वाली प्रत्येक वक्फ संपत्ति के लिए एक विशिष्ट पहचान संख्या को स्वचालित रूप से उत्पन्न करेगा। इसका उपयोग भविष्य के सभी संदर्भों और संपत्तियों की ट्रैकिंग व निगरानी के लिए किया जाएगा। अधिसूचित नियमों के अनुसार, मुतवल्ली अपने मोबाइल नंबर और ई-मेल का उपयोग करके पोर्टल और डाटाबेस पर इन्हें नामांकित करेंगे।

नव-निर्वाचित जिलाध्यक्ष का स्वागत

जयपुर। बिरला ऑडिटोरियम परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में ब्यावर जिले के नव - निर्वाचित राजस्थान नर्सेज एसोसियेशन संगठन के जिलाध्यक्ष जेठाराम का प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा माला व साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में प्यारेलाल चौधरी प्रदेश अध्यक्ष ,रमेश सैनी कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष,प्रदेश महिला मंत्री मालती शर्मा,प्रदेश महामंत्री जेपी कसवा एवं प्रदेश प्रवक्ता सुनील शर्मा आदि ने जिलाध्यक्ष जेठाराम , पदाधिकारी ओमप्रकाश, प्रेम सहित अन्य सदस्यों का जोरदार स्वागत अभिनन्दन किया।

जेठाराम ने संकल्प लिया कि नर्सेज संगठन हेतू जो जिम्मेदारी उन्हें दी गई है उसे पूर्ण- निष्ठा से निभाएंगे और शीघ्र ही ब्यावर जिला कार्यकारिणी का गठन करेंगे।

'यू.पी.आई. धोखाधड़ी से सावधान'

जयपुर । डिजिटल लेनदेन के बढ़ते दायरे के साथ-साथ साइबर अपराधी भी नए-नए तरीके अपना रहे हैं। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने आमजन को एक नए प्रकार की यूपीआई आधारित साइबर धोखाधड़ी के प्रति आगाह किया है। इस धोखाधड़ी में अपराधी आपके खाते में छोटी राशि भेजकर आपको फंसाते हैं और एक फर्जी लिंक के जरिए आपके मोबाइल का नियंत्रण हासिल कर लेते हैं। एसपी साइबर क्राइम शांतनु कुमार सिंह ने बताया कि साइबर अपराधी एक संदिग्ध नंबर से आपके यूपीआई खाते में बहुत कम राशि भेजते हैं, जैसे 1 रुपये या 10 रुपये। इसके तुरंत बाद आपको एक एसएमएस प्राप्त होता है, जिसमें बताया जाता है कि आपके यूपीआई खाते में धनराशि जमा हो गई है। इस एसएमएस में यूपीआई बैलेंस चेक करने के लिए एक लिंक भी दिया होता है। धोखेबाज जानते हैं कि लोग अपने खाते में पैसे आने पर उत्सुक हो जाते हैं।

सामूहिक शिवलिंग पूजन में हो रहा आस्था से खिलवाड़

■ नदी में करने थे पार्थिव शिवलिंग विसर्जित, कचरे के कट्टे में डाल दिए

जयपुर। श्रावण मास के शुभ अवसर पर जहां एक ओर शिवालयों में हर-हर महादेव और बोल बम के उद्घोष गूंज रहे हैं, श्रद्धालु गहरी भक्ति से भोलेनाथ का जलाभिषेक और पूजन कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ज्यादातर स्थानों पर सामूहिक पार्थिव शिवलिंग अभिषेक आयोजनों के नाम पर आस्था और धार्मिक मर्यादाओं का खुला उल्लंघन हो रहा है। शास्त्रों में पार्थिव शिवलिंग अभिषेक के लिए नदियों, सरोवरों के तट, मंदिर प्रांगण या पवित्र वृक्षों की छाया को ही उपयुक्त स्थान माना गया है। लेकिन आज ये आयोजन एसी होटल, रिसॉर्ट और सामुदायिक भवनों में धड़ल्ले से हो रहे हैं। इन स्थानों पर सुविधाएं सहज उपलब्ध हो जाती है। हाल ही में मुरलीपुरा स्थित एक समाज भवन में रविवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं से प्रति जोड़े 2500 की दक्षिणा लेकर अभिषेक कराया गया, जिसमें भोजन जैसी सुविधाएं भी जोड़ी गईं। इस आयोजन में हवामहल विधायक बालमुकुंचार्य भी उपस्थित रहे।

लेकिन कार्यक्रम के बाद जो दृश्य सामने आया, उसने आस्था को शर्मसार कर दिया। सोमवार दोपहर तक पूजन सामग्री जहां-तहां बिखरी रही। पार्थिव शिवलिंग प्लास्टिक के कट्टे में कचरे के साथ पड़े मिले। कई पार्थिव शिवलिंग खुले में इधर-उधर फैले हुए थे। न तो विधिवत विसर्जन हुआ, न ही किसी प्रकार की धार्मिक मर्यादा का पालन किया गया। रोली, मोली, चावल, पुष्प सहित पूजन सामग्री पूरे फर्श पर बिखरी हुई थी।

इसके अलावा मिट्टी के पार्थिव शिवलिंग को गलने से बचाने के लिए उन पर चांदी की वर्क चढ़ाई गई। जानकारों के अनुसार चांदी की वर्क गाय की खाल में कूट-कूट कर बनाई जाती है, जो धार्मिक दृष्टि से न केवल आपत्तिजनक है बल्कि शिव भक्ति की मूल भावना के खिलाफ है। पार्थिव शिवलिंग के अभिषेक के दौरान ज्यादातर आयोजक चांदी की वर्क के बजाय प्लास्टिक की पतली पन्नी का उपयोग करते हैं।

दक्षिणा के साथ प्रायोजक भी करते हैं सहयोग:- ऐसे आयोजनों में स्वयंसेवी संगठनों और कथित धार्मिक समूहों द्वारा भारी दक्षिणा लेकर धर्म को व्यावसायिक रूप दे दिया गया है। श्रद्धालु भक्ति में रमे रहते हैं, लेकिन पर्दे के पीछे कुछ लोगों द्वारा आस्था को बाजार बना दिया गया है। यजमानों से दक्षिणा के साथ-साथ ये लोग भामाशाहों से भी सहयोग के नाम पर मोटी राशि ले लेते हैं।

शिविर में 240 मरीजों की नेत्र जांच

जयपुर। शेखावाटी अग्रवाल समाज संस्था के तत्वावधान में व संजय एंड ज्योति अग्रवाल फाउंडेशन के सौजन्य से 150 वां निशुल्क लैंस प्रत्यारोपण शिविर विद्याधर नगर, सेक्टर-7 स्थित महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल में आयोजित किया गया।240 मरीजों ने आंखों की जांच की गई,साथ ही 182 व्यक्तियों को चश्मे वितरण किए गए। इस मौके पर सुरेश अग्रवाल, अरुण काबरा, राजेंद्र मोदी , अनिल शर्मा , मुकेश बंसल, दिनेश टेकरीवाल, मुकेश मीणा व राजेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

दक ने विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों को संबोधित किया

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि विगत 17 जुलाई को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ 'सहकार एवं रोजगार उत्सव' राज्य के सहकारी सेक्टर को मजबूत बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि हमें राज्य में सहकारी सेक्टर को और अधिक मजबूत करने के लिए एकजुट होकर पूरे मनोयोग से प्रयास करने होंगे।

दक सोमवार को अपेक्स बैंक सभागार में 'सहकार एवं रोजगार उत्सव' के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी ने अपना श्रेष्ठ योगदान दिया। सभी लोगों ने टीम भावना के साथ समन्वय बनाकर कार्य किया, जिसके अच्छे परिणाम आए और कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित हो सका। आयोजन में 90 प्रतिशत से भी अधिक भागीदारी सहकारी आन्दोलन से जुड़े लोगों की रही और कार्यक्रम के माध्यम से राजस्थान के सहकारी आन्दोलन का पूरे देश में एक अच्छा मैसेज गया। सहकारिता मंत्री ने कहा कि सरकार सहकारी सेक्टर को सशक्त बनाने के लिए पूरा सहयोग दे रही है और हमें भी अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत पुरजोर प्रयास करते हुए 'को-ऑपरेटिव बिल्ड अ बेटर वर्ल्ड' के ध्येय वाक्य को साकार करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई की केन्द्रीय सहकारिता मंत्री की मंशा के अनुरूप राजस्थान आगामी समय में सहकारिता में देश में सर्वश्रेष्ठ होगा।

शासन सचिव पर्यटन ने दो दिवसीय तीज उत्सव के आयोजन की रूप रेखा पर चर्चा की

■ प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव की अधिकारियों की उपस्थिति में तीज माता की शोभायात्रा की व्यवस्थाओं की तैयारी के सम्बन्ध में में बैठक ली

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति व पुरातत्व राजेश यादव की अध्यक्षता तथा पर्यटन आयुक्त रूकमणि रियाड़ एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में तीज का उत्सव और अधिक भव्यता से मनाने और तीज माता की शोभायात्रा की व्यवस्थाओं की तैयारी के सम्बन्ध में सोमवार को जयपुर स्थित पर्यटन भवन में बैठक आयोजित की गई।

प्रमुख शासन सचिव पर्यटन राजेश यादव ने कहा कि इस बार 27 एवं 28 जुलाई को जयपुर में इस बार दो दिवसीय तीज उत्सव का आयोजन पहले से और अधिक भव्य और आकर्षक रूप में किया जाएगा।जिसमें राजस्थान की रंग-बिरंगी संस्कृति और परम्पराएं अद्भुत व आकर्षक रूप से प्रदर्शित होंगी। तीज उत्सव में जयपुर के आम नागरिक और देशी विदेशी पर्यटक बड़ी संख्या में सम्मिलित होंगे।

प्रमुख शासन सचिव पर्यटन ने दो दिवसीय तीज उत्सव के सम्पूर्ण आयोजन की रूप रेखा पर चर्चा करते हुए बताया कि तीज माता के शौभायात्रा में इस बार राजस्थान की लोक कलाओं में उत्कृष्ठ रूप से पारंगत लगभग 200 लोक-कलाकार अपनी कलाओं का प्रदर्शन करेंगे।

उन्होंने कहा मेले में महिलाओं के द्वारा तैयार सामान का क्राफ्ट मार्केट लगाया जाएगा। मेले में फूड स्टाल्स् के साथ महिलाओं के लिए झूले, मेहन्दी माण्डणे की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि पॉण्ड्रीक पार्क में लोक कलाकारों द्वारा कला प्रदर्शन किया जाएगा। इसी प्रकार छोटी चौपड पर तीज माता की पूजा की जाएगी एवं कलाकारों द्वारा रोचक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव ने कहा कि राजस्थान जयपुर के इस अत्यंत लोक प्रिय तीज उत्सव के आयोजन का विभिन्न विभागों की वेबसाईट,पर्यटन विभाग की वेबसाईट और सोशल मीडिया प्लेटेफॉर्म्स पर वृहद प्रचार प्रसार किया जाए। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन की कवरेज प्रिन्ट मीडिया,इलेक्ट्रोनिक मीडिया के साथ ही सोशल मीडिया इम्फलुएन्सर्स के द्वारा करवाया जाना सुनिश्चित करने के लिए पर्यटन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि इस बार तीज उत्सव का लाइव प्रसारण जयपुर शहर में स्थित स्क्रीन्स एवं सर्पूण राजस्थान में डीओआईटी के माध्यम से प्रसारण करवाया जाएगा। प्रमुख शासन सचिव ने शोभायात्रा में लवाजमा हेतु हाथी, ऊंट, घोड़े, बैल, बैण्ड, शहनाई-नगाड़ा, आदि की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने देशी-विदेशी पर्यटकों के बैठने हेतु हिन्द होटल के टेरेस एवं निचे बरामदों में बैठने की व्यवस्था करने, वहां टेण्ट एवं वाटर प्रूफ शामियाना भी लगवाने के लिए पर्यटन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। प्रमुख शासन सचिव पर्यटन राजेश यादव की ओर से बैठक में जयपुर नगर निगम (हैरिटेज) आयुक्त को तीज माता की सवारी मार्ग में आने वाले पेड़ो की छटाई, बिजली के तार एवं अन्य केबल तार जो की सवारी मार्ग में झूल रहे है उन्हें दुरस्त करवाने के निर्देश दिए गए।

पुस्तक रजवाड़ों के जांबाज का लोकार्पण

राजेन्द्र मोहन शर्मा की पुस्तक रजवाड़ों के जांबाज का लोकार्पण किया।

जयपुर । राजस्थान की रेत के कण कण में भक्ति का शंखनाद और रक्त के हर अणु में देशभक्ति का नाद सदियों से गुंजायमान है। यहां के बलिदानी नायक नायिकाओं ने अपनी मिट्टी की , अपनी धरती मां की रक्षा के लिए बड़े बड़े सूरमाओं को धूल चटाई है विशेषकर आततायी मुगल शासकों को जिस तरह रजपूताने के सूरवीरों ने खदेड़ा था वह रोमांचकारी था। बड़ी से मुगल बड़ी सेना के पांव भी इस धरती पर कांपते थे। सुप्रसिद्ध वरिष्ठ साहित्यकार प्रदीप सैनी आज जयपुर में स्वरांजली द्वारा आयोजित समारोह में वरिष्ठ लेखक एवं चिन्तक राजेन्द्र मोहन शर्मा की पुस्तक रजवाड़ों के जांबाज का लोकार्पण करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा दिल्ली से प्रकाशित यह पुस्तक आज की युवा पीढ़ी के लिए न केवल प्रेरणादायक है अपितु राष्ट्र के प्रति समर्पण क्या होता है सिखाने वाली है। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए उन्होंने कहा कि हमें अपने इतिहास को पुनः विवेचित कर सही तथ्यों को युवा पीढ़ी के सामने लाने की आवश्यकता है और यह धर्म राजेन्द्र मोहन शर्मा ने इस पुस्तक लेखन के माध्यम से बखूबी निभाया है।

इस अवसर पर इतिहास के सुप्रसिद्ध समालोचक डॉ एम.एम. शर्मा ने कहा अतीत में वामपंथी विचारधारा से ग्रसित इतिहासकारों ने जगह जगह मुगल शासकों के गलत तथ्य प्रस्तुत कर देश को अक्षम्य रूप से गुमराह किया है । इसके निवारण हेतु राजेन्द्र मोहन शर्मा ने इस पुस्तक के माध्यम से महत्वपूर्ण कार्य किया है।

न्यायिक कर्मचारियों का आंदोलन जारी

जयपुर । प्रदेश की अधीनस्थ अदालतों में कार्यरत कर्मचारियों का राज्य सरकार की ओर से कैडर पुनर्गठन नहीं करने के विरोध में सोमवार को सामूहिक अवकाश जारी रहा। इसके चलते अदालतों में अधिकतर मामलों में तारीखें दी गई। कर्मचारियों के सामूहिक अवकाश पर होने के चलते नए मुकदमे भी दायर नहीं हो पा रहे हैं।

जब तक कैडर पुनर्गठन का आदेश उनके हाथ में नहीं आएगा, तब तक उनका सामूहिक अवकाश जारी रहेगा। प्रांतीय अध्यक्ष सुरेन्द्र नारायण जोशी ने बताया कि हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से 25 जुलाई को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में होने वाली बैठक का हवाला देते हुए सामूहिक अवकाश समाप्त करने को कहा गया था, लेकिन अब आश्वासन से काम नहीं चलेगा। दूसरी ओर दी बार एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष संदीप लुहाडिया ने राज्य सरकार व हाईकोर्ट प्रशासन से न्यायिक कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने का आग्रह किया है। कर्मचारी संघ के प्रांतीय संरक्षक बद्रीलाल चौधरी ने बताया कि अध्यक्ष सुरेन्द्र नारायण जोशी व पूर्व जिलाध्यक्ष बृजेश शर्मा की भूख हडताल आठवें दिन भी जारी रही।

लाइब्रेरियन भर्ती में शामिल करने के आदेश, मांगा जवाब

■ अदालत ने याचिकाकर्ता अभ्यर्थी को चयन प्रक्रिया में शामिल करने को कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश सायर चौधरी की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने कट ऑफ से अधिक अंक लाने के बावजूद भी अभ्यर्थी को लाइब्रेरियन भर्ती-2024 की चयन प्रक्रिया से बाहर करने पर शिक्षा सचिव, प्रारंभिक शिक्षा निदेशक और आरपीएससी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता अभ्यर्थी को चयन प्रक्रिया में शामिल करने को कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश सायर चौधरी की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि आरपीएससी ने 14 फरवरी, 2024 को लाइब्रेरियन ग्रेड द्वितीय के पदों पर भर्ती निकाली थी। याचिकाकर्ता ने ओबीसी वर्ग में भाग लेकर 212 अंक प्राप्त किए, जबकि इस वर्ग की कट ऑफ 179 आई थी। याचिकाकर्ता के एक प्रश्न पत्र में चालीस फीसदी अंक के बजाए 39.34 अंक आने पर उसे चयन से वंचित कर दिया गया। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने 7 फरवरी, 2024 को परिपत्र जारी कर राजस्थान शिक्षा सेवा नियम में संशोधन किया था। संशोधन के तहत लाइब्रेरियन ग्रेड द्वितीय और तृतीय के लिए हर प्रश्न पत्र में न्यूनतम चालीस फीसदी अंक लाने के प्रावधान को हटा दिया गया था। याचिका में कहा गया कि प्रत्येक प्रश्न पत्र में चालीस फीसदी अंक लाने की अनिवार्यता नहीं होने के बावजूद याचिकाकर्ता को चयन से बाहर कर दिया गया, जबकि उसके कट ऑफ से काफी अधिक अंक हैं। ऐसे में उसे चयन प्रक्रिया में शामिल किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करते हुए याचिकाकर्ता को चयन प्रक्रिया में शामिल करने को कहा है।

सीवेज लाइन डालने से पूर्व करें सुरक्षा और समयबद्धता की प्लानिंग : आवासन मंत्री

झाब्बर सिंह खर्रा ने (बीच में) डीएलबी मुख्यालय पर रुडसिको की बोर्ड बैठक ली ।

■ इस बैठक में पिछली बोर्ड बैठक के कायो द्वारा केन्द्र एवं राज्य पोषित योजना की समीक्षा की गई तथा योजनाओं को गुणवत्तापूर्वक कार्य करवाने के लिए निर्देश दिये

जयपुर । अफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट्स और सीवेज के काम की प्लानिंग आमजन की ज़रूरतों, सुरक्षा और सुव्यवस्थित नगरीय विकास को ध्यान में रखकर की जाए । यह कहना है नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा का ।

सोमवार को डीएलबी मुख्यालय के सभागार में आयोजित हुई रुडसिको की 60 वी बोर्ड बैठक की खर्रा अध्यक्षता कर रहे थे । इस बैठक में पिछली बोर्ड बैठक के कायो द्वारा केन्द्र एवं राज्य पोषित योजना की समीक्षा की गई तथा योजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्वक कार्य करवाने के लिए निर्देश दिये गये ।

मंत्री झाब्बर सिंह खर्रा ने कहा की सीवेज का काम शुरू करने से पहले ही उसकी निर्माण अवधि , गुणवत्ता और नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कार्ययोजना बनाई जाए ताकि किसी प्रकार की कोई जान माल की हानि ना हो । सीवेज के इनलेट और आउटलेट के निर्माण का विशेष ध्यान रखा जाए । सीवरेज ड्रेनेज परियोजना की डी.पी.आर. निर्माण के समय विशेष ध्यान रखें तथा क्रियान्वयन में किसी प्रकार की कमी न रहे। डी.पी.आर. की शुद्धता एवं उसके क्रियान्वयन के लिए संबंधित तकनीकी अधिकारी उत्तरदायी होंगे।

इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले संवेदकों को भी नोटिस जारी कर उनपर जुर्माना लगाया जाए ताकि भविष्य में ऐसी कोई समस्या ना आए । उन्होंने अफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर भी अधिकारियों को निर्देशित किया, खर्रा ने कहा की लंबे समय से अफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट्स का काम लंबित होना चिंतनीय है । उन्होंने निर्देश दिए की कार्ययोजना तैयार कर जल्द से जल्द आम जन के आवास के सपने को साकार किया जाए ।

इसी के साथ ही इस बैठक में रूडसिको के दो स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति का भी अनुमोदन खर्रा द्वारा किया गया । सुमन शर्मा और सूर्या प्रकाश चौपड़ा को नियमानुसार रुडसिको का स्वतंत्र निदेशक बनाया गया है ।

इस बैठक में नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव डॉ देबाशीष पृष्टि ,स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन, पीएचईडी विभाग के मिशन निदेशक रवीन्द्र गोस्वामी, आवासन आयुक्त डॉ रश्मि शर्मा, रुडसिको के कार्यकारी निदेशक हरि मोहन मीणा, डीएलबी निदेशक प्रतीक जुईकर, वित्तीय सलाहकार उम्मेद सिंह, मुख्य अभियंता अरुण व्यास, प्रदीप गर्ग सहित अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे ।

'स्वच्छ सर्वेक्षण में जियो फेंसिंग और मोबाइल ऐप से होगा डेटा संग्रह'

जयपुर। स्वच्छ भारत मिशन फेज-2 के तहत शुरू किए गए स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण में इस बार जियोफेंसिंग और मोबाइल एप से डेटा संग्रह किया जाएगा। इतना ही नहीं, स्वच्छता मापदंडों पर नागरिकों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए भारत सरकार की ओर से इस बार नागरिक प्रतिक्रिया एप्लिकेशन विकसित की गई है। डेटा संग्रहण साफ्टवेयर में जियो फेंसिंग को शामिल करने के साथ परिसंपत्तियों की जियो टैगिंग भी की जाएगी। यह जानकारी राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में केंद्रीय राज्य जल शक्ति मंत्री वी.सोमण्णा ने सदन में दी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 में इस बार देशभर के 34 राज्य एवं संघ राज्यों को शामिल किया गया है। इसके साथ ही देशभर के 761 जिले और 21000 गांवों को शामिल किया गया है। गांवों के स्वच्छता सर्वेक्षण के दौरान सेवा स्तरीय प्रगति, गांवों में स्वच्छता का प्रत्यक्ष अवलोकन, संयंत्रों की कार्यशीलता का प्रत्यक्ष अवलोकन और नागरिक प्रतिक्रिया को शामिल किया गया है। सर्वेक्षण में कुल 1 हजार अंकों में से मूल्यांकन किया जाएगा।

'जयपुर में बाढ़ नियंत्रण एवं आपदा प्रबंधन के लिए हर संभव प्रयास हो सुनिश्चित'

■ जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को दिये सख्त निर्देश

जयपुर। मानसून सीजन में जलभराव एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए जयपुर जिला प्रशासन द्वारा व्यापक एवं योजनाबद्ध तैयारी की गई है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के नेतृत्व में प्रशासन ने बाढ़ नियंत्रण की दिशा में समय पर कार्यवाही कर संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। जिला कलक्टर के निर्देश पर सभी विभागों को अलर्ट मोड में रखा गया है । साथ ही, 24 घंटे नियंत्रण एवं निगरानी के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं स्थिति की नियमित मॉनिटरिंग कर रहे हैं और सभी उपखंड अधिकारियों, नगर परिषद, जन स्वास्थ्य, विद्युत, जलदाय, पुलिस, आपदा प्रबंधन सहित अन्य संबंधित विभागों को संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में जिला स्तर पर चौबीसों घंटें कार्यरत कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जहां आमजन अपनी समस्याएं सीधे रिपोर्ट कर सकते हैं। किसी भी आपात स्थिति, जलभराव, सड़क क्षित, बिजली गड़बड़ी या अन्य समस्या की सूचना जिला आपदा नियंत्रण कक्ष, जयपुर कंट्रोल रूम नंबर 0141-2204475, 0141-2204476 के साथ-साथ टोल फ्री नंबर 1077 पर दी जा सकती है।

इसके अतिरिक्त जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा शहर में 9, नगर निगम जयपुर ग्रेटर द्वारा 4, नगर निगम जयपुर हैरिटेज द्वारा 3 नियंत्रण कक्षों का निरंतर संचालन किया जा रहा है। वहीं, पुलिस विभाग, विद्युत विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, मौसम विभाग, जयपुर मैट्रो, रेलवे, एयरपोर्ट, एसडीआरएफ एवं राज्य स्तरीय ईओसी के साथ साथ तहसील स्तर पर भी प्रशासन द्वारा नियंत्रण कक्षों का प्रभावी संचालन किया जा रहा है।

हर आपदा से निपटने के लिए मुस्तैद है टीम जयपुर जिला प्रशासन

प्रशासन ने निचले इलाकों, जलभराव प्रभावित क्षेत्रों तथा पुराने बाढ़-प्रभावित इलाकों की पहचान कर विशेष निगरानी टीमों का गठन किया है। प्रत्येक टीम को निर्धारित क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था, जनसंपर्क एवं आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नगर निगम एवं जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयास से नालों और जल निकासी मार्गों की पूर्व सफाई कराई गई, जिससे बारिश के पानी का तुरंत बहाव सुनिश्चित हो सके। सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ, नगर निगम, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीमें तैनात की गई हैं, जो आपदा की स्थिति में तुरंत राहत पहुंचा सकें। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने स्वयं प्रभावित क्षेत्रों का नियमित निरीक्षण कर रहे हैं एवं साथ ही अतिरिक्त जिला कलक्टर सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी भी फील्ड में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं।

सड़कों पर घटिया सड़कें बनाये जाने की शिकायत पर फिर जांच शुरु

सार्वजनिक निर्माण विभाग के दो अधिकारी बोरावड़ पहुंचे और सड़कों की नाप ली

सड़कों की जांच के लिये सार्वजनिक निर्माण विभाग के दो अधिकारी बोरावड़ पहुंचे। इस दौरान शिकायतकर्ता राजेन्द्र खर्रा सहित पालिका के जेईएन नरेन्द्र सारस्वत उपस्थित रहे।

मकराना, (निसं)। प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा सड़कों पर सड़कें नहीं बनाये जाने के निर्देश दिये जाने के बावजूद बोरावड़ में सड़कों पर सड़कें बनाये जाने का क्रम रुकने का नाम नहीं ले रहा है। सड़कों पर सड़कें और वो भी घटिया निर्माण सामग्री के साथ बनाये जाने के मामले में पूर्व में जिला कलेक्टर से की गई शिकायत पर बुधवार को सार्वजनिक निर्माण विभाग के दो अधिकारी बोरावड़ पहुंचे। उनके साथ शिकायतकर्ता राजेन्द्र खर्रा सहित स्थानीय नगरपालिका के जेईएन नरेन्द्र सारस्वत तथा ठेकेदार के प्रतिनिधि जांच के दौरान उपस्थित रहे। जांच अधिकारियों द्वारा सड़कों के नाप लिये जाने पर बोथरा बास, हवाई अड्डा से सरावगी मोहल्ला होते हुए अग्रवाल मेडिकल तक, रानाबाई टेंट हाऊस के सामने, गाडिया लोहारों की बस्ती आदि में अनेक स्थानों पर सड़कों की मोटाई दो से तीन इंच तक ही पायी गई। अनेक स्थानों पर सड़कें बनने के साथ ही टूट जाने की स्थिति भी देखी गई। इससे पहले इस मामले में एसडीएम मकराना के आदेश पर नगर परिषद मकराना की एईएन ने भी सड़कों की जांच की थी, मगर उनके द्वारा की गई लीपापोती के बाद एक ही बरसात में घटिया सामग्री की सड़कें जगह जगह से क्षतिग्रस्त हो गई है। अब जांच एजेंसी के बदलने के बाद एक बार फिर जनता की नजर निष्पक्ष जांच की ओर है।

मामले के अनुसार बोरावड़ निवासी राजेन्द्र खर्रा सहित रतनाराम, ओमसिंह, चेतन सोनी व अन्य लोगों ने संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त शिकायत जिला कलेक्टर डीडवाना-कुचामन तथा उपखण्ड अधिकारी मकराना अुशंल सिंह को प्रेषित कर ठेकेदार द्वारा बिना पीसीसी किए पुरानी सीसी सड़कों पर ही बिना मापदण्ड एवं घटिया सामग्री से सड़कों के निर्माण के आरोप लगाते हुए ग्यारह सड़कों के निर्माण की थर्ड पार्टी जांच करवाने तथा गुणवत्ता की जांच होने तक सड़कों के निमार्ण कार्य का भुगतान रोके जाने की गुहार की।

उन्होंने शिकायत के माध्यम से जिला कलेक्टर को अवगत कराया कि शहर में सात पुरानी व खराब हो रखी सड़कों को तोड़कर पहले पीसीसी की जाती है, उसके बाद सीसी सड़क का निर्माण किया जाना था, जबकि 25 लाख की लागत से बनने वाली विभिन्न स्थानों की सड़कों को एक ही स्थान पर एक ही वार्ड नंबर 21 में खर्च कर दिया गया जो कि पार्षदों के साथ भेदभाव है, उस सड़क में जो सीमेंट की मात्रा होनी चाहिए, वह नहीं डाली गई तथा 2 इंच पीसीसी करके ऊपर सीसी का वर्क कर दिया गया। शिकायत में बताया गया है कि बोरावड़ के वार्ड नंबर 20 में 2 इंच पीसीसी डालकर सीसी घटिया सामग्री कम मात्रा में सीमेंट डालकर सड़क बना दी गई, इसी प्रकार बोथरा बास, मुथा बास में पीसीसी भी नहीं करते हुए सीधा सीसी डालकर कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि अग्रवाल मेडिकल स्टोर से हवाई अड्डा पॉइंट तक बनने वाली सड़क को बिना तोड़फोड़ करके बिना पीसीसी किये 4 इंच सीसी डालकर लीपापोती की गई। उन्होंने पालिका प्रशासन व ठेकेदार पर फंड का जमकर दुरुपयोग किये जाने का आरोप लगाते हुए बताया कि बोरावड़ में लम्बे समय के इंतजार के बाद सड़कों के निर्माण में भारी अनियमितताएं बरतने से स्थानीय जनता में रोष व्याप्त है।

सूने मकान में हुई चोरी का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

पुलिस ने चोरी का माल सहित आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सूने घर से चोरी करने वाले चार चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरों के पास से चोरी किए गए कूलर, गैस सिलेंडर, कूलर मोटर बरामद किए हैं। यह सफलता थाना प्रभारी सोहनलाल के नेतृत्व में

- **पुलिस ने चोरों के पास से चोरी किए गए कूलर, गैस सिलेंडर, कूलर मोटर बरामद की**

मिली है।

राजन दुष्यंत उप महानिरीक्षक पुलिस सह जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वर्तमान में संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के निर्देशन एवं वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन व विराटनगर थाना प्रभारी विराटनगर सोहनलाल के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए प्रकरण में मुल्जिमों की तलाश की गई। घटना क्षेत्र के आसपास व संभावित स्थानों के सीसीटीवी कैमरे खंगालते हुए पुलिस ने अज्ञात बदमाशों की तलाश की जाकर कूलर, गैस सिलैंडर, कूलर मोटर चोरी की घटना का पर्दाफाश किया। पुलिस ने अजय हरिजन पुत्र ज्ञानचंद निवासी वार्ड नं. 25 विराटनगर, भूपेंद्र कुमार उर्फ मनोज सैनी पुत्र रामस्वरूप निवासी वार्ड नं. 23 झालरा की ढाणी विराटनगर को गिरफ्तार किया, जिन्होंने चोरी के बाद चोरी का माल बाबूलाल, महेश को बेचना बताया, जिस पर बाबूलाल पुत्र फूलचंद बीजाला की ढाणी विराटनगर, महेश कुमार पुत्र किशोरी लाल निवासी वार्ड नं. 18 किले के पास विराटनगर को गिरफ्तार कर चोरी का खरीदा माल कूलर, गैस सिलैंडर, कूलर मोटर बरामद की। वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत ने बताया कि 12 जुलाई को जोगेश कुमार पुत्र प्रभुदयाल अग्रवाल ने मामला दर्ज करवाया था कि रात्रि में अज्ञात चोर मेरे पुस्तैनी ने मकान से कूलर, गैस सिलैंडर, कूलर मोटर चोरी कर ले गए।

ग्राम पंचायत मांकड़ी मे अंतिम यात्रा गहरे पानी से गुजरी, लोगों में रोष

सैकड़ों लोग जलमग्न रास्ते से गुजरते हुए प्रशासनिक अनदेखी के खिलाफ आक्रोशित नजर आए।

पाटन, (निसं)। जल भराव की समस्या जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी-यह कहावत उस समय साकार हो गई, जब ग्राम पंचायत मांकड़ी की ढाणी साधुवाला निवासी सुरेश सैनी की पत्नी लीलावती की अंतिम यात्रा रेलवे ट्रैक के अधीनस्थ अंडरपास से गुजरी, जिसमें लगभग दो से तीन फीट गहरा पानी भरा हुआ था। अंतिम संस्कार के इस भावुक क्षण में ग्रामीणों को शव यात्रा के साथ पानी में उतरना पड़ा। सैकड़ों लोग इस जलमग्न रास्ते से गुजरते हुए प्रशासनिक अनदेखी के खिलाफ आक्रोशित नजर आए।

स्थानीय युवा हवासिंह मांकड़ी ने बताया कि ग्राम पंचायत क्षेत्र में तीन अंडरपास हैं, जो वर्षा ऋतु में पूरी तरह जलमग्न हो जाते हैं। इनसे प्रतिदिन सैकड़ों लोगों की आवाजाही होती है, लेकिन इसके बावजूद शासन-प्रशासन की ओर से कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। हवासिंह ने बताया कि पंचायत क्षेत्र बीते पांच वर्षों से राजनीतिक उपेक्षा का शिकार रहा है। जनप्रतिनिधि चुनावों के बाद जनता की समस्याओं से मुंह मोड़ लेते हैं और राजनीतिक मेहमाननवाजी में व्यस्त रहते हैं। वर्तमान में पंचायत के सरपंच (जो प्रशासक के रूप में कार्यरत थे)

- **अंतिम यात्रा रेलवे ट्रैक के अधीनस्थ अंडरपास से गुजरी, जिसमें लगभग दो से तीन फीट गहरा पानी भरा हुआ था**

को निलंबित कर दिया गया है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि इतने दिन बीत जाने के बावजूद अब तक किसी नए प्रशासक या प्रतिनिधि को चार्ज नहीं सौंपा गया है।

गांव के लोगों का कहना है कि नालियों की सफाई नहीं होती, अंडरपास की नियमित निकासी व्यवस्था नहीं है और न ही जल निकासी की कोई ठोस योजना बनाई गई है। नतीजतन, बारिश के दिनों में आमजन से लेकर शव यात्राओं तक को जलमग्न रास्तों से गुजरना पड़ता है। हवासिंह मांकड़ी ने शासन और प्रशासन से मांग की है कि ग्राम पंचायत की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए, अन्यथा क्षेत्र की जनता आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

परीक्षा केन्द्र बनवाने व परिवर्तन के लिए 31 तक आवेदन

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षा वर्ष 2026 के लिए परीक्षा केन्द्र बनाने अथवा अपने विद्यालय का परीक्षा केन्द्र परिवर्तन कराने के इच्छुक विद्यालयों से 31 जुलाई तक आवेदन पत्र संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) मुख्यालय के माध्यम से आमंत्रित किए गए है। सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने बताया कि 10 किलोमीटर से अधिक दूरी पर आवंटित परीक्षा केन्द्र वाले विद्यालय भी निकटतम परीक्षा केन्द्रों का विकल्प देते हुए केन्द्र परिवर्तन के लिए आवेदन कर सकते हैं। निर्धारित मानदण्डों के अनुरूप परीक्षा केन्द्रों पर स्थान उपलब्धता के आधार पर केन्द्र परिवर्तन अथवा नया परीक्षा केन्द्र बनाने पर विचार किया जाएगा। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। सभी जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) मुख्यालय प्राप्त आवेदन पत्रों के संबंध में उचित प्रस्ताव तैयार कर मेल करें।

स्मार्ट मीटर लगाने के खिलाफ आक्रोश

स्मार्ट मीटर लगाने के खिलाफ लोगों ने प्रदर्शन किया।

रतनगढ़, (निसं)। रतनगढ़ कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) और अखिल भारतीय किसान सभा तहसील कमेटी रतनगढ़ ने स्मार्ट मीटर के खिलाफ आक्रोश रैली निकालकर प्रदर्शन किया। 'राज्य सरकार होश में आओ, स्मार्ट मीटर नहीं चलेगा' जैसे नारे लगाते हुए निकाली गई रैली को कांग्रेस पार्टी ने भी समर्थन दिया। किसान सभा के अध्यक्ष मदनलाल जाखड़, राजलदेसर अध्यक्ष भादर भामू, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चंद्र इंदौरिया के नेतृत्व में हुए आंदोलन में पूरे परिक्षेत्र से सैकड़ों की संख्या में किसान शामिल हुए।

संयोजक रामकिशन भामू ने बताया कि किसान मजदूर भवन में हुई सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पहले से घरों में डिजिटल मीटर लगे हुए हैं, उसमें कोई खराबी नहीं है, उसके बावजूद स्मार्ट मीटर के नाम पर लूट का खेल जारी है। किसान सभा के बिरजू खीचड़, बिशन लाल रूलानिया, भादरसिंह राठौड़, रामकिशन भामू, मनीष जाखड़, कांग्रेस के कल्याण सिंह, मोहम्मद अनवर कुरैशी, किसान सभा के हनुमान ढाका, लेखूराम, देवाराम ढाका, नौरंग सारण, विनोद सिंह राठौड़, खींवाराम ख्यालिया, हनुमान मुहाल ने संबोधित करते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर बिजली विभाग को निजी हाथों में सौंपने की साजिश है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि फसल बीमा क्लेम खरीफ 2023 अभी बकाया पड़ा है, फसल का उचित भाव किसान को नहीं मिल रहा है, सौर ऊर्जा टावर खेतों में लगाए जा रहे हैं जिसका मुआवजा नहीं दिया जा रहा है, ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल टंकियों की सफाई नहीं की जा रही है, गांवों में सामूहिक सरकार द्वारा लगाए गए आरओ लगभग सभी गांवों में खराब पड़े हैं। इन सभी मुद्दों को लेकर किसानों में जबरदस्त आक्रोश है, अगर वक्त रहते किसानों की सभी मांगों का उचित समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा जिसका सरकार को गंभीर परिणाम भुगतना होगा। इस अवसर पर इदरिस, मनोज गुर्जर, शफीक मोहम्मद, लियाकत अली, ओंकारमल सैनी, बीरबल राम चाहर, रामगोपाल शर्मा, पूनमचंद जाखड़, भागीरथसिंह, नदीम, विजय भामु, हरिराम, खुमाराम सहित सैकड़ों की संख्या में किसान उपस्थित थे।

चोरी की आरोपी महिला गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा पुलिस टीम ने ज्वैलर्स की दुकान से पायल चोरी के मामले में कार्यवाही करते हुए महिला आरोपी पिंकी (24) को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि 25 जनवरी को फरियादी चेतन कुमार ने गुमानपुरा थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि चेतन ज्वैलर्स के नाम से शारदा चौक छावनी में उसकी ज्वैलर्स की दुकान है। रिपोर्ट में कहा कि कुछ महिलाएं उसकी दुकान पर पायल खरीदने के लिये आई और पायल दिखाते समय उससे नजर चुराकर दो जोड़ी पायल चुरा कर ले गई और बिना कुछ खरीदे महिलाएं चली गई। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि जब पायल वापस जमाने लगा तब दो जोड़ी पायल गायब मिली।

15 पाताल तोड़ कुओं से जल जमाव से निजात

- **जो पानी 8 से 10 घंटे तक भरा रहता था, वो पानी अब चार से छह घंटे में निकल रहा है**

बीकानेर, (निसं)। नगर निगम और बीकानेर विकास प्राधिकरण की ओर से शहर के 15 जगह खोदे गए भूजल रिचार्ज वाले कुएं जलभराव वाले इलाकों का आधा पानी खींच रहे हैं। यही वजह है कि जो पानी 8 से 10 घंटे तक भरा रहता था वो पानी अब चार से छह घंटे में निकल रहा है। निगम इस बारिश में जमीन के अंदर पानी जाने के बाद भूजल विभाग से पोस्ट मानसून रिपोर्ट लेकर पता लगाएगा कि इससे कितना पानी रिचार्ज हुआ, अगर रिपोर्ट पॉजिटिव आई तो अगले मानसून से पहले शहर में करीब एक दर्जन से ज्यादा कुएं और खोदे जाएंगे।

दरअसल पूरे राजस्थान में सबसे निचले स्तर पर पानी बीकानेर में ही है। सबसे ज्यादा जलभराव भी बीकानेर में ही है। सूरसागर से लेकर कीर्ति स्तंभ चौराहा, श्रीगंगानगर चौराह, गजनेर रोड, वल्लभगार्डन, खुदखुदा, कालीमाता मंदिर के पास, कलेक्ट्रेट समेत शहर में 29 ऐसे केन्द्र हैं जहां बारिश में तालाब जैसे हालात होते हैं। मानसून से पहले निगम और बीडीए ने 8-8 पातालतोड़ कुएं बनाने शुरू किए। मानसून शुरू होने से पहले 16 में से 15 कुएं शुरू हो गए। बीकानेर में सबसे बड़ी बारिश सावन के पहले दिन 62 एमएम हुई थी। 2024 में भी बड़ी बारिश हुई थी लेकिन पानी निकलने में करीब 8 घंटे लग गए थे, मगर इस साल पानी 4 से 6 घंटे में निकल गया था। सड़क के निचले हिस्सों में जहां चारों तरफ ऊंचाई रही वहीं भरा रहा। इसलिए निगम का ये दावा सही है कि कुओं से पानी खिंच रहा है। हालांकि एक कुआं अभी बनना बाकी भी है। कलेक्ट्रेट परिसर में भी पिछले साल की बारिश में 12 घंटे तक पानी नहीं निकला था मगर इस साल चार घंटे में पानी कम हो गया।

नीमकाथाना व पाटन का वन क्षेत्र अवैध खनन की चपेट में

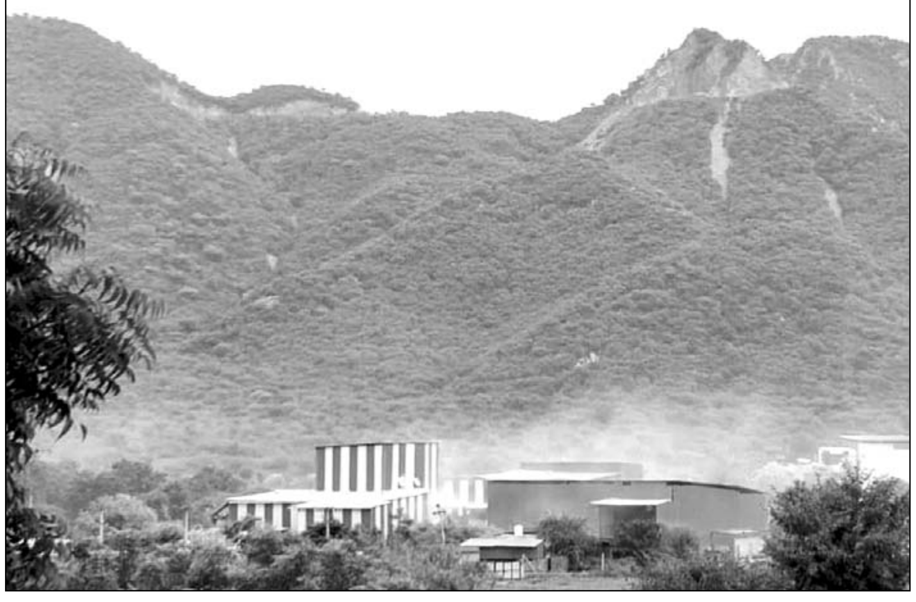
जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने र

पाटन, (निसं)। सीकर जिले का सबसे बड़ा वन क्षेत्र पाटन व नीमकाथाना रेंज, जो कि हरियाणा सीमा से सटा हुआ है, लंबे समय से अवैध खनन और वन विनाश की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। खासतौर पर राजस्व ग्राम स्यालोदड़ा

- **पाटन रेंज में कर्मचारियों व संसाधनों का भारी अभाव, जबकि नीमकाथाना रेंज की हालत भी ऐसी ही है**
- **इन कर्मचारियों के पास न तो पर्याप्त वाहन हैं, न वायरलेस संचार की सुविधा और न ही गश्त के लिए पर्याप्त सुरक्षा है**

स्थित चिड़ीमार पहाड़ (खसरा नंबर 72) और लादीकाबास पर लगातार हो रहे खनन ने पूरे क्षेत्र के पर्यावरण संतुलन को खतरे में डाल दिया है। पाटन रेंज, जो कि अरावली पर्वतमाला का एक हिस्सा है, वर्षों से हरियाणा की सीमा से लगे होने के कारण बाहरी खनन माफियाओं के निशाने पर रहा है। यहां वन विभाग के पास ना तो पर्याप्त कर्मचारी हैं और ना ही संसाधन, जिससे क्षेत्र में हो रहे अवैध खनन को रोकना लगभग असंभव बनता जा रहा है।

पाटन रेंज जैसे बड़े व संवेदनशील वन क्षेत्र में सिर्फ 7 से 8 वनकर्मी कार्यरत हैं, जबकि नीमकाथाना रेंज की हालत भी कुछ अलग नहीं है। इन कर्मचारियों के पास न तो पर्याप्त वाहन हैं, न वायरलेस संचार की सुविधा और न ही गश्त के लिए पर्याप्त सुरक्षा। जबकि दूसरी ओर, सीकर जिला मुख्यालय, जहां वन क्षेत्र बहुत कम है, वहां 60 से अधिक कर्मचारी और भरपूर साधन उपलब्ध हैं।

स्थानीय ग्रामीणों व पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि चिड़ीमार पहाड़ अब लगभग समाप्ति की कगार पर है। यहां न केवल पत्थरों का अवैध खनन जारी है, बल्कि इसके कारण घने जंगल उजड़ रहे हैं, जंगली जीवों का प्राकृतिक आवास खत्म हो रहा है और क्षेत्र का पारिस्थितिकी तंत्र चरमरा रहा है। स्थानीय लोगों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पर्यावरणविदों की एकजुट मांग है कि पाटन व नीमकाथाना रेंज में तत्काल अतिरिक्त कर्मचारी नियुक्त किए जाएं, सीकर मुख्यालय से अतिरिक्त संसाधन और कर्मचारी इन संवेदनशील क्षेत्रों में स्थानांतरित किए जाएं, बॉर्डर क्षेत्र पर निगरानी और सुरक्षा के लिए मोबाइल गश्त दल, वायरलेस संचार, ड्रोन आदि की व्यवस्था की जाए,अवैध खनन पर कठोर कार्रवाई हो और दोषियों को दंडित किया जाए।यदि यह मांगें शीघ्र पूरी नहीं की गईं, तो आने वाले कुछ वर्षों में पाटन रेंज का पूरा वन क्षेत्र इतिहास बन सकता है।

बुजुर्ग दंपती की हत्या मामले में चौथा आरोपी गिरफ्तार

आरोपी का बेटा पहले पकड़ा जा चुका है, दो फरार

बीकानेर, (निसं)। मुक्ता प्रसाद नगर थाना क्षेत्र में बुजुर्ग पति-पत्नी की हत्या मामले में अब एक और गिरफ्तारी हो गई है। आरोपी का बेटा पहले ही पकड़ा जा चुका है। अब तक पिता-पुत्र सहित चार को पकड़ा है। मामले में दो जने फरार है। दो आरोपियों को रिमांड पर लिया गया है। महिला आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सौरभ तिवाड़ी ने बताया कि बुजुर्ग दम्पती गोपाल वर्मा और निर्मला वर्मा की हत्या के मामले में अब विजय बंसल को गिरफ्तार किया है। विजय बंसल पहले से गिरफ्तार रोहित बंसल का पिता है। हत्या के समय वो भी इस गैंग में शामिल था। हत्या के बाद लूटे गए जेवर और नगदी लेकर फरार होने वालों में विजय बंसल भी शामिल था। उसे उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी दह जने प्री-प्लान तरीके से दम्पती के घर पहुंचे थे। यूपी से आए लोगों ने अपनी कार को श्रीडूंगरगढ़ में ही खड़ा कर दिया था। वहां ईशु नामक एक शख्स को खड़ा कर दिया था। उससे कार की लोकेशन मंगवाई। बीकानेर से एक कार किराए पर करके लोकेशन के आधार पर इशु के पास पहुंच गए, जहां से गाजियाबाद भाग गए। पुलिस अभी इस मामले में कर्मवरी और सुमित की तलाश कर रही है। कर्मवीर हत्याकांड में शामिल महिला आरोपी प्रिया सिसोदिया का पिता है। उसी की भूमिका इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा संदिग्ध मानी जा रही है। उसी ने स्वयं को तांत्रिक बताते हुए वर्मा दम्पती से संपर्क बनाकर रखा था।

डीडवाना में आवारा श्वान ने दो दर्जन लोगों को काटा

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना शहर में एक आवारा श्वान (कुत्ते) ने सोमवार शाम को कोहराम मचा दिया। अजमेरी गेट से लेकर भगत सिंह सर्किल, नागौरी गेट, बस स्टैंड, फव्वारा सर्किल और नागौर रोड जैसे प्रमुख इलाकों में इस श्वान ने राह चलते लोगों पर हमला कर दिया। करीब दो दर्जन से अधिक लोगों को उसने काटकर घायल कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह कुत्ता लगातार अलग-अलग स्थानों पर दौड़ते हुए लोगों पर झपट रहा था। अधिकतर पीड़ित आम नागरिक, छात्र और बाजार में खरीदारी कर रहे लोग थे, जिन पर अचानक हमला हुआ। बिना किसी उकसावे के हुए इन हमलों से लोग बुरी तरह घबरा गए। घायलों को तुरंत राजकीय जिला चिकित्सालय डीडवाना लाया गया, जहां उन्हें प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है। पीएमओ डॉ. अजीत सिंह ने बताया कि सभी घायलों की स्थिति फिलहाल स्थिर है। ज्यादातर को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। श्वान के काटने के मामलों को देखते हुए अस्पताल में त्वरित चिकित्सा व्यवस्था की गई।

डॉ. सिंह ने जानकारी दी कि शाम का समय होने के बावजूद अस्पताल प्रशासन ने तत्परता दिखाई। चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ को आपात स्थिति में बुलाया गया और सभी घायलों को एंटी रेबीज इंजेक्शन व दवाएं उपलब्ध करवाई। पीएमओ ने यह भी स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर अस्पताल में दवाओं की कमी और उपचार में लापरवाही जैसी अफवाहें फैल रही हैं, जो भ्रामक और निराधार हैं। अस्पताल में सभी आवश्यक दवाओं और इंजेक्शनों का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। शहर में इस प्रकार की घटना के बाद नगर परिषद और पशुपालन विभाग की लापरवाही पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि शहर में आवारा कुत्तों की संख्या को नियंत्रित किया जाए और ऐसे हमलावर श्वानों को जल्द पकड़ा जाए।

जानलेवा हमले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने इलाके के नोर्दन बाईपास पर व्यक्ति के उपर हुए जानलेवा हमले के मामले में कार्यवाही करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि 30 दिसम्बर 2024 को फरियादी सुरेश कुशवाह ने रेलवे कॉलोनी थाने में रिपोर्ट दी थी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा था कि वह नोर्दन बाईपास पर निवास करता है उसके पास दो जने आये और उससे मोबाइल मांगा। नहीं देने पर अपशब्द कहने लगे। उसी दौरान समझाइश कराने के लिये अनिल केवट आया। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि उस समय तो मामला शांत हो गया लेकिन दो घंटे बाद आठ-दस जने हथियार लेकर आये और उससे व उसके परिवार के लोगों से मारपीट कर जानलेवा हमला किया। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया। मामले में आरोंपियों की गिरफ्तारी के लिये रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने तकनीकी व मुखबीर की सहायता से कार्यवाही करते हुए भदाना निवासी भोले केवट (24) को भदाना से डिटेन कर पूछताछ के बाद प्रकरण में गिरफ्तार किया। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने इस मामले में पूर्व में नयानोहरा निवासी धर्मराज (27) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया गया है। पकड़े गये आरोपी भोले केवट से अनुसंधान जारी है।

खेल जगत

भारतीय क्रिकेटर भी मैच न खेल पाने से निराश हैं और उन्होंने शिखर धवन को जिम्मेदार ठहराया, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से घोषणा की थी। उन्होंने धवन को सड़ा अंडा कहा और उन पर बाकी भारतीय खिलाड़ियों को खराब करने का आरोप लगाया। - शाहिद आफरीदी

पूर्व पाक क्रिकेटर, भारत-पाक मैच रद्द को लेकर।

आज का खिलाड़ी — जसप्रीत बुमराह

भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का चौथा मैच बुधवार से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में शुरू होगा। मेजबान इंग्लैंड पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे है। भारत को लॉर्ड्स में पिछले मुकाबले में 22 रनों से करीबी हार झेली पड़ी थी। भारत की मैनचेस्टर में धमाकेदार वापसी पर नजर होगी। वहीं, इस मुकाबले में जसप्रीत बुमराह इतिहास रच सकते हैं। उनके निशाने पर वसीम अकरम का दमदार रिकॉर्ड होगा। दरअसल, बुमराह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले वहीं बुमराह इंग्लैंड में जारी सीरीज में अच्छी लय में दिखे हैं। वह दो मैचों में 12 विकेट ले चुके हैं।

क्या आप जानते हैं ?... ओवेन पर्दापण मैच में अर्धशतक जड़ने वाले तीसरे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज है। उन्होंने अपनी 50 रनों तूफानी पारी में छह छक्के लगाये।

पर्दापण मैच में अर्द्धशतक जड़ने वाले ओवेन तीसरे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज

नई दिल्ली, 21 जुलाई। ऑस्ट्रेलिया के मिच ओवेन ने सोमवार को अपने पर्दापण टी-20 अंतराष्ट्रीय मुकाबले में वेस्टइंडीज के खिलाफ 27 गेंदों में अर्धशतक जड़ा। उन्होंने अपनी 50 रनों तूफानी पारी में छह छक्के लगाये। इसी के साथ वह तीसरे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गये जिन्होंने अपने पर्दापण मैच में यह कारनामा किया है। ओवेन पर्दापण मैच में अर्धशतक जड़ने वाले तीसरे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज है। इससे पहले रिकी पोंटिंग ने 2005 में न्यूजीलैंड के विरुद्ध नाबाद 98 रन और डेविड वार्नर ने 2009 में दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध 89 रन बनाकर यह कारनामा किया था अब इस विशिष्ट क्लब में ओवेन शामिल हो गए।

भारतीय बैडमिंटन मिश्रित टीम ने जीता ऐतिहासिक कांस्य पदक

राइन-रुहर (जर्मनी), 21 जुलाई। भारत की मिश्रित टीम ने रविवार को जर्मनी के राइन-रुहर में चल रहे एफआईएसयू वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में बैडमिंटन में ऐतिहासिक कांस्य पदक अपने नाम किया। यह इस स्पर्धा में भारत का बैडमिंटन में पहला पदक है। एफआईएसयू वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में बैडमिंटन को 2007 से शामिल किया गया था, लेकिन यह पहली बार है जब भारत ने इस खेल में पोडियम पर जगह बनाई है। भारत ने क्वार्टरफाइनल में मलेशिया को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जिससे कांस्य पदक पक्का हो गया। प्रतियोगिता में दोनों सेमीफाइनल हारने वाली टीमों को कांस्य पदक दिया जाता है। यह इस बार के एफआईएसयू वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में भारत का पहला पदक भी है। सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला चीनी ताइपे से हुआ। पुरुष एकल में भारत के सतीश कुमार करुणाकरण ने पहला मैच खेला, लेकिन वे सु ली यांग से 1-2 से हार गए। इसके बाद महिला एकल में देविका सिहाग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हुआंग चिंग पिंग को 2-0 से हराकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। हालांकि, इसके बाद चीनी ताइपे ने बढ़त बना ली। पुरुष युगल में सनीथ दयानंद और सतीश कुमार करुणाकरण की जोड़ी को चेन झी-रे और लिन यू चिएह के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा।

सुमित ने जीता 60 किग्रा ग्रीको-रोमन वर्ग में रजत पदक

बुडापेस्ट 21 जुलाई। अंडर-23 एशियाई चैंपियन सुमित ने पॉलीक इमरे और वर्गा जानोस मेमोरियल 2025 कुश्ती चैंपियनशिप के 60 किग्रा ग्रीको-रोमन वर्ग में रजत और अनिल मोर ने 55 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता। टूर्नामेंट में भारत ने तीन स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य सहित कुल 10 पदकों के साथ अपने अभियान का समापन किया। चैंपियनशिप के आखिरी दिन रविवार को हुए फाइनल मुकाबले में भारतीय पहलवान को अजरबैजान के यूरोपीय चैंपियन और गैर-ओलंपिक 60 किग्रा वर्ल्ड चैंपियन निहात माम्मदली से 1-5 से हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। सुमित ने प्री-क्वार्टर फाइनल में सादिक लालाईव को 9-3, क्वार्टर फाइनल में कोरिया के डेहयूम किम को 7-4 से फॉल के जरिए शिकस्त दी थी और सेमीफाइनल में कजाकिस्तान के गालिम कबदुनास्सारोव को 10-1 से हराया। वहीं, भारत के अनिल मोर ने ग्रीको-रोमन 55 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता। उन्होंने उज्बेकिस्तान के इक्थियोर बोटिरोव को 7-4 से हराया। इससे पहले अनिल ने मई में उलानबतार ओपन में इसी कैटेगरी में स्वर्ण पदक जीता था।

भारत-ए पुरुष हॉकी टीम को नीदरलैंड 2-8 से हराया

आइंडहोवन, (नीदरलैंड) 21 जुलाई। भारत ए पुरुष हॉकी टीम को यूरोपीय दौरे के अपने आखिरी मुकाबले में नीदरलैंड के खिलाफ 2-8 से हार का सामना करना पड़ा। रविवार को खेले गये यूरोपीय दौरे अंतिम मैच में भारतीय मिडफील्डर राजिंदर सिंह और फॉरवर्ड सेल्वम कार्थी ने अपनी टीम के लिए एक-एक गोल किए। भारत ए ने इससे पहले 18 जुलाई को नीदरलैंड के खिलाफ अपना पिछला मैच 0-3 के स्कोर से गंवा दिया था। भारत ए ने 8 जुलाई, 2025 को अपने यूरो दौरे की शुरुआत की थी और इस दौरे के दौरान पाँच यूरोपीय टीमों के खिलाफ कुल आठ मैच खेले। इस दौरान भारत की ए टीम ने दुनिया की कुछ शीर्ष हॉकी टीमों, जिनमें विश्व की नंबर वन नीदरलैंड और विश्व की नंबर तीन बेल्जियम के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तीन शहरों की यात्रा की। इस दौरान भारतीय टीम ने आठ मैचों में से तीन में जीत दर्ज की। भारत ए के कोच शिवेंद्र सिंह ने कहा, हालाँकि इस यूरोपीय दौरे में हमें जीत से ज्यादा हार मिली होगी, लेकिन यह नतीजों के बारे में नहीं था, बल्कि एक टीम के रूप में इस दौरे से मिली सीख और अनुभव के बारे में था। उन्होंने कहा, भारत ए में सीनियर और जूनियर खिलाड़ियों का मिश्रण था और उन्होंने पिछले दो हफ्तो दौरान बहुत मूल्यवान अनुभव प्राप्त किया। अब जब हम भारत वापस आ रहे हैं, मुझे विश्वास है कि ये सभी खिलाड़ी इस मूल्यवान अनुभव का उपयोग करेंगे और अपने भविष्य के सभी मैचों में अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए इसका उपयोग करेंगे।

इंग्लैंड के खिलाफ भारत को तगड़ा झटका, नीतीश रेड्डी चोटिल होने के कारण सीरीज से हुए बाहर

मैनचेस्टर, 21 जुलाई। भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी घुटने की चोट के कारण एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के शेष मैचों से बाहर हो गये हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को बताया कि नीतीश कुमार रेड्डी को बाएं घुटने में चोट लगी है। यह चोट उन्हें रविवार को मैनचेस्टर में जिम में अभ्यास के दौरान लगी और स्कैन में लिगामेंट डैमेज की पुष्टि हुई है।

बुधवार से शुरु होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले भारत को नीतीश कुमार के चोटिल होने से एक और झटका लगा है। इससे पहले तेज गेंदबाज आकाश दीप और अर्शदीप सिंह भी चोटिल हैं और इनमें से अर्शदीप चौथे टेस्ट से बाहर हो चुके हैं। इस बीच अंशुल कम्बोज को तेज गेंदबाजी विकल्प के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। लीड्स में पहले टेस्ट से बाहर रहने के बाद रेड्डी ने दूसरा और तीसरा टेस्ट खेला। बर्मिंघम में वह खास असर नहीं छोड़ पाए। उन्होंने मैच में केवल दो रन बनाए और छह ओवर की गेंदबाजी में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। हालांकि लॉर्ड्स में उन्होंने इंग्लैंड के शीर्षक्रम के विकेट चटकाए। पहली पारी में इंग्लैंड के दोनों सलामी बल्लेबाज बेन डकेट और जैक क्रॉली को एक ही ओवर में आउट किया और दूसरी पारी में फिर से क्रॉली को आउट किया। इसके बाद उन्होंने बल्ले से 30 और 13 रन भी बनाए।

भारत ने अब तक तीनों टेस्ट में तेज गेंदबाज ऑलराउंडरों को खिलाया है। बर्मिंघम में खेले गये पहले टेस्ट में नीतीश की जगह शार्दूल ठाकुर को खिलाया गया था। नीतीश के चोटिल होने के बाद अब प्रबंधन को शार्दूल ठाकुर पर फिर से भरोसा दिखाना होगा। इसके अलावा जसप्रीत बुमराह पर वर्कलोड को लेकर प्रबंधन की चिंताएं बनी हुई हैं। उल्लेखनीय है कि इंग्लैंड इस समय सीरीज में 2-1 से आगे है।

जसप्रीत बुमराह चौथा टेस्ट मैच खेलेंगे : सिराज

मैनचेस्टर, 21 जुलाई। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू होने वाले चौथे टेस्ट मैच में खेलेंगे। मोहम्मद सिराज ने सोमवार को मैच से पहले संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह चौथे टेस्ट के लिये उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने कहा, भगवान ने मुझे स्वस्थ रखा है। मैं मौकों का पूरा फायदा उठाना चाहता हूं और देश के लिए ज्यादा से ज्यादा मैच खेलना चाहता हूं। जब आप देश के लिए खेलते है तो सबसे बड़ी प्रेरणा यही होती है कि आप देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। जब भी मैं भारत के लिए खेलता हूं, मैं बस अपना शत-प्रतिशत देना चाहता हूं।

भारतीय टीम के ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी घुटने की चोट के कारण श्रृंखला से बाहर हो गए हैं, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह हाथ में चोट के कारण चौथे टेस्ट से बाहर हैं, आकाश दीप को कमर में चोट लगी है और ऋषभ पंत के बाएं हाथ की उंगली में चोट है। ऐसे में भारत ने हरियाणा के नए तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को टीम में शामिल किया है और वह मैनचेस्टर में टीम से जुड़ गए हैं। बुमराह अब तक लीड्स और लॉर्ड्स में खेले गए तीन में से दो टेस्ट मैचों में खेल चुके हैं। बुमराह ने अब तक दो टेस्ट मैचों में 21.00 की औसत से 12 विकेट लिए हैं। इसमें दो बार पारी में पांच विकेट भी शामिल हैं और वह अब तक दूसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं बुधवार को होने वाले चयन के लिए तेज गेंदबाज बुमराह और सिराज उपलब्ध रहेंगे। हालाँकि आकाश दीप इस मैच में खेलेंगे या नहीं यह अभी तय नहीं है। रेड्डी की चोट के कारण भारत को कम से कम एक बदलाव करना होगा।

इंग्लैंड से मैनचेस्टर टेस्ट खेलेंगे स्पिनर डॉसन

मैनचेस्टर, 21 जुलाई। इंग्लैंड ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के मैनचेस्टर टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 रिलीज कर दी है। टीम में एक ही बदलाव हुआ। इंजर्ड स्पिनर शोएब बशीर की जगह लेफ्ट आर्म स्पिनर लियम डॉसन को मौका मिला। बाकी 10 प्लेयर्स वही हैं, जो लॉर्ड्स टेस्ट में खेले थे।

5 टेस्ट की सीरीज में इंग्लैंड 2-1 से आगे है। टीम ने पहला और तीसरा टेस्ट जीता था। भारत ने बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट जीता। चौथा टेस्ट जीतकर टीम इंडिया सीरीज को 2-2 से बराबर कर सकती है। पांचवां टेस्ट 31 जुलाई से लंदन के द ओवल स्टेडियम में होगा। चौथा टेस्ट 23 जुलाई से खेला जाएगा।

8 साल बाद टेस्ट खेलेंगे डॉसन लियम डॉसन 8 साल बाद इंग्लैंड के लिए टेस्ट मैच खेलते नजर आएंगे। इससे पहले 2017 में उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ नॉटिंघम में आखिरी टेस्ट खेला था। उन्होंने 2016 में चेन्नई के मैदान पर भारत के खिलाफ ही टेस्ट डेब्यू किया था।

बशीर बॉलिंग के दौरान इंजर्ड हो गए थे डॉसन प्लेइंग-11 में ऑफ स्पिनर शोएब बशीर की जगह लेंगे। जो लॉर्ड्स टेस्ट में बॉलिंग के दौरान पहली पारी में इंजर्ड हो गए थे। वे रवींद्र जडेजा को बॉलिंग कर रहे थे, जडेजा ने सामने की ओर शॉट खेला। बशीर ने गेंद रोकने की कोशिश की, लेकिन अपना बायां हाथ इंजर्ड कर बैठे। वे फिर पारी में दोबारा बॉलिंग नहीं कर सके। बशीर दूसरी पारी में बॉलिंग करने उतरे। उन्होंने ही मोहम्मद सिराज के रूप में भारत का 10वां विकेट लेकर इंग्लैंड को 22 रन के अंतर से करीबी जीत दिलाई थी। मुकाबले के बाद मेडिकल टीम ने उन्हें सीरीज से बाहर होने की सलाह दी। जिसके बाद डॉसन को स्क्वॉड में जगह मिली।

डॉसन के नाम 371 फर्स्ट क्लास विकेट लियम डॉसन के नाम फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 371 विकेट हैं। 2021 के बाद से वे 12 बार पारी में 5-विकेट ले चुके हैं। जिनमें 3 बार मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है। उन्होंने करियर में 15 बार पारी में 5-विकेट लिए हैं। वे पिछले 5 साल में 9 शतक भी लगा चुके हैं। इस प्रदर्शन की बदौलत उन्हें 2024 में डोमेस्टिक प्लेयर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड मिला था।

3 साल बाद टी-20 टीम में भी जगह बनाई 35 साल के डॉसन ने पिछले महीने ही वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 खेला था। यह उनका पिछले 3 साल में पहला ही टी-20 इंटरनेशनल था। जिसमें उन्होंने महज 20 रन देकर 4 विकेट झटक लिए थे। मैनचेस्टर टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग-11 जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जैमी स्मिथ, लियम डॉसन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर और क्रिस वोक्स।

चोटिल ड्रेपर ने टोरंटो और सिनसिनाटी टूर्नामेंट से नाम वापस लिया

लंदन, 21 जुलाई। ब्रिटेन के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने बाँह की चोट के कारण टोरंटो और सिनसिनाटी में होने वाले आगामी टूर्नामेंटों से नाम वापस ले लिया है। ड्रेपर ने सोशल मीडिया मंच पर कहा, विंबलडन के बाद मेरे बाएँ हाथ में चोट लग गई, कोई गंभीर बात नहीं है। मुझे यह सुनिश्चित करना है कि बाकी सीजन के लिए यह पूरी तरह से ठीक हो जाऊं। दुर्भाग्य से, मैं टोरंटो और सिनसिनाटी में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाऊँगा। न्यूयॉर्क शहर में मिलते है। कैनेडियन ओपन 26 जुलाई से तथा सिनसिनाटी ओपन चार अगस्त से शुरू होगा। कैनेडियन ओपन से हटने वाले वह अकेले खिलाड़ी नहीं है, विंबलडन चैंपियन जैनिक सिनर और 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नोवाक जोकोविच ने भी पुष्टि की है कि वे नहीं खेलेंगे।

अक्टूबर-नवंबर में भारत में आयोजित होगा फिडे वर्ल्ड कप 2025

नई दिल्ली, 21 जुलाई। इस साल अक्टूबर-नवंबर में शतरंज वर्ल्ड कप का आयोजन भारत की मेजबानी में होगा। वहीं इस आयोजन के लिए मेजबान शह का नाम अभी घोषित नहीं किया गया, खेल की वैश्विक शासी संस्था फिडे ने सोमवार को इसकी घोषणा की। वहीं इस टूर्नामेंट में 206 खिलाड़ी प्रतिष्ठित खिताब और 2026 फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफिकेशन स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारत ने पिछली बार 2002 में हैदराबाद में इस आयोजन की मेजबानी की थी, जहां विश्वनाथन आनंद ने खिताब जीता था। साथ ही खिलाड़ी नॉकआउट प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जहां प्रत्येक राउंड में हारने वाला खिलाड़ी सीधे तौर पर बाहर हो जाएगा। फिडे ने कहा कि, इस आयोजन में पिछले कुछ वर्षों में कई प्रारूपों का इस्तेमाल किया गया है, लेकिन 2021 से इसमें एकल-उन्मूलन प्रारूप अपनाया गया है। प्रत्येक दौर तीन दिनों तक चलता है- पहले दो दिन दो क्लासिक खेल, और जरूरत पड़ने पर तीसरे दिन टाई-ब्रेक।पहले दौर में शीर्ष 50 खिलाड़ियों को बाई मिलती है। जबकि 51 से 206 तक के खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करते हैं, जिसमें जोड़ी शीर्ष आधे बनाम उलट निचले आधे के सिद्धांत पर आधारित होती है।

एशिया कप 2025 हॉकी : टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम को भारत नहीं भेजेगा पाकिस्तान, सुरक्षा कारणों का दिया हवाला

नई दिल्ली, 21 जुलाई। पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने खेल की वैश्विक नियामक संस्था एफआईएच को सूचित किया है कि सुरक्षा चिंताओं के कारण उसके लिए महीने होने वाले एशिया कप के लिए अपनी टीम को भारत भेजना मुश्किल होगा। पीएचएफ के प्रमुख तारिक बुगती ने कहा कि उन्होंने एफआईएच और एशियाई हॉकी महासंघ को पत्र लिखकर टीम को भारत भेजने को लेकर अपने फैसले से अवगत करा दिया है।उन्होंने कहा कि, हमने उन्हें सूचित किया है कि मौजूदा परिदृश्य में हमारी टीम को भारत में खेलते समय सुरक्षा संबंधी खतरों का सामना करना पड़ सकता है। हमने उन्हें बता दिया है कि हमारे खिलाड़ी एशिया कप के लिए भारत जाने के इच्छुक नहीं हैं। एशिया कप वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट भी है। पीएचएफ प्रमुख ने कहा कि अब प्रतियोगिता और पाकिस्तान के मैचों के बारे में निर्णय लेने की जिम्मेदारी एफआईएच और एएचएफ पर है। उन्होंने कहा कि, हमने उनसे पूछा है कि हमें बताएं कि क्या गारंटी है कि हमारे खिलाड़ी भारत में सुरक्षित रहेंगे और टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगे। पाकिस्तान सरकार ने अभी तक इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है लेकिन हाल ही में एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा था कि टीम भारत नहीं जाएगी इससे पहले भारतीय खेल मंत्रालय के सूत्रों ने स्पष्ट किया था कि वह पाकिस्तान हॉकी टीम को अगले महीने भारत में होने वाले एशिया कप में शामिल होने से नहीं रोकेंगे। खेल मंत्रालय के सूत्र ने बताया कि वे बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट में किसी टीम के शामिल होने के खिलाफ नहीं हैं। हॉकी एशिया कप का आयोजन 27 अगस्त से सात सितंबर तक बिहार के राजगीर में होना है।

कोनेरू हम्पी फिडे महिला शतरंज विश्वकप के सेमीफाइनल में

बटुमी (जॉर्जिया), 21 जुलाई। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने चीनी खिलाड़ी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए फिडे महिला शतरंज विश्वकप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इसी के साथ हम्पी इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुँचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गईं। हम्पी ने रविवार को खेले गये मुकाबले में चीन की आईएम युक्सिन सोंग के खिलाफ पहले गेम में जीत के बाद, दूसरे गेम में ड्रॉ खेलकर अंतिम चार में जगह बनाई। हम्पी का अब सेमीफाइनल में चीन की लेई टिंगजी से मुकाबला होगा। अंतिम चार में हम्पी के पहुंचने के साथ यह पक्का हो गया कि उन्हें शीर्ष तीन में पहुंचने के दो मौके मिलेंगे जिससे उन्हें अगले महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह भी मिल जाएगी जिसके लिए शीर्ष तीन खिलाड़ी क्वालिफाई करेंगी।

विश्व चैम्पियनशिप से पहले चाइना ओपन में सात्विक-चिराग की नजरें दमदार प्रदर्शन पर

नई दिल्ली, 21 जुलाई। सात्विक साईराज रंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार से शुरू हो रहे चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में आगामी विश्व चैंपियनशिप के लिए लय हासिल करने के लक्ष्य के साथ कोर्ट पर उतरेगी। चाइना ओपन पेरिस में 25 से 31 अगस्त तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले अंतिम प्रमुख प्रतियोगिता है। इसलिए प्रत्येक खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब होगा।

वर्तमान में विश्व में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग इस सत्र में तीन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे हैं लेकिन अभी तक फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे हैं। यही नहीं उन्हें पिछले सप्ताह जापान ओपन में पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग से हार का सामना करना पड़ा था। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी पहले दौर में जापान के केन्या मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा का सामना करेगी। एकल वर्ग में लक्ष्य सेन, एचएस प्रणय और पीवी सिंधू 20 लाख डॉलर इनामी प्रतियोगिता में अपनी फॉर्म वापस पाने की उम्मीद करेंगे।

पिछले कुछ समय से फॉर्म में वापसी करने के लिए संघर्ष कर रहे लक्ष्य पिछले सप्ताह जापान ओपन में दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए थे। यहां उनका पहला मुकाबला चीन के पांचवीं वरीयता प्राप्त ली शी फेंग से होगा।

भारत के एक अन्य खिलाड़ी प्रणय पहले दौर में जापान के कोकी वतनबे का सामना करेंगे। अब 16वीं रैंकिंग पर काबिज सिंधू के लिए इंडिया ओपन में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचना इस साल उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है।

पिछले सप्ताह वह कोरिया की सिम यू जिन से हार गईं थी। यह इस वर्ष पांचवा अवसर था जबकि वह पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थी। सिंधू का पहला मुकाबला जापान की छठी वरीयता प्राप्त 18 वर्षीय पूर्व विश्व जूनियर चैंपियन तोमोका मियाजाकी से होगा। महिला एकल में ही इस वर्ष की शुरुआत में ताइपे ओपन सेमीफाइनलिस्ट रहीं उन्नित हुड्डा का पहले दौर में स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिलमोर से मुकाबला होगा, जबकि अनुपमा उपाध्याय का सामना चीनी ताइपे की लिन सियांग टी से होगा।

ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 में विंडीज को 3 विकेट से हराया

किंगस्टन, 21 जुलाई। बेन ड्वारश्विस (चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद कैमरन ग्रीन (51) और मिचेल ओवेन (50) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को पहले टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को सात गेंदे शेष रहते तीन विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। मिचेल ओवेन को उनके शानदार प्रदर्शन के लिये 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया। 190 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में जेक फ्रेजर-मक्गार्क (दो) का विकेट गवां दिया। ऑस्ट्रेलिया का दूसरा विकेट कप्तान मिचेल मार्श 17 गेंदों में (24) रन के रूप में गिरा। इसके बाद जॉश इंग्लिस आठ गेंदों में (18) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। ग्लेन मैक्सवेल (11) रन बनाकर आउट हुये।

राजस्थान कोर्फबॉल टीम घोषित

जयपुर, 21 जुलाई। 30वीं राष्ट्रीय जूनियर कोर्फबॉल प्रतियोगिता 24-27 जुलाई 2025 तक चैन्नई, तमिलनाडु में आयोजित होने जा रही है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम की घोषणा राज्य संघ द्वारा की गई जो कि कल रेल द्वारा चैन्नई, तमिलनाडु के लिए रवाना होगी। टीम निम्न प्रकार है: अर्पित मीना (जयपुर), रुचिका चौधरी, चरित जांगिड़, तनज, रोहित पाल, नेहल खान, मो0 शरफ अली, अल्शिफा बानो, मो0 नोमान, कोमल शेखावत, देवेश मेहरा, अर्श नासिर खान, परसराम शर्मा (कोच), आफताब (मैनेजर)।

प्रथम अंडर-15 राजस्थान बॉयज क्लब फुटबॉल लीग का आगाज

जयपुर, 21 जुलाई। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में विद्याधर नगर स्थित फुटबॉल मैदान पर रविवार से इतिहास में पहली बार अंडर - 15 राजस्थान बॉयज क्लब फुटबॉल लीग 2025 का आगाज राजस्थान फुटबॉल संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत एवं ब्रिगेडियर जितेंद्र सिंह शेखावत द्वारा किया गया। संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि अंडर - 15 खिलाड़ियों की यह लीग राजस्थान में पहली बार आयोजित की जा रही है जो तीन महीने तक चलेगी जिसमें राज्य के 10 पेशेवर फुटबॉल क्लब कुल 90 मैच खेलेंगे।

संघ का उद्देश्य ग्रासरूट फुटबॉल को डवलप करना है उसी आधार पर पहले अंडर -13 तथा अब अंडर -15 लीग का आयोजन किया जा रहा है एवं आगामी दिनों में अंडर - 17 फुटबॉल लीग खेली जाएगी। इससे कम उम्र के खिलाड़ी खेल से जुड़ेंगे तथा लगातार प्रतियोगिताओं से राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान को लाभ मिलेगा। रविवार से शुरू हुई लीग में पहले दिन चार मैच खेले गए

पहला मैच रेड स्टोन सिटी फुटबॉल क्लब एवं जयपुर बॉयज एंड गर्ल्स फुटबॉल एकेडमी के मध्य खेला गया जिसमें जयपुर बॉयज एंड गर्ल्स फुटबॉल क्लब 2 - 0 से विजयी रहा, विजेता टीम की तरफ से हर्ष सिंह और अरमान ने एक - एक गोल किया,

दूसरा मैच जयपुर फुट्सल एवं मेवाड़ स्पोर्ट्स फाउंडेशन के बीच खेला गया जिसमें मेवाड़ स्पोर्ट्स फाउंडेशन 12 - 1 से विजयी रहा, विजेता टीम की तरफ से मस्तकीम ने 6, अनस ने 3, जोरीइंग, प्रेम और यश ने एक - एक गोल किया एवं जयपुर फुट्सल की तरफ से एकमात्र गोल श्रेष्ठ ने किया। **तीसरा मैच** फुटबॉल क्लब ब्रदर्स यूनाइटेड एवं चैंपियन मेकर फुटबॉल क्लब के मध्य खेला गया जिसमें ब्रदर्स यूनाइटेड ने 18 - 0 से एकतरफा जीत हासिल की, विजेता टीम की तरफ से वीरेन और अयान ने 4 - 4, इंद्र, सैजान एवं प्रवीण ने 2 - 2, एलेक, देवांशू, कानूराम एवं दिव्यांशु ने 1-1 गोल किया।

चौथा मैच राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब एवं जयपुर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के बीच खेला गया, इस संघर्षपूर्ण मुकाबले में राजस्थान यूनाइटेड ने 2 - 1 से जीत हासिल की, विजेता टीम की तरफ से प्रिंस शर्मा और ध्रुव सांखला ने 1 - 1 गोल किया वहीं जयपुर यूनाइटेड की तरफ से एकमात्र गोल अभय प्रताप ने किया। मैच में भैरू रतन ओझा ने मैच कमिश्नर तथा विष्णु गेनण, रूपेंद्र सिंह राठौड़, विकास चौधरी, अवकाश दायमा, सिमरनजीत सिंह ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

राजस्थान स्टेट ओलंपिक एसोसिएशन की एजीएम सम्पन्न : निष्क्रिय और विवादित खेल संघों की मान्यता समाप्त की गई

जिला ओलंपिक संघों को छह माह के भीतर नये विधान के तहत चुनाव कराने के निर्देश

जयपुर, 21 जुलाई। राजस्थान स्टेट ओलंपिक एसोसिएशन की साधारण सभा की वार्षिक बैठक (एजीएम) रविवार को यहां संपन्न हुई। राजस्थान ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष तेजस्वी सिंह गहलोत की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में प्रदेश में खेलों के विकास और खेल संघों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता के लिए कई अहम फैसले लिए गए। बैठक में राजस्थान ओलंपिक संघ से एफिलिएटेड मेम्बर्स, गैर ओलंपिक खेलों के प्रतिनिधि और जिला ओलंपिक संघों के प्रतिनिधि शामिल हुए। राजस्थान खेल परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया भी अतिथि के रूप में एजीएम में मौजूद रहे। बैठक में राजस्थान ओलंपिक एसोसिएशन के स्पोंसर पार्टनर को सम्मानित किया गया जिनमे अमित गोयल गुस्तुरा प्राइवेट लिमिटेड, संजीव गोड डायरेक्टर ऑरिएन्टल एडुमेड, दीपेंद्र सिंह एवं देवनारायण गुर्जर को विशेष सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

बैठक के बाद एसोसिएशन के सचिन सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि करीब तीन घंटे से ज्यादा चली बैठक में एजेंडा के अनुसार कार्रवाई हुई, जिसे सभी सदस्यों ने ध्वनिमत के साथ पारित कर दिया। एजेंडा के अनुसार अगले वित्तीय वर्ष के लिए ऑडिटर की नियुक्ति और उसका पारिश्रमिक तय करने का अधिकार अध्यक्ष को सचिव को सौंपा गया। इस दौरान सदस्यों ने अपनी समस्याएं भी उठाईं, जिन्हें सदन में चर्चा के साथ अध्यक्ष ने उनका समाधान निकालने का आश्वासन दिया। सदस्यों की मुख्य समस्या राजस्थान खेल परिषद की ओर से विगत दिनों निकाले एक सर्कुलर को लेकर थी, जिसमें सहकारिता विभाग में रजिस्ट्रेशन के बिना राजस्थान नाम का उपयोग नहीं करने की हिदायत दी गई थी। इस पर एजीएम में मौजूद राजस्थान खेल परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने कहा कि राजस्थान में खेल कानून लागू है और उसकी पालना सभी को करनी होगी। उन्होंने कहा कि कुछ खेल, जो ओलंपिक में शामिल हैं, स्पोर्ट्स एक्ट की सूची में शामिल होने से रह गए थे। ऐसे खेल संघों को जोड़ने की प्रक्रिया चल रही है लेकिन यह बदलाव विधानसभा में ही होगा। राजस्थान खेल परिषद इसके लिए प्रयास कर रही है।

अध्यक्ष तेजस्वी सिंह ने कहा कि बैठक में सभी जिला ओलंपिक संघों को हिदायत दी गई है कि वे राजस्थान ओलंपिक संघ के विधान के अनुरूप अपने विधान में बदलाव करें और उसके बाद जल्द अपने नये चुनाव कराएं। सदन की अनुमति से इसके लिए छह माह का समय निर्धारित किया गया है। इस दौरान सभी जिला संघ इस कार्रवाई को पूरा कर लेंगे। अध्यक्ष की सहमति से उठाए कुछ अन्य अहम मुद्दों के बारे में तेजस्वी सिंह ने कहा कि राजस्थान में जूडो के समानांतर दो दो संघ बने हैं, वहीं भारतीय हैंडबॉल संघ की मान्यता भारतीय ओलंपिक संघ की ओर से समाप्त कर दी गई है।

राजस्थान तैराकी संघ भी पिछले काफी समय से न तो ओलंपिक संघ की गतिविधियों में हिस्सा ले रहा है और न ही उन्होंने वार्षिक फीस जमा कराई है। ऐसे में उक्त तीनों राज्य खेल संघों की मान्यता समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। तेजस्वी सिंह ने कहा कि कुछ खेल संघ काफी समय से निष्क्रिय पड़े हैं। इनकी ओर से न कोई खेल गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, और न ही उनकी ओर से संचालित गतिविधियों की जानकारी राजस्थान ओलंपक संघ को दी जा रही है। राजस्थान याचिंग एसो., राजस्थान रोलबॉल एसो. और राजस्थान थ्रोबाल एसो. की मान्यता भी निलंबित की गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्रीराम कलपाती राजेन्द्रन के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। राजभवन में आयोजित समारोह में मुख्य न्यायाधीश को राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

राज्यपाल ने के.आर. श्रीराम को मुख्य न्यायाधीश की शपथ दिलाई

वे राजस्थान हाईकोर्ट के 43 वें मुख्य न्यायाधीश हैं

- **राजस्थान आने से पहले के.आर. श्रीराम मद्रास हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश थे।**

जयपुर, 21 जुलाई। राजभवन में आयोजित गरिमापूर्ण समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने न्यायमूर्ति के आर श्रीराम को राजस्थान के चीफ जस्टिस (सीजे) पद की शपथ दिलाई। वे मद्रास हाईकोर्ट से ट्रांसफर होकर आए हैं। उन्होंने हाईकोर्ट के 43 वें मुख्य न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने राज्यपाल की अनुमति लेकर राष्ट्रपति की ओर से जारी नियुक्ति वारंट पढ़ा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद और हाईकोर्ट के अन्य न्यायाधीश सहित, न्यायिक अधिकारी व वकील मौजूद रहे। शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल और दिया कुमारी सहित अन्य लोगों ने सीजे श्रीराम को बधाई दी। गौरतलब है कि हाल ही में हाईकोर्ट के सीजे एमएम श्रीवास्तव का मद्रास हाईकोर्ट और वहां सीजे रहे न्यायमूर्ति केआर श्रीराम का राजस्थान हाईकोर्ट में तबादला किया गया था। राजस्थान हाईकोर्ट में सीजे श्रीराम का कार्यकाल 69 दिनों का रहेगा।

28 सितंबर, 1963 को मुंबई में जन्मे सीजे केआर श्रीराम ने मुंबई विश्वविद्यालय से एलएलबी करने के बाद लंदन से मैरीटाइम लॉ में एलएलएम किया। वहीं, वे जुलाई 1986 को महाराष्ट्र एवं गोवा बार कौंसिल में वकील के रूप में पंजीकृत हुए। बतौर वकील, उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट, उपभोक्ता आयोगों, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण और कंपनी कानून बोर्ड में वकालत की और काफी सफल रहे। उन्हें 21 जून, 2013 को बॉम्बे हाईकोर्ट का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया और 2 मार्च 2016 को इस पद पर स्थायी कर दिया गया। जस्टिस श्रीराम को 21 सितंबर 2024 को मद्रास हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत किया गया। दूसरी ओर, व्यक्तिगत जीवन में सीजे श्रीराम सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल होते थे। उन्होंने कई सालों तक एक एनजीओ में उपाध्यक्ष के तौर पर कार्य किया। यह एनजीओ दिवंगत लोगों के लिए अंतिम संस्कार और श्राद्ध करने की व्यवस्था करता है। इसके अलावा उन्हें गोल्फ खेलना भी पसंद है।

कोटा में संरक्षित प्रजाति का दुर्लभ "स्ट्रीक्ड कुकरी स्नेक" मिला

यह सांप जहरीला नहीं होता है, कोटा और हाड़ौती क्षेत्र में बहुत ही कम देखने को मिलता है

- **इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ नेचर ने धारीदार कुकरी सांप को संरक्षित प्रजाति माना।**

कोटा शहर के बोरखेड़ा इलाके में दुर्लभ प्रजाति का "स्ट्रीक्ड कुकरी स्नेक" (धारीदार कुकरी सांप) मिला है। यह सांप जहरीला नहीं होता है और कोटा और हाड़ौती क्षेत्र में बहुत ही कम देखने को मिलता है।

कोटा, 21 जुलाई (निसं)। शहर के बोरखेड़ा इलाके में दुर्लभ प्रजाति का रेयर "स्ट्रीक्ड कुकरी स्नेक" (धारीदार कुकरी सांप) मिला है। यह सांप जहरीला नहीं होता है लेकिन कोटा और हाड़ौती क्षेत्र में बहुत ही कम देखने को मिलता है। नगर निगम के राकेश सेन ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से बारां रोड स्थित जय हिन्द नगर में एक घर से सांप के बच्चे के निकलने की सूचना मिल रही थी। जब वे मौके पर गए तो उन्हें एक कुकरी स्नेक नज़र आया, जिसे उन्होंने रैस्क्यू किया। मकान मालिक ने बताया कि कुछ सांपों के बच्चे झाड़ू से बाहर निकाल दिए गए। यह "धारीदार कुकरी सांप," जिसे अंग्रेजी में "स्ट्रीक्ड कुकरी स्नेक" कहते हैं, आमतौर पर 15 से 18 इंच लंबा होता है। इस सांप का ऊपरी हिस्सा भूरे रंग का और नीचे का हिस्सा सफेद रंग का होता है। यह सांप एक बार में 5 से 8 अंडे देता है।

कोटा के सर्प विशेषज्ञ विष्णु श्रृंगी ने बताया कि यह सांप कोटा में बहुत कम पाया जाता है। कोटा में इस सांप को लगभग 3 से 4 बार ही रेस्क्यू किया गया है। पर्वतीय इलाकों में पाए जाने वाले ये सांप शर्मीले होते हैं, लेकिन छेड़े जाने पर काट लेते हैं। श्रृंगी ने बताया कि स्ट्रीक्ड कुकरी स्नेक को "ऑलिगोडन टेनिओलेटास" जीन्स के सांपों के रूप में भी जाना जाता है। अलग-अलग रंग होने के कारण इन्हें कुकरी स्नेक कहा जाता है। भारत, नेपाल और पाकिस्तान में मिलने वाले ये सांप, भारत में मुख्य तौर पर केरल, कर्नाटक व तमिलनाडु में पाए जाते हैं। ये सांप जहरीले नहीं होते हैं लेकिन इसकी विशेषता यह है कि कुकरी चाकू के तरह इनके दांत मुड़े हुए होते हैं, जिनका उपयोग ये अंडों को खाने के लिए करते हैं। इन सांपों का मुख्य भोजन छिपकली, कीड़े और सरीसृप के अंडे होते हैं। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ नेचर ने इसे संरक्षित प्रजाति माना है।

अमरिकन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समाचार पत्र की रिपोर्ट में कहा गया कि इनमें से लगभग 50 मामले ट्रम्प प्रशासन द्वारा कुछ विदेशी छात्रों को उनके इमिग्रेशन रिकॉर्ड और आपराधिक रिकॉर्ड में अनियमितताओं के कारण निष्कासित करने के प्रयासों का हिस्सा थे। वाइट हाउस ऐसे 90 प्रतिशत से अधिक मामलों में हार गया।

ट्रंप की पहल के खिलाफ फैसला सुनाने वाले जज मुख्य रूप से पूर्व राष्ट्रपतियों, बराक ओबामा और जो बाइडेन द्वारा नियुक्त जज हैं। अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने ट्रंप के रुख के खिलाफ 125 से ज़्यादा बार फैसला सुनाया है।

अपनी अवहेलना से दु:खी धनखड़ ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जानकारी मिली है कि कांग्रेस के राज्यसभा सांसदों ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर दिये थे।

लेकिन सरकार चाहती थी कि विपक्ष लोकसभा में भी हस्ताक्षर करे। लेकिन विपक्ष ने यह कहते हुये इनकार कर दिया कि राज्यसभा में तो पहले ही ज़रूरी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

सूत्रों के अनुसार, उपराष्ट्रपति धनखड़ ने सरकार को सलाह दी थी कि यह प्रस्ताव दोनों सदनों में एक साथ लाया जाए, लेकिन इसने एक समस्या का रुप ले लिया।

अगर ऐसा होता, तो दोनों सदनों के अध्यक्ष इसे खारिज नहीं कर सकते थे और इसे स्वीकार करना होता।

सरकार की ओर से धनखड़ को लेकर कई तरह की बातें फैलाई जा रही थीं, जैसे कि वे यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बहुत तारीफ कर रहे थे और बार-बार यूपी जा रहे थे। इसके अलावा, सांसदों को बांटे गए लैपटॉप में घोटाले की बात भी उछाली गई। यह भी कहा गया कि राज्यसभा में कुछ लोगों को पैसे लेकर नौकरी दी गई। ऐसी ही कई अन्य बातें भी कही जा रही थीं।

कारण जो भी रहे हों, यह साफ है कि आज शाम 4:30 बजे तक उनके इस्तीफे का कोई संकेत नहीं था।

लेकिन उसके बाद अचानक इस्तीफा दे दिया गया।

यह भी साफ है कि उन्हें इस्तीफा देने के लिए कहा गया था, जिससे सरकार के भीतर एक अभूतपूर्व स्थिति बन गई है।

एक बार फिर मोदी विदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत और मालदीव के रिश्ते इस समय एतिहासिक रूप से बेहद खराब हैं। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू की सरकार ने भारतीय सेना को मालदीव से हटने को कहा है और मालदीव सरकार चीन के काफ़ी करीब चली गई है। हिंद महासागर में चीन का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है और भारत की पारंपरिक पकड़ कमजोर हुई है। आलोचकों का कहना है कि इस यात्रा से केवल प्रतीकात्मक फायदे हो सकते हैं, जबकि असली नीतिगत बदलाव की उम्मीद कम है।

ब्रिटेन की यात्रा भी समय के लिहाज से ठीक नहीं मानी जा रही है। ब्रैग्ज़िट के बाद ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था कमजोर है, महंगाई, राजनीतिक अस्थिरता और वैश्विक स्तर पर सीमित भूमिका से इसका सामना है। भारत-ब्रिटेन के बीच लंबित मुक्त व्यापार समझौते पर कोई ठोस प्रगति नहीं दिख रही है। हाल ही में हुए आम चुनावों के बाद वहां नई सरकार बनी है, जिससे वार्ताओं में और देरी हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल ब्रिटेन भारत को कोई खास आर्थिक लाभ नहीं दे सकता। ऐसे में यह दौरा केवल औपचारिकता तक सीमित रह सकता है। यह संसद सत्र दो बड़े सुरक्षा मामलों, ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमल, के बाद पहला सत्र है। इसके साथ ही अरुणाचल सीमा के पास चीन की सैन्य गतिविधियों को लेकर भी चिंता बढ़ी है। विपक्ष की मांग है कि प्रधानमंत्री इन विषयों पर संसद में स्वयं बयान दें। उनकी अनुपस्थिति को जवाबदेही से बचने के तौर पर देखा जा रहा है, जो संसद की संवैधानिक भूमिका को कमजोर करता है।

आलोचकों का कहना है कि यह फैसला भारत की विदेश नीति और घरेलू लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों के बीच बढ़ते अंतर को दर्शाता है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सक्रियता जरूरी है, लेकिन संसद के अहम सत्रों में प्रधानमंत्री की मौजूदगी लोकतंत्र के लिए ज़रूरी है। संकट के समय संसद से दूरी, विपक्ष के उस आरोप को और बल देती है कि सरकार एकतरफा तरीके से चलाई जा रही है।

निष्कर्ष यह है कि विश्व के मौजूदा हालात को देखते हुए मोदी की इस विदेश यात्रा से कोई ठोस रणनीतिक लाभ मिलने की संभावना कम है। मालदीव पूरी तरह चीन के पाले में जा चुका है और ब्रिटेन अभी किसी महत्वपूर्ण समझौते की स्थिति में नहीं है। वहीं, भारतीय संसद में देश के सबसे गंभीर मुद्दों पर बहस हो रही है। इस स्थिति में प्रधानमंत्री का विदेश दौरा लोकतांत्रिक ज़िम्मेदारी से अधिक कूटनीतिक दिखावे को प्राथमिकता देने जैसा है।

हाई कोर्ट ने मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले में सभी 12 आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी किया

महाराष्ट्र सरकार हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करेगी

- **हाईकोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष के दावे में बुनियादी खामिया हैं। सबूत भी पर्याप्त नहीं हैं। यह विश्वास करना कठिन है कि आरोपियों ने अपराध किया है।**
- **ज्ञातव्य है कि 11 जुलाई को मुम्बई लोकल ट्रेन में सीरियल ब्लास्ट हुए थे, जिसमें 189 लोग मारे गए थे, 700 से ज्यादा घायल हुए थे और 19 साल बाद केस पर फैसला आया है।**

मुंबई, 21 जुलाई। बंबई उच्च न्यायालय ने आज एक महत्वपूर्ण फैसले में 2006 मुंबई लोकल ट्रेन सिलसिलेवार बम विस्फोट मामले के सभी 12 आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया।

महाराष्ट्र सरकार ने 2006 के मुंबई ट्रेन बम धमाकों में आरोपी व्यक्तियों को बरी करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सरकार हाई कोर्ट के आदेश की समीक्षा करेगी और फिर सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का निर्णय लेगी।

न्यायमूर्ति अनिल किलोर और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की एक विशेष पीठ ने अपने फैसले में कहा कि अदालत के सामने जो सुबूत रखे गए, वे आरोपियों का अपराध साबित करने में अपर्याप्त हैं। अदालत ने कहा कि 'यह विश्वास करना कठिन है कि आरोपियों ने अपराध किया था।'

उच्च न्यायालय ने पाया कि अभियोजन पक्ष के दावे में कई बुनियादी खामियां हैं। पीठ ने अविश्वसनीय गवाहों, संदिग्ध पहचान परेड और यातना देकर इकबालिया बयान लेने के लिए भी जांच दल की आलोचना की। अदालत ने पाया कि इस्तेमाल हुए बम के ब्यौरे सहित दूसरे बुनियादी तथ्यों को भी स्थापित करने में एटीएस विफल रही है। गवाहों के बयानों और कथित बरामदगी का 'कोई साक्ष्य मूल्य नहीं' माना गया।

न्यायालय ने कहा कि जाँच एजेंसियाँ आरोपियों के खिलाफ आरोपों की पुष्टि के लिए कोई ठोस सबूत पेश करने में विफल रहीं। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को पलटते हुए, अब सभी आरोपियों को इस आधार पर बरी कर दिया है कि हमलों में उनकी संलिप्तता साबित करने के लिए जांच एजेंसियों के पास पर्याप्त सबूत नहीं हैं।

अदालत ने इस मामले में पाँच व्यक्तियों को मिली मृत्युदंड की सजा और शेष सात को मिली आजीवन कारावास की सजा को भी रद्द कर दिया। यह फैसला हादसे के 19 साल बाद आया।

यह भयावह घटना 11 जुलाई, 2006 को तब हुई थी, जब शाम के व्यस्त समय में मुंबई के उपनगरीय रेलवे नेटवर्क में पश्चिम रेलवे की ट्रेनों के प्रथम श्रेणी के डिब्बों को निशाना बनाकर बम विस्फोटों को अंजाम दिया गया। उन सिलसिलेवार विस्फोटों में सांताक्रूज़, बांद्रा-खार रोड, जोगेश्वरी-माहिम जंक्शन, मीरा रोड-भायंदर, माटुंगा-माहिम जंक्शन और बोरीवली सहित कई स्थानों को निशाना बनाया। हताहतों की संख्या बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए प्रेशर कुकर बमों ने 189 लोगों की जान ले ली और 700 से ज़्यादा घायल हो गए।

यह मामला महाराष्ट्र के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) को जांच के लिए सौंपा गया था। शुरूआती जाँच में आतंकवादी संगठनों, लश्कर-ए-तैयबा और सिमी की संलिप्तता के संकेत मिले थे, जिसके बाद 12 लोगों के खिलाफ आरोप तय किए गए। एटीएस की जांच के आधार पर विशेष मकोका अदालत ने सितंबर 2015 में सभी बारह अभियुक्तों को दोषी ठहराया था।

इनमें से पाँच को निचली अदालत ने मौत की सज़ा और सात को आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई थी। आरोपियों ने बाद में इस फैसले को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी, जहाँ न्यायमूर्ति अनिल किलोर और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की विशेष पीठ ने लगातार सुनवाई की।

एटीएस ने अपनी जाँच ने हमलों को प्रतिबंधित स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) और पाकिस्तान में सक्रिय आतंकवादी समूहों से जोड़ते हुए आरोप लगाया कि मुख्य साजिशकर्ता मोहम्मद फैसल शेख (लश्कर-ए-तैयबा का मुंबई प्रमुख) को हवाला से पैसा मिला था। न्यायिक जाँच में इस दावे की पुष्टि नहीं हो सकी। अदालत का यह फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है।

न्यायाधीश वर्मा के "इम्पीचमैंट"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **महाधिवक्ता का यह भी कहना था कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस मामले में गठित "जांच समिति" असंवैधानिक है, तथा इसके गठन से पुलिस के काम-काज में बेवजह दखल हो रही है।**

गए एक अन्य लंबित महाभियोग प्रस्ताव का उल्लेख करते हुए, धर्मनिरपेक्षता व लोकतान्त्रिक मूल्य के प्रति संसद की प्रतिबद्धता पर प्रश्न उठाया।

इस बीच, न्यायमूर्ति वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर इन-हाउस जांच को चुनौती दी है। उनका कहना है कि यह जांच संसद के अधिकारों का अतिक्रमण करती है और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करती है। हालांकि अभी तक सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका सूचीबद्ध नहीं की है, क्योंकि संसद में उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर विचार चल रहा है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने के लिए कांग्रेस सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं।

मार्च में आग लगने की सूचना पर आपातकालीन सेवा कर्मचारियों ने जब दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व जज वर्मा के आवास पर पहुंचकर आग बुझाई, तो उन्हें उनके आउट-हाउस में बड़ी मात्रा में आधी जली हुई नकदी मिली। उस समय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने उच्च न्यायालयों के तीन न्यायाधीशों की समिति बनाई, जिसने न्यायमूर्ति वर्मा को दोषी ठहराया।

जस्टिस संजीव खन्ना ने यह मामला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजा गया कि न्यायमूर्ति वर्मा ने इस्तीफा देने से मना कर दिया है, इसलिए उन्हें हटाया जाए। जस्टिस वर्मा को वापस इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेज दिया गया, लेकिन न्यायिक कार्य से अलग रखा गया। न्यायमूर्ति वर्मा ने अपनी बेगुनाही का दावा करते हुए, सुप्रीम कोर्ट में समिति की रिपोर्ट को चुनौती दी है।

सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में वकील एन.एन. नडुमपारा ने न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग करने वाली याचिका पर शीघ्र सुनवाई की मांग की। उन्होंने जब केवल "वर्मा" कहकर उनका उल्लेख किया, तो मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा, अगर आप यह चाहते हैं कि मैं इस याचिका को खारिज कर दूं, तो इसे अभी खारिज किए देता हूँ। क्या न्यायमूर्ति वर्मा आपके मित्र हैं? वे अभी भी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हैं। आप उन्हें 'वर्मा' कहकर कैसे संबोधित कर सकते हैं? सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी इसका विरोध किया।

नडुमपारा की याचिका में दिल्ली पुलिस को निर्देश देने की ये मांग की गई है कि न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ नकदी बरामदगी को लेकर प्राथमिकी दर्ज की जाए और इसकी जांच की जाए। याचिका में कहा गया है कि इतनी बड़ी मात्रा में नकदी की बरामदगी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और मनी लॉन्डरिंग रोकथाम कानून के तहत दंडनीय अपराध है।

मार्च 14 को आग की सूचना पर दमकल कर्मी और पुलिस अधिकारी न्यायाधीश के आवास पर पहुंचे थे, जहां उन्हें प्लास्टिक के थैलों में रखी बड़ी मात्रा में अधजली नकदी मिली थी। नदुमपारा की याचिका में कहा गया है कि पुलिस ने मौके पर वीडियो और फोटो तो लिए, लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं की, क्योंकि के. वीरास्वामी बनाम भारत सरकार केस के निर्णय के अनुसार, किसी न्यायाधीश के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए मुख्य न्यायाधीश की अनुमति आवश्यक होती है।

वकील का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच समिति असंवैधानिक है और यह पुलिस की भूमिका में हस्तक्षेप करती है।

मानसून सत्र के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के नेता होने के नाते उन्हें बोलने का अवसर न देने का, आरोप लगाया।

सरकार और विपक्ष के बीच यह टकराव सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को और भी बढ सकता है, क्योंकि यह खबर सामने आई है कि प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को मालदीव और ब्रिटेन के दौरे पर जा रहे हैं। विपक्ष का कहना है कि इस दौरे पर विदेश मंत्री या अन्य कोई मंत्री भेजा जा सकता था, तथा प्रधानमंत्री को संसद सत्र के दौरान विदेश नहीं जाना चाहिए।

विपक्ष ने अब तक कम से कम 20 मुद्दों पर बहस के लिए नोटिस दिए हैं, जिनमें बिहार में मतदाता सूची का पुनरीक्षण, मणिपुर की स्थिति और कई पुलों के ढहने जैसी घटनाएं शामिल हैं।

बांग्लादेश वायु सेना का एफ-7 विमान कॉलेज में क्रैश हुआ

ढाका, 21 जुलाई। बांग्लादेशी वायुसेना का एक एफ-7 प्रशिक्षण विमान सोमवार को कॉलेज परिसर में हादसे का शिकार हो गया। विमान कॉलेज की बिल्डिंग से जा टकराया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि170 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। मरने वालों में 16 छात्र, 2 शिक्षक और 1 पायलट शामिल हैं। एक अन्य मृतक से जुड़ी जानकारियां अभी नहीं मिली हैं। हादसे के वक्त माइलस्टोन कॉलेज में बच्चे मौजूद थे। प्लेन क्रैश होने के बाद स्कूल-कॉलेज में अफरातफरी मच गई। मौके पर अग्निशमन और बचाव दलों ने पहुंचकर बचाव कार्य शुरू कर दिया है।

हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी घटना की पुष्टि की है। अधिकारियों ने बताया कि प्रशिक्षण विमान ने दोपहर लगभग 1:06 बजे उड़ान भरी थी और उड़ान भरने के तुरंत बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के बाद विमान में आग लग गई।

'ईडी सारी हदें पार कर रहा है'

अधिवक्ताओं को समन भेजने पर सुप्रीम कोर्ट में ईडी पर सख्त टिप्पणी की

- **सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई बीआर गवई, जस्टिस विनोद चन्द्रन की बैंच ने कहा कि अधिवक्ता का अपने मुवक्किल से विशेषाधिकार प्राप्त संवाद होता है उस पर नोटिस कैसे जारी हो सकता है।**

नयी दिल्ली, 21 जुलाई। उच्चतम न्यायालय ने एक मामले में कुछ वरिष्ठ अधिवक्ताओं को तलब करने में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के जांच के तरीके पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सोमवार को कहा कि वह "सारी हदें पार कर रहा है।"

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने ईडी द्वारा हाल ही में वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को तलब किए जाने पर स्वत: संज्ञान लेते हुए मामले की सुनवाई करते हुए कई सख्त टिप्पणियां कीं और इस मामले (ईडी जांच) में दिशा-निर्देश बनाने का सुझाव दिया।

पीठ ने इस बात पर भी खेद व्यक्त किया कि इतने सारे मामलों में जहाँ उच्च न्यायालय ने सुविचारित आदेश पारित किए थे, ईडी केवल अपील दायर करने के लिए ही अपील दायर कर रहा है।

पीठ ने कहा, एक अधिवक्ता और मुवक्किलों के बीच संवाद विशेषाधिकार प्राप्त संवाद होता है। उनके खिलाफ नोटिस कैसे जारी किए जा सकते हैं? वे सारी हदें पार कर रहे हैं...। सुनवाई के दौरान एक अधिवक्ता ने तर्क दिया कि अधिवक्ता दातार जैसे कानूनी पेशेवरों को हाल ही में ईडी द्वारा जारी किए गए नोटिस का वकालत के पेशे पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

बैंच ने कहा कि दिशानिर्देश बनाए जाने चाहिए। अधिवक्ता ने तर्क पर क्रिया देते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि झूठे आख्यान गढ़ कर संस्थाओं को बदनाम करने की कोशिश की गई है।

अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमण और मेहता ने कहा कि अधिवक्ताओं को समन जारी करने के संबंध में मामला उच्चतम स्तर पर उठाया गया था और जाँच एजेंसी से कहा गया था कि वह अधिवक्ताओं को कानूनी सलाह देने के लिए नोटिस जारी न करे।

रेल्वे पेपरलीक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईएसएम कर्जन-बोरियावी, पश्चिम रेलवे, आणंद और रेलवे विभाग के अन्य लोगों द्वारा प्रश्नपत्र लीक करने के संबंध में मामला दर्ज किया था। दोषियों ने प्रोबेशनरी असिस्टेंट स्टेशन मास्टर के पद के लिए लिखित परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों से 50 हजार से लेकर एक लाख रुपये तक की राशि वसूली थी। मामले की सुनवाई के बाद न्यायालय ने आरोपियों को दोषी ठहराया और उन्हें सजा सुनाई।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908